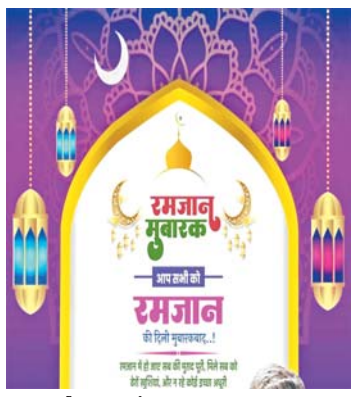


दैनिक
# सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 219/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, शुक्रवार 24 मार्च 2023 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

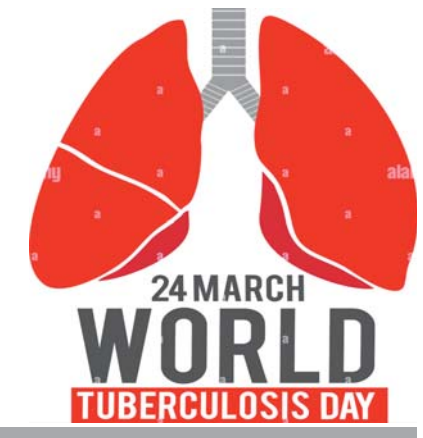


**सांध्यप्रकाश विशेष**

## ऐसा संपादक जिसने मालिक होकर भी कभी वो दंभ नहीं रखा!

**हेमंत पाल**

इंदौर को हिंदी पत्रकारिता की काशी कहा जाता रहा है। इसलिए निश्चित रूप से 'नईदुनिया' किसी तीर्थ से कम नहीं था। आजादी के बाद से ही 'नईदुनिया' की स्वच्छ और पाठकों प्रति समर्पित पत्रकारिता थी, जो करीब 6 दशकों से ज्यादा तक बनी रही। इस साख को बनाए रखने और इसे शिखर तक पहुंचाने में जिन लोगों का हाथ था, उनमें से प्रमुख रहे अभय छजलानी, जो अब उस यात्रा पर रवाना हो गए, जहां से कभी कोई लौटकर नहीं आता! लेकिन, उसके सद्कर्म, कर्म के प्रति उनका समर्पण और यदि पत्रकारिता की बात की जाए तो पाठकों का उनके प्रति दायित्व भाव कभी भुलाया भी नहीं जा सकता। 'नईदुनिया' की मिल्कियत उन्हें पैतृक मिली थी, पर उसमें सकारात्मक ऊर्जा अभय छजलानी ने ही भरी। हिंदी पत्रकारिता में दमदार अखबार की 'नईदुनिया' की जो भी पहचान बनी, वो इसी एक व्यक्ति की योजना, समझ और भविष्य को परखने की वजह से बनी थी।

अभय छजलानी (नजदीकी लोगों बीच अब्बू जी) वो शख्सियत थे, जिनसे एक बार मिलने के बाद भी कोई उन्हें

भुला नहीं सकता था। सलीके का पहनावा, मोहक सी मुस्कान और बातों में अपनत्व का भाव ऐसा था कि वो अपनी छाप जरूर छोड़ता था। कहने को वे 'नईदुनिया' के मालिकों में थे, पर उन्हें जानने वालों को पता है कि अभय जी ने कभी मालिक होने दंभ नहीं बताया। वे सिर्फ इसलिए 'नईदुनिया' के प्रधान संपादक नहीं थे कि वे इस संस्थान के मालिक भी थे! (शेष पेज 4 पर)

**स्मृति शेष- अभय छजलानी जी...**

## मुख्यमंत्री जी आप अपनी सरकार चलाइये, मुझे अपना अख़बार चलाने दीजिये

आज पत्रकारिता के इस दौर में जो सबसे दुर्लभ है वह है पत्रकारों का स्वाभिमान बचे रहना। आज आप चाहे जितने बड़े मीडिया संस्थान में कार्य कर रहे हो, आप पत्रकारिता नहीं महज़ नौकरी कर रहे हैं। किसी छोटे से नेता या अधिकारी के दबाव में खबरें दब जाती हैं या संवाददाता ही हटा दिए जाते हैं तब क्या कोई यक़ीन करेगा कि एक संपादक ऐसा भी था जो मुख्यमंत्री को किसी संवाददाता के हटाए जाने के आग्रह पर अपने संवाददाता पर विश्वास बनाये रखते हुए दृढ़ता से यह जवाब दे दे कि मुख्यमंत्री जी आप अपनी सरकार चलाइये, मुझे अपना अख़बार चलाने दीजिये. मैं अपने संवाददाता को बखूबी जानता हूँ, आप किसी खबर को लेकर अपना पक्ष रखना चाहते है तो उसे हम जरूर प्रकाशित करेंगे।

हाँ, यह मेरे साथ ही हुआ था जब खण्डवा में जंगलों की अवैध कटाई, नागचून तालाब के बेशक़ीमती हजारो एकड़ जमीन की गुपचुप नीलामी सहित अनेक खबरों को लेकर न केवल स्थानीय प्रशासन बल्कि मंत्री, मुख्यमंत्री तक परेशान हो गए थे, मुझे नईदुनिया से हटाने के लिए बहुत दबाव भी प्रबंधन पर था तब अभय जी ने यह जवाब दिया था। यह बात उन्होंने मुझे स्वयं बताई थी और यह ताक़ीद भी किया था कि अपनी खबरों में तथ्यों को क्रॉस चेक जरूर करना, आवश्यक दस्तावेज़ भी जरुरी है। (शेष पेज 4 पर)

## अभयजी- जिन्होंने हिंदी पत्रकारिता को दी नयी ऊँचाइयाँ

**डॉ.स्वाति तिवारी**

आज अभयजी भी नहीं रहे। पत्रकारिता का एक स्तंभ ढह गया। इंदौर को पत्रकारिता का गढ़ कहा जाता था तो इसके पीछे अभयजी ही थे। नईदुनिया यानी पत्रकारिता का स्कूल।

इंदौर के गौरव अभय जी को याद करते हुए नई दुनिया का याद आना स्वाभाविक है .एक समय था जब आदरणीय अभयजी के नेतृत्व में नई दुनिया हिंदी पत्रकारिता में न सिर्फ मालवा, न सिर्फ मध्य प्रदेश वरन देश

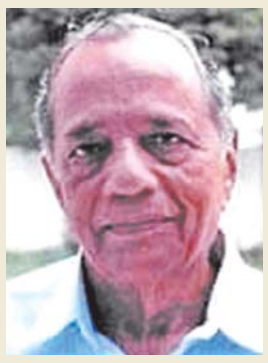

का सिरमौर हुआ करता था . एक अखबार जो सामाजिक दर्पण की तरह था , जो किसी समय समाज को प्रतिबम्बित करते रहने और सामाजिक बदलाव का आधार स्तम्भ रहा है ,यह स्वच्छ छबि किसी अखबार के बहाने उसके नियंता की ही थी जो अभय जी थे . जिनके प्रति न केवल सम्मान रहा बल्कि उनकी पत्रकारिता पर विश्वास किया जाता था। पूरी दुनिया जानती थी कि अभय जी द्वारा संचालित अखबार नईदुनिया में प्रकाशित समाचार अधिकृत होगा एक तरह का पत्रकारिता गजेटियर।

बचपन से उसे पढ़ते हुए लिखना पढना सिखा .लेखन में प्रतिष्ठा मिली नई दुनिया में प्रकाशित होने पर ,लेख, कथा , कहानी , पत्रकारिता के पायदानों पर मुझे भी कदम कदम पर नई दुनिया का साथ मिला फिर एक दिन अखबार के प्रथम पृष्ठ पर मेरी कवर स्टोरी देख जो खुशनुमा अहसास हुआ था उसके लिए शब्द नहीं हो सकते .वो दिन मेरे लिए किसी अवार्ड मिलने से भी कहीं ज्यादा महत्व पूर्ण था।

इसका किस्सा भी बहुत अलग है।

जब मैंने सहज ही फोन पर बातचीत के दौरान धार जिले की एक अलग स्टोरी का जिक्र किया तो उन्होंने तुरंत कहा था कि आप हमें आज ही दीजिए हम इसका उपयोग नई दुनिया में करना चाहेंगे और मैंने फटाफट उस स्टोरी को पूरा लिखकर अभय जी को भेज दिया था। मुझे इस बात का जरा भी अहसास नहीं था कि इस खबर को वे नई दुनिया की कवर पेज स्टोरी ऑल एडिशन बनाएंगे ।

यह नईदुनिया क प्रथम संस्करण है। आल एडिशन में गई ये रिपोर्ट इंदौर में कलर फोटो के साथ थी .12 जनवरी 1999 को प्रकाशित ये रिपोर्ट न अंतर्राष्ट्रीय कोई घटना थी ,ना आतंकवादी कोई विस्फोट ,न कोई देशद्रोही घटनाक्रम पर एमपी के सबसे बड़े और लोकप्रिय समाचार पत्र ने इसे प्रमुखता से जो जगह थी उसकी वजह नईदुनिया का सामाजिक सरोकार ही था जो प्रबंधन की प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर हुआ करता था .एक आम पाठक का अपना अख़बार. एक सामान्य पाठक का.मेरे जीवन में इस प्रकाशन का अद्भुत योगदान रहा है ,जो आदरणीय अभय जी के कारण ही संभव था।

पहली बार अपने लिखने पर गर्व का अनुभव हुआ था .आल एडिशन कलर फोटो के साथ पाँच कालम बेनर स्टोरी की इस रिपोर्ट पर उस साल गोपीकृष्ण गुप्ता स्मृति बेस्ट रिपोर्टिंग पत्रकारिता पुरस्कार भी मिला था .आदरणीय अभय जी को आभार व्यक्त करते हुए फोन पर बात की थी तो उन्होंने मेरा उत्साह बढ़ाते हुए कहा था कि आपने स्टोरी लिखी ही कुछ इस तरह थी कि मैं उसे कवर स्टोरी के अलावा कोई और जगह नहीं दे पाया .ये आपकी पत्रकारिता को भी प्रमाणित करता है।

उस दिन उनके इस आशीर्वाद और इस प्रकाशन ने मेरी पत्रकारिता को एक नयी दिशा और अलग पहचान दी थी। नई दुनिया मालवा की सस्कृति ,संस्कारो ,शिष्टाचार और साफसुथरी पत्रकारिता का नाम हुआ करता था . इसका श्रेय अगर किसी को जाता है तो वह केवल और केवल अभय छजलानीजी ही थे जिनकी छत्रछाया में नई दुनिया न सिर्फ मालवा न सिर्फ मध्य प्रदेश बल्कि देश में हिंदी पत्रकारिता की मिसाल बन गया था लेकिन बाद में।

आज एक बार फिर अभय जी को याद करते हुए मैं भाव विभोर हो रही हूँ। उनके इस स्नेह, इस अपनत्व का कोई दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता .जाना तो सबको है एक दिन लेकिन उनका जाना एक रिक्तता रहेगी पत्रकारिता जगत में।

**पीएम ने वाराणसी में टीबी को हराने के लिए 5 टी का मंत्र दिया**

# गांधीजी का एक अधूरा काम मुझे पूरा करने का मौका मिला: पीएम मोदी

**वाराणसी।** पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को वाराणसी में हैं। वह रुद्राक्ष कन्वेंशन में टीवी दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां पीएम ने कहा, टीबी बीमारी के खिलाफ हमारे संकल्प को काशी एक नई ऊर्जा देगी। मोदी ने टीबी को हराने के लिए 5टी- ट्रेस, टेस्ट, ट्रैक, ट्रीट एंड टेक्नोलॉजी का मंत्र दिया।

उन्होंने कहा कि भारत की वसुधैव कुटुंबकम की भावना है। इसलिए भारत ने जी-20 थीम का नाम वन वर्ल्ड, वन फैमिली, वन फ्यूचर रखा है। इससे पहले, पीएम ने संबोधन की शुरुआत हर-हर महादेव से की। इस कार्यक्रम में 40 देशों के प्रतिनिधि पहुंचे हैं। पीएम ने इस दौरान गांधी जी से जुड़ी एक कहानी भी सुनाई। कहा, एक बार गांधीजी को लेप्रेसी के

अस्पताल का उद्घाटन करने के लिए बुलाया गया। उन्होंने कहा कि जब आप लोग इस अस्पताल को बंद कराने के लिए बुलाएंगे तो मुझे खुशी होगी। 2001 में जब गुजरात के लोगों ने मुझे सेवा का अवसर दिया तो मुझे लगा कि गांधीजी का एक काम अधूरा है। तब लेप्रेसी के खिलाफ हमने अभियान चलाया। 2007 में लेप्रेसी के उस अस्पताल में ताला लग गया। बीमारी की रेट 23त्न से कम होकर 1त्न से पहुंच गई।

### 10 लाख से ज्यादा टीबी मरीजों को एडॉप्ट किया

पीएम ने कहा, 9 साल में भारत ने टीबी के खिलाफ अनेक मोर्चों पर एक साथ काम किया। जैसे जन भागीदारी, पोषण के लिए विशेष अभियान, इलाज के लिए नई रणनीति, तकनीक का भरपूर इस्तेमाल, अच्छी हेल्थ को बढ़ावा देने वाले खेलो इंडिया, योग को बढ़ावा दिया। भारत ने टीबी के खिलाफ जन भागीदारी अभियान बहुत यूनिक तरीके से चलाया। दूसरे देशों से आए हमारे अतिथियों के लिए यह जानना काफी दिलचस्प होगा। 10 लाख टीबी मरीजों को भारत के सामान्य लोगों ने एडॉप्ट किया है। यहां पर 10-12 साल के बच्चे भी निक्षय मित्र बनकर टीबी को हरा रहे हैं।

# राहुल गांधी मामले को लेकर कांग्रेस ने निकाला मार्च, पुलिस से झड़प

**शाम को राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे**

**नई दिल्ली।** कांग्रेस ने मानहानि के एक मामले में सूरत की अदालत द्वारा राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाए जाने पर कानूनी लड़ाई लड़ने के साथ ही इसे बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाने के लिए विपक्षी दलों को साथ लाने और जनता के बीच जाने का फैसला किया है। राहुल गांधी की सजा के खिलाफ कांग्रेस ने सड़कों पर उतर गए हैं। फिलहाल विपक्षी सांसदों ने संसद से मार्च निकाला है, जिसे विजय चौक तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने बीच में ही रोक दिया गया। यहां पुलिस से झड़प हुई।

बताया गया है कि आज ही कांग्रेस अन्य दलों के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मिलेगी। मुख्य विपक्षी दल ने अदालत के फैसले के तुरंत बाद एक जन आंदोलन की घोषणा की और कहा कि वह न केवल कानूनी रूप से बल्कि राजनीतिक रूप से भी इस मामले को लड़ेगी। अदाणी समूह के मामले में विपक्षी सांसद जेपीसी जांच की मांग करते हुए शुक्रवार को विजय चौक की तरफ कूच कर गए। हालांकि, पुलिस ने बीच रास्ते पर घोषणा की है कि मार्च कर रहे विपक्षी सांसद आगे मार्च के लिए न बढ़ें, क्योंकि यहां धारा 144 सीआरपीसी लागू है। यहां किसी भी आंदोलन की अनुमति नहीं है।

मुख्य विपक्षी दल ने अदालत के फैसले के तुरंत बाद एक जन आंदोलन की घोषणा की और कहा कि वह न केवल कानूनी रूप से बल्कि राजनीतिक रूप से भी इस मामले को लड़ेगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को संसद में कांग्रेस के संसदीय कार्यालय में रखी गई सांसदों की बैठक में शामिल हुए। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी भी मीटिंग में शामिल रहीं।

### मल्लिकार्जुन खरगे ने किया पलटवार

सूरत कोर्ट के फैसले के बाद भाजपा की तरफ से राहुल पर लगाए जा रहे आरोपों को लेकर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि लोगों को मुद्दे से भटकाने के लिए वे (भाजपा) ऐसी बातें कर रहे हैं। कौन इस देश के पैसे लेकर भाग गए?

### राहुल गांधी गैर जिम्मेदार नेता: चौहान

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कहा है कि राहुल गांधी जी ने एक नहीं कई विवादित बयान दिए हैं। वह गैर जिम्मेदार, अपरिपक्व और अमर्यादित नेता हैं। माननीय न्यायालय द्वारा मानहानि मामले में दी गई सजा ने सिद्ध कर दिया है कि लोकतंत्र में कानून के ऊपर कोई नहीं है।

### संयुक्त राष्ट्र तक पहुंचा राहुल गांधी की सजा का मामला

राहुल गांधी को सजा का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। कांग्रेस समेत विपक्ष के कई दलों ने इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी सरकार पर हमला बोला है। संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएन) तक राहुल गांधी की जेल की सजा का मामला पहुंच गया। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता फरहान हक का इस मसले पर बयान आया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दो साल की जेल की सजा और कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ उनकी पार्टी द्वारा अपील करने की खबरों से संयुक्त राष्ट्र अवगत है। फरहान हक ने प्रेस ब्रीफिंग में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, मैं कह सकता हूं कि हम राहुल गांधी के मामले से अवगत हैं। हम समझते हैं कि उनकी पार्टी फैसले के खिलाफ अपील करने की योजना बना रही है। इस स्तर पर मैं इतना ही कह सकता हूं।

## कर्नाटक पहुंचे अमित शाह, मादक पदार्थों की तस्करी पर आयोजित सम्मेलन में हुए शामिल

**बेंगलुरू।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बेंगलुरु में मादक पदार्थों की तस्करी और दक्षिणी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा पर क्षेत्रीय सम्मेलन में भाग लिया। इस कॉफ्रेंस में साउथ के राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं। उनके सामने ड्रग्स भी जलाकर नष्ट किया जाएंगे।

गृहमंत्री अमित शाह ने बेंगलुरू पहुंचने के बाद सबसे पहले पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा से मिलने पहुंचे। शाह ने येदियुरप्पा के घर ब्रेकफास्ट पर चुनावी चर्चा भी की। इस दौरान राज्य के सीएम बसवराज बोम्मई, येदियुरप्पा के बेटे विजेंयद्र और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह और कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष नलिनकुमार कटील समेत कई सीनियर लीडर मौजूद रहे।

## ग्वालियर चंबल संभाग में हल्के भूकंप के झटके

**ग्वालियर।** ग्वालियर चंबल संभाग में शुक्रवार को हल्के भूकंप के झटकों का अहसास हुआ। इस अहसास के चलते मल्टियों में रहने वाले लोग दहशत में आए गए। भूकंप का केंद्र ग्वालियर चंबल संभाग था। जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। सुबह 10.31 बजे यह झटके अहसास किए गए। इसकी तीव्रता रियेक्टर स्केल पर चार नापी गई।

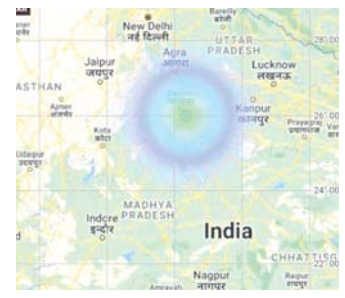


सामान्य दिनों की तरह लोग अपने घरों में थे, लेकिन ऊंची इमारतों में रहने वाले लोगों को हल्के कंपनी का अहसास हुआ। इस कंपनी को लेकर दहशत में आए गए, एक दूसरे से भूकंप के बारे पूछने लगे। भूकंप एक से दो सेकेंड का था, जिसके चलते लोग कुछ नहीं समझ सके। पिछले दस सालों में यह पहली घटना है, जब ग्वालियर भूकंप का केंद्र रहा है। ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, श्योपुर कलान में इसके झटकों का अहसास हुआ। मौसम केंद्र भोपाल रडार प्रभारी वेदप्रकाश सिंह का कहना है कि एक से तीन सेकेंड के बीच का ही भूकंप रहा है।

### आगरा व धौलपुर रह चुका है केंद्र

वैसे ग्वालियर चंबल संभाग भूकंप का केंद्र नहीं रहता है, लेकिन धौलपुर व आगरा केंद्र रहे हैं। भूकंप का केंद्र ग्वालियर होने से हैरान करने वाली स्थित है। पिछले हफ्ते भी ग्वालियर में भूकंप के झटकों की अफवाह के चलते लोग घरों से बाहर आ गए थे।

**भोपाल।** स्वास्थ्य मंत्री डा. प्रभुराम चौधरी ने आज टीबी मुक्त प्रदेश के लिए जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाई।

# वायुसेना ने कहा- हथियारों की सप्लाई का वादा पूरा नहीं कर पाएगा रूस

**नई दिल्ली।** रूस-यूक्रेन युद्ध का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। भारत भी प्रभावित हुआ है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस युद्ध का सीधा असर भारत की रक्षा विभाग पर भी पड़ा है। रूस ने इस साल जिन हथियारों की सप्लाई का वादा किया था, वो युद्ध के चलते पूरा नहीं हो सकता है। भारतीय वायुसेना ने इसकी जानकारी दी। कहा कि यूक्रेन में जारी युद्ध के कारण रूस महत्वपूर्ण रक्षा आपूर्ति देने में असमर्थ है, जो उन्हें भारतीय सेना को आपूर्ति करना था। ये पहली बार है जब वायु सेना ने इस तरह का बयान दिया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, भारतीय वायु सेना का बयान संसदीय समिति को सौंपा गया है। मंगलवार को इसे वेबसाइट पर प्रकाशित किया। भारतीय वायु सेना ने संसदीय समिति को बताया कि रूस ने इस साल बड़ी खेप में डिलीवरी की योजना बनाई थी, जो यूक्रेन में युद्ध के चलते पूरी नहीं होगी।

वहीं, न्यूज एजेंसी ने इस मसले पर नई दिल्ली में स्थित रूसी दूतावास में संपर्क किया। दूतावास के प्रवक्ता ने कहा, हमारे पास ऐसी जानकारी नहीं है, जो बताई गई बातों की पुष्टि कर सके। वहीं, रूसी सरकार की हथियार निर्माता शाखा रोसोबोरोनेक्सपोर्ट से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई है। रिपोर्ट में डिलीवरी से संबंधित अधिक जिक्र नहीं किया गया है।

**इन हथियारों की सप्लाई रूकी-** इस साल सबसे बड़ी सप्लाई एस-400 ट्राइयूम एफ एयर डिफेंस सिस्टम यूनिट्स की होनी थी। भारत ने 2018 में 5.4 बिलियन डॉलर में इसका ऑडर दिया था। इनमें से तीन यूनिट भारत को मिल चुकी हैं, दो मिलनी बाकी हैं। इसके अलावा एयरफोर्स के एसयू-30एमकेआई और मिग-29 फाइटर जेट्स के लिए पार्ट्स भी रूस से ही आते हैं। ऐसे में इसकी सप्लाई में भी देरी होगी।

रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि पिछले दो दशकों में भारत ने रूस पर अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश की है। भारत ने रूस के साथ-साथ अब फ्रांस, अमेरिका और इजराइल जैसे पश्चिमी देशों का रुख किया है। भारत वैश्विक कंपनियों के सहयोग से भारतीय कंपनियों को देश में ही अधिक उत्पादन करने के लिए प्रेरित कर रहा है।

# ग्लोबल वॉर्मिंग को रोकना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी: संदीप चौधरी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

कोई भी प्रयास और अभियान तब तक सफल नहीं होता जब तक उसमें प्रत्येक की हिस्सेदारी शामिल नहीं होती है। यह बात जाने-माने सेव अर्थ एक्टिविस्ट संदीप चौधरी ने जलवायु परिवर्तन के बारे में कही। संदीप चौधरी के नेतृत्व में यस वर्ल्ड एवं सेव अर्थ मिशन की टीम द्वारा जलवायु परिवर्तन को लेकर यह बात कही गई, जिसका उद्येश्य धरती पर हो रहे ग्लोबल वॉर्मिंग के दुष्प्रभावों को लेकर समाज का ध्यान आकर्षित करना रहा।

**जलवायु परिवर्तन एक ऐसी समस्या है, जो सम्पूर्ण मानव जाति के लिये बड़ा खतरा बन चुकी**

सेव अर्थ एक्टिविस्ट संदीप चौधरी ने कहा कि आज जलवायु परिवर्तन एक ऐसी समस्या है, जो सम्पूर्ण मानव जाति के लिये बड़ा खतरा बन चुकी है। वास्तव में हम सबका भविष्य खतरे में है। उन्होंने कहा कि भले ही इस संबंध में सरकार की बैठकें होती रहती है, जिनमें कई वादे किये जाते हैं, मगर इन सबका अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया है, जो चिंता का विषय है। इसलिये उन्होंने कहा कि इस धरती पर रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह खासकर कार्बन का प्रयोग कम करके ग्लोबल वार्मिंग को रोकने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे। संदीप चौधरी के अनुसार, पर्यावरण बचाओ अभियान से जुड़कर वातावरण को प्रदूषित होने से बचाना हमारा कर्तव्य है, जिससे आने वाली पीढ़ी को हमारी धरती वैसी ही मिले जैसे हमे मिली एवं वह भी हमारे इस नेक काम का अनुसरण कर पर्यावरण के प्रति जागरूक रहे। दरअसल, एक साधारण किसान परिवार में पैदा हुए संदीप चौधरी का धरती एवं पर्यावरण के प्रति शुरू से ही गहरा लगाव रहा है। यही वजह रही कि उन्होंने पर्यावरण बचाने के बड़े अभियान के साथ अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। इसके लिये उन्होंने यस वर्ल्ड नामक एक संस्था शुरू की जो धरती एवं पर्यावरण के संबंध में जागरूकता फैलाने का काम करती है। इस संस्था के माध्यम से संदीप चौधरी लोगों को जागरूक करते हुए बताते हैं, कि किस तरह हम अपनी धरती को अधिक हरित एवं कार्बन रहित बना सकते हैं। इन्हीं जागरूकता अभियानों के लिये देश के कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों द्वारा उन्हें सम्मानित किया जा चुका है।

# धूमधाम से निकली संत हिरदाराम नगर में शोभायात्रा, जगह-जगह हुई पुष्पवर्षा

## रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकले भगवान झूलेलाल, मंदिरों में हुए आयोजन

**संत हिरदाराम नगर।** भगवान झूलेलाल के अवतरण दिवस चैतीचांद पर राजधानी भोपाल सहित संत हिरदाराम नगर में धार्मिक आयोजन किए गए। सुबह मंदिरों में पूजा अर्चना की गई तो वहीं शाम को विशाल शोभा यात्रा संत नगर से निकाली गई। भगवान झूलेलाल रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण पर निकले और जगह-जगह मंच से पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। सिन्धु समाज स्कूल से शुरू हुई शोभा यात्रा मुख्य मार्ग से होते हुए वीवार्ड स्थित झूलेलाल मंदिर पहुंची जहां पर प्रसादी वितरण के साथ समाप्त की गई। शोभा यात्रा में समाज के धर्म गुरू, संत महात्मा भी शामिल हुए। सिंधी डांडिया, रथ, डीजे, बैंड, आर्केस्ट्रा शामिल किए गए।

**झूलेलाल मंदिरों में हुई पूजा अर्चना, जमकर झूमे भक्त:** संत नगर स्थित झूलेलाल मंदिरों में बहिराणा साहब की ज्योति प्रज्जवलित की गई। वहीं छेज, डांडिया और सिंधी भजनों पर श्रद्वालुगण जमकर झूमते नजर आए। एच वार्ड स्थित झूलेलाल मंदिर पर पूजा अर्चना के साथ मेले का शुभारंभ किया गया। भाजपा के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी और महापौर मालती राय ने पहुंचकर पूजा अर्चना की और भजनों पर नृत्य किया बाद में प्रसादी वितरण किया गया। शुभ दिन होने से मंदिर पर बच्चों का मुंडन संस्कार भी किया गया। इधर, बस स्टैंड स्थित प्राचीन झूलेलाल मंदिर में पूजा अर्चना की गई। चंचल चैराहा, बस स्टैंड पर प्रसादी वितरण किया गया। इस अवसर पर संत हिरदाराम नगर का पूरा बाजार बंद रखा गया।

**आस्था उमड़ा सैलाब:** शोभा यात्रा में आस्था का सैलाब उमड़ा । जुलूस लगभग एक किलो मीटर लम्बा था। जिसमें 25 फीट लम्बाई वाले 7 ट्राले संत महापुरूषों की झांकियों से समेटे हुए थे। इसके अलावा आगे पीछे डीजे, तोशे, ऊंट व नाचती घोड़ी भी सभी को अपनी तरफ आकर्षित कर रही थी। जबकि 7 बग्गियों में धार्मिक गुरू वेदांत संत लाल साईं महाराज, बाब रामदास उदासीन, महंत तुलसी कलतारी, मुकेश महाराज, साध्वी द्रोपदी धनवानी, संत नरेश पारदासानी मुख्य आकर्षण थे। इनके हजारों की संख्या में अनुयाई जिसमें काफी संख्या में महिलाएं भी शामिल थी, जुलूस के साथ चल रही थी।

**यह हुए शामिल:** शोभा यात्रा में महानगर नागरिक बैंक के अध्यक्ष सुशील वासवानी, एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, पार्षद अशोक मारन, मण्डल भाजपा अध्यक्ष कमल वीधानी, जिला भाजपा उपाध्यक्ष राम बंसल रैनवाल, राहुल राजपूत, मंत्री प्रवीण प्रेमचंदानी, जगदीश आसवानी, विनय दादलानी, नव युवक सभा के अध्यक्ष विष्णु गेहानी, संरक्षक वासुदेव वाधवानी, सिंधी सेन्ट्रल पंचायत अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश ईसरानी, महासचिव सुरेश जसवानी, महेश खटवानी, खूबचंद भागचंदानी, नरेन्द्र लालवानी, राजेश बेलानी, नारायणदास तोलानी, मोहन मनवानी, भारत धनवानी, भरत आसवानी, नारायणदास लालवानी, शट्टी चंदनानी, राकेश शेवानी, नरेश केवलरामानी, आसनदास वाधवानी, संजय आसवानी, हरीश मेहरचंदानी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

**विद्यार्थियों ने दी सिंधी गीत की प्रस्तुतियां, भगवान झूलेलाल की हुई स्तुति:** सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल के नंदवानी भवन में चैतीचांद पर्व का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों द्वारा झूलेलाल की स्तुति एवं वंदना की प्रस्तुति दी गई। इस प्रस्तुति से सभी को सिंधी होने का गर्व महसूस हुआ एवं सभी की आंखों से खुशी झलक रही थी एवं आये हुये अतिथियों ने पल्लव के साथ छेज लगाकर चैतीचांद का पावन पर्व उत्साह के साथ मनाया। छात्राओं ने सिन्धी गीत की प्रस्तुतियां भी दी। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि भाषा को बोलने से उसका आदान-प्रदान होता है, अत: भाषा को सीखने के लिए उसका उच्चारण करना अत्यंत आवश्यक है, आज सिंधी समाज के सभी कर्णधारो से मेरा यही निवेदन है कि हमें अपनी सिंधी भाषा का सदैव उच्चारण करते रहना चाहिए, आज से नववर्ष प्रारंभ हो रहा है हमें अपनी सिंधी जाति पर सदैव गर्व होना चाहिए एवं हमें अपनी भाषा और संस्कृति को कभी नहीं भूलना चाहिए। कार्यक्रम में पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबूमल रीझवानी, बसंत चेलानी, महेश खटवानी सहित बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

# निगमायुक्त ने निगम मुख्यालय भवन के निर्माण कार्यों का लिया जायजा

## भवन में प्राकृतिक प्रकाश एवं ऊर्जा की बचत के लिए बेहतर प्रबंध करने के दिये निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नगर निगम आयुक्त के.वी.एस. चौधरी ने निर्माणाधीन निगम मुख्यालय भवन का निरीक्षण किया और प्रचलित कार्यों के साथ प्रस्तावित कार्यों के संबंध में अधिकारियों तथा कंसलटेंट से विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त चौधरी ने भवन में प्राकृतिक प्रकाश एवं ऊर्जा की बचत हेतु बेहतर प्रबंध करने के निर्देश दिये। निगम आयुक्त चौधरी ने जियो थर्मल, लिफ्ट स्थापना, कार्यालय की व्यवस्था एवं इंटीरियर कार्य सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त संदीप केरकेट्टा, अधीक्षण यंत्री पी.के.जैन सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे। निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने गुरूवार को तुलसी नगर सेकेण्ड स्टाप के पास निर्माणाधीन निगम मुख्यालय भवन का निरीक्षण किया और निगम के भवन में प्राकृतिक प्रकाश एवं ऊर्जा की उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए ऊर्जा की बचत हेतु बेहतर प्रबंध करने के निर्देश दिये। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने जियो थर्मल, लिफ्ट स्थापना, कार्यालय की व्यवस्था एवं इंटीरियर कार्य सहित अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त चौधरी ने भवन के भूतल पर प्रचलित कार्यों का जायजा लिया और अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की तथा सभी कार्य मानक स्तर की गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने बाउंड्रीवाल निर्माण के शेष कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करने तथा बाउंड्रीवाल से लगी भूमि को वृक्षारोपण के लिए आरक्षित रखने के निर्देश भी दिए। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने भवन को सर्व सुविधायुक्त बनाने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण एवं मेंटनेंस फ्री मटेरियल का उपयोग करने तथा कार्य की गति बढ़ाकर सभी कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

# चैती चांद पर निकले जुलूस का बंसी मंगवानी और मित्र मंडल ने किया भव्य स्वागत

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

चैती चांद के शुभ अवसर पर टीला रामपुरा सिंधी पंचायत के द्वारा निकाले गए जुलूस का बंसी मंगवानी एवं मित्र मंडल द्वारा भव्य स्वागत किया गया एवं प्रसाद वितरण किया गया इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा के पूर्व पार्षद पूर्व जिला प्रवक्ता घनश्याम कुशवाहा ,भाजपा के वरिष्ठ नेता जितेंद्र साहू ,वरिष्ठ नेता मनीष श्रीवास्तव ,और वार्ड 15 के पार्षद शैलेश साहू, योगेश हिमानी , उपस्थित हुए इस अवसर पर बलराम यादव, टप्पी शर्मा, युवा नेता दीपक तिवारी , अन्नू यादव ,अनूप सेन ,मोहन विश्वकर्मा ,अविनाश शर्मा , अरे भाई राकेश कुशवाह ,शरद ठाकुर भाई प्रियंका शिंदे ,पंकज साहू , एवं सभी क्षेत्र क्षेत्रीय नागरिक एवं साथी शामिल हुए।

# ईट राइट चैलेंज प्रतियोगिता में भोपाल को मिला दूसरा स्थान

**भोपाल ।** गत वर्ष भारत सरकार द्वारा देश में चलाये गये ईट राइट चैलेंज का परिणाम आज प्रकाशित हुआ जिसके अनुसार भाग लेने वाले 260 जिलों में भोपाल को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही ग्वालियर पांचवें तथा उज्जैन आठवें स्थान पर है। सूची के प्रथम पचास जिलों में मध्यप्रदेश के दस जिले शामिल हैं। आगामी 7 जून को केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री के द्वारा प्रतियोगिता के अग्रणी जिलों के नोडल अधिकारियो को पुरूस्कृत किया जायेगा। आमजन के खान-पान की आदतों में सकारात्मक बदलाव तथा खाद्य प्रतिष्ठानों में आत्म-अनुपालन की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1 मई 2022 से 15 नवम्बर 2022 तक चलाये गये देशाव्यापी ईट राइट चैलेंज की विभिन्न गतिविधियों के संचालन के दौरान मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री के मार्गदर्शन तथा आयुक्त, खाद्य सुरक्षा डॉ सुदाम खाड़े के निर्देशन में प्रदेश के सभी प्रतियोगी जिलों के द्वारा सराहनीय कार्य कर खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में प्रदेश को गौरवान्वित किया गया है।

# राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की छात्रा ने गेट परीक्षा में प्राप्त की सफलता

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति सुनील कुमार ने गेट एग्जाम 2023 में विश्वविद्यालय की घटक संस्था यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी भोपाल की कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा अंजलि चौहान द्वारा राष्ट्रीय स्तर के गेट एग्जाम 2023 में एआईआर-13 रैंक हासिल करने पर उन्हें विश्वविद्यालय की तरफ से बधाई एवं उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा की विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है, विश्वविद्यालय के छात्र एवं छात्राओं द्वारा निरंतर राष्ट्रीय स्तर पर राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का नाम प्रदेश एवं देश में रोशन किया जा रहा है उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि पिछले वर्ष गेट 2022 के परीक्षा में कंप्यूटर साइंस विभाग की छात्रा भावना चलानी राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग की छात्रा अंजलि चौहान गेट एग्जाम 2023 में एआईआर-13 रैंक हासिल किया, गेट 2023 के एग्जाम में कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग के अन्य छात्र छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा।

# 4 वर्षों से फरार आरोपी को क्राइम ब्रांच ने दबोचा

**भोपाल।** क्राईम ब्रांच भोपाल को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि लगभग चार वर्ष से थाना गुनगा से फरार एनएसए का आरोपी मुस्ताक अली निवासी काजी कैंप भोपाल का इस समय कबाड़खाने में फायर ब्रिग्रेड के पीछे घूम रहा है क्राईम ब्रांच के द्वारा थाना गुनगा से संपर्क कर जानकारी में बताया गया कि जिला दण्डाधिकारी के आदेश क्रमांक 12/एनएसए/2019 दिनांक 22.08.2019 को निरोध का आदेश के तहत आरोपी मुस्ताक अली पिता आफताब अली निवासी गंगौर वाली बावड़ी काजी कैंप भोपाल का एनएसए का वारंट जारी किया गया । कि वरिष्ठ अधिकारियो को सूचना एवं जानकारी से अवगत कराकर क्राइम ब्रांच की टीम द्वारा तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिया निर्देशों को पालन में हिकमतअमली से एनएसए के आरोपी मुस्ताक अली पिता आफताब अली निवासी गंगौर वाली बावड़ी काजी कैंप भोपाल को एनएसए वारंट के संबंध मे जानकारी से अवगत कराकर अभिरक्षा में लिया गया । तथा अग्रिम कार्यवाही हेतु थाना गुनगा को सुपुर्द किया गया । थाना क्राइम ब्रांच के निरी अनूप कुमार उइके,उनि कलीम उददीन , उनि सुनील भदौरिया, उनि घनश्याम दांगी, सउनि लोकपाल यादव, सउनि प्यारेलाल, प्रआर गजराज, प्रआर विजय वरण, आरक्षक महावीर, आरक्षक सलमान, आरक्षक शादाब, आरक्षक जितेन्द्र चंदेल, म.आर पूजा अग्रवाल की सराहनीय भूमिका रही ।

# कालापानी में आयुषी स्वस्थ नारी, सशक्त नारी महिला स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आयुष ग्राम कालापानी में संचालनालय आयुष मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद संस्थान के तत्वाधान में आयुषी स्वास्थ्य नारी, सशक्त नारी महिला स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया द्य कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य चंद्रेश राजपूत एवं सरपंच नीलेश मीणा की उपस्थिति में शुभारंभ किया गया।

पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ उमेश शुक्ला द्वारा अतिथियों का सत्कार दीप प्रज्वलन ,औषधि पौधे एवं पुष्पगुच्छ के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महिला रोग विशेषज्ञ डॉ मौसमी कुलहरे द्वारा सामान्य स्त्री रोगों के कारण, लक्षण एवं उनकी चिकित्सा का व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। मुख्य रूप से गर्भिणी परिचर्या एवं पौष्टिक आहार -विहार से संबंधित जानकारियां प्रदान की गई। कार्यक्रम में आयुषग्राम कालापानी के नोडल अधिकारी डॉ राजेश मेश्राम एवं डॉ श्वेतल शिवहरे, डॉ कामिनी सोनी, डॉ श्रद्धा शर्मा, डॉ तृप्ति जैन डॉ विजेंद्र मंडलोई एवं डॉ लक्ष्मण पाल द्वारा अपनी सेवाएं देकर चिकित्सा शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। चिकित्सा शिविर में कुल 381मरीजों द्वारा विशेषज्ञों से जांच करा कर औषधि चिकित्सा का लाभ लिया गया द्य कुल 140 महिला रोगी के हीमोग्लोबिन की जांच निशुल्क की गई। कुल 122 मरीजों का निशुल्क ब्लड शुगर जांच की गई एवं 60 औषधि पौधों का वितरण मुख्य अतिथि द्वारा ग्रामीणों को किया गया द्य चिकित्सा शिविर में ग्रामीणों एवं मरीजों को Ayushqure app download करवा कर app के माध्यम से घर बैठे चिकित्सा परामर्श प्राप्त करने हेतु जानकारी प्रदान की गई द्य चिकित्सा शिविर में मुख्य रूप से रक्ताल्पता , श्वेत प्रदर, त्वचा विकार ,हाई ब्लड प्रेशर ,शुगर, अर्थराइटिस रोगियों की संख्या अधिक रही।

# बेरोजगार युवाओं के लिए मुख्यमंत्री युवा कौशल कमाई योजना, इंटर्नशिप के साथ हर माह 8000

## युवा नीति कर्मकांड नहीं, युवाओं की जिंदगी बदलने का प्रयास: चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कल भोपाल में प्रदेश की नई युवा नीति की घोषणा की। उन्होंने बताया कि 10000 लोगों के सुझाव के आधार पर हमने इस नई नीति को बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश की युवा नीति केवल कर्मकांड नहीं है बल्कि युवाओं की जिंदगी को बदलने का एक विनम्र प्रयास है।

**मुख्यमंत्री चौहान द्वारा घोषित युवा नीति के महत्वपूर्ण बिंदु-**

बेरोजगारी भत्ते का मै बिरोधी हूं। प्रदेश के युवा बेरोजगारों के लिए शुरू करेंगे मुख्यमंत्री कौशल कमाई योजना। शिक्षित बेरोजगारों से प्रशिक्षण दिलवाएंगे और ?8000 महीने उन्हें दिया जाएगा। भोपाल के अलावा ग्वालियर, जबलपुर, सागर, रीवा में भी ग्लोबल स्किल पार्क बनेंगे। रोजगार मिलना सुनिश्चित किया जाएगा। 100 करोड़ की लागत से स्टूडेंट इनोवेशन फंड बनाया जाएगा। एक बार फीस भर साल भर मध्य प्रदेश सरकार द्वारा संचालित प्रवेश परीक्षाओं मैं बैठ सकेंगे। 124000 सरकारी नौकरियां देंगे। उद्योगों के जरिए 2900000 लोगों को नौकरियां देगी मध्य प्रदेश सरकार दिल्ली में नौकरी के लिए जाते समय मध्य प्रदेश भवन में रहने का मौका देगी सरकार

**योग उपक्रमों की जरूरत-** नशे के कारोबारियों को खत्म करने की जरूरत अप्रैल से शराब दुकानों के अहाते बंद होंगे। पार्क में सड़क में कोई शराब नहीं पिएगा, पीकर गाड़ी नहीं चलाएगा, सार्वजनिक स्थानों पर नहीं पिएंगे शराब, ऐसे लोगों पर कार्यवाही होगी। हम नशा मुक्त समाज बनाने की कोशिश करेंगे। खेल मेंटल हेल्थ को सुधरेगा केवल मोबाइल पर ना जमें रहे युवा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी के यूथ महापंचायत में उद्बोधन के प्रमुख बिंदूआज शहीद दिवस है, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू आज शहीद हुए उनका आज शहीदी दिवस है। अंग्रेजों ने चांदी की तस्तरी में हमें आजादी नहीं दी थी, हजारों क्रांतिकारी फांसी के फंदे पर झूल गये आजादी के लिए। क्रांतिकारी गाया करते थे- सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है।

हमारे शहीदों ने देश के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। भगत सिंह ने असेंबली में बम फेंका। भगत सिंह चाहते तो भाग सकते थे, उनके साथियों ने उन्हें जेल से भगाने के लिए योजना बनाई। जब उन्हें पता चला तो वह गुस्सा हो गये, बोले- भगत सिंह को कायर समझते हो। भगत सिंह बोले- फांसी लगेगी तो एक भगत सिंह मर जाएगा लेकिन उसके लहू से हजारों भगत सिंह पैदा होंगे। उनमें मौत का खौफ नहीं, मरने का डर नहीं। वो हंसते हंसते फांसी के फंदे पर झूल गये।

मेरे मन में एक तकलीफ है, आजादी के बाद तत्कालीन सरकारों ने हमें सिर्फ एक परिवार के बारे में बताया। नेहरू, इंदिरा गांधी का नाम बताया गया लेकिन हम भूल गये चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, झांसी की रानी को, सुखदेव, राजगुरू को, वीर सावरकर को, टंट्या मामा को, कुंवर सिंह को हमने भुला दिया।

इस देश को आजादी को इतिहास तक ढंग से नहीं पढ़ाया गया। मैं धन्यवाद देता हूं प्रधानमंत्री जी को जिन्होंने आजादी के अमृत महोत्सव में देश के लिए मरने वालों का परिचय हमें कराया। आज शहीद दिवस पर हमने जानबूझकर यूथ पंचायत रखी है, शहीद चुंद्रशेखर आजाद की 116 वीं जन्म जयंती पर हमने पिछले वर्ष यूथ महापुंचायत आयोजित की थी, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू जी के शहीदी दिवस पर हम फिर यूथ पंचायत कर रहे हैं।

ये आज का भारत है, प्रधानमंत्री ने आपको अमृत पीढ़ी कहा है। तुम अपने मम्मी-पापा के बेटा-बेटी तो हो ही, तुम प्रदेश और देश के भी बेटा-बेटी हो। आज हमने अपने बच्चों के यूथ पॉलिसी बनाई है, हमारे पास 10000 सुझाव आये हैं। भाजयुमो ने, एबीवीपी ने भी युवाओं से सुझाव लिये। हमने व्यापक पैमाने पर विचार-विमर्श किया और हमने फिर यह युवा नीति बनाई है। यह केवल कर्मकांड नहीं है, यह तुम्हारी जिंदगी बनाने का विनम्र प्रयास किये हैं।

शिक्षा में सुधार के लिए हम सीएम राइज स्कूल बना रहे हैं, जो अत्याधुनिक सुविधाओं से लेस होंगे। पढ़ाई में सबसे बढ़ी बाधा फीस बनती है, हमने मुख्यमंत्री मेधावी योजना बनाई, उसमें हमने तय किया कि यदि आप में प्रतिभा है और आपका उच्च शिक्षण संस्थानों में आपका एडमिशन होता है तो आपकी फीस मामा भरवाएगा। आज तक 6 लाख रुपए मेधावी योजना की आय सीमा थी उसे में आज 8 लाख रुपए महीना कर रहा हूं। मेधावी योजना में सुधार के लिए कोई सुझाव होंगे तो हम उसे भी लागू कर देंगे। मैं तुम्हारी जिंदगी में कोई बाधा नहीं बनने दूंगा। सीएम राइज स्कूल बनाकर हम प्राइवेट स्कूल जैसी सुविधाएं देंगे। अब नीट के माध्यम से मेडिकल कॉलेज में भर्ती होती है, कई बार सरकारी स्कूलों के बच्चे रह जाते हैं। एक काम हम कर रहे हैं। एक परिवर्तन कर रहे हैं, नीट के रिजल्ट की दो लिस्ट बनेगी। एक सामान्य लिस्ट बनेगी। एक सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए 5 परसेंट का आरक्षण देकर बनाएंगे।

95 प्रतिशत सामान्य नीट के आधार पर लिस्ट बनेगी और 5 प्रतिशत सरकारी स्कूलों के बच्चों को आरक्षण दिया जाएगा हम पर अंग्रेजी लाद दी गई, मध्यप्रदेश में मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिंदी में पढ़ाई जाएगी। आने वाले समय में मेडिकल में हिंदी की सीटें भी रिजर्व करने की योजना बनाएंगे। भोपाल में सिंगापुर की तर्ज पर स्किल ग्लोबल पार्क बना रहे हैं, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, सागर में भी ग्लोबल स्किल पार्क बनाएंगे, जिससे गुणवत्तापूर्ण व्यवसायिक शिक्षा हमारे युवाओं को मिल सके। रोजगार के लिए सरकारी नौकरियां, इस साल 1 लाख 24 हजार पदों पर हम भर्तियां कर रहे हैं। 50 हजार भर्तियां हो गई हैं।

**निवेश से रोजगार-** अभी इंवेस्टर समिट हुआ था जिसमें 15 लाख 42 हजार 550 करोड़ का निवेश आया, उससे 29 लाख नये रोजगार सृजित होंगे। जिनकी पढ़ाई पूरी हो गई है, उनके लिए हमने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना बनाई है, 1 लाख से 50 लाख तक लोन बैंक देगा, उसकी गारंटी सरकार लेगी। सब्सिडी भी सरकार देगी। हम महीने एक दिन रोजगार दिवस होता है उसमें ढाई लाख बच्चों को लोन सेंशन होता है। कई बच्चे बेरोजगारी से परेशान हैं। कुछ विपक्ष के लोग कहते हैं रोजगारी भत्ता दे दो, कुछ राज्यों की मैंने नीति देखी ऐसे नियम लगा देते हैं जिससे सबको भत्ता न मिल सके। बेरोजगारी भत्ता कुछ राजनीति दलों की बेईमानी है। चिड़िया अपने बच्चों को हौंसला नहीं देती पंख देती है। मध्यप्रदेश सरकार जितने भी बेरोजगार बेटी-बेटी हैं, 12वीं के बाद व इसके अलावा भी जिन्हें लगता है कुछ तो सहारा मिल जाये। उनके लिए मैं योजना की घोषणा कर रहा हूं मुख्यमंत्री युवा कौशल योजना।

**प्रमुख घोषणाएं:** हम खैरात नहीं चाहते, हम काम करके कमाएंगे। यह दुनिया की सबसे बड़ी योजना है। जो हम मध्यप्रदेश की धरती पर करेंगे।
मुख्यमंत्री युवा कौशल कमाई योजना हम बना रहे हैं। लर्न एंड अर्न के अंतर्गत युवाओं को 8000 रुपए कम से कम दिए जायेंगे।
1 जून से रजिस्ट्रेशन और 1 जुलाई से पैसा मिलना शुरू हो जाएगा।
युवा आयोग का पुनर्गठन किया जाएगा। 5 अप्रैल तक कर दिया जाएगा। जो युवाओं की समस्या सुनेगा।
अगले साल जो बजट आएगा उसमें युवा बजट अलग से आएगा।
इस साल 750 करोड़ का बजट है खेल विभाग का।, मध्यप्रदेश में खेली एमपी यूथ गेम आयोजित किये जाएंगे।
योग की शिक्षा शुरू करेंगे, हर गांव में खेल का मैदान बनाया जाएगा।
मुझे लगता है कि हम कई भाषाएं सीखकर नौकरी पा सकते हैं। यदि बच्चे अलग-अलग भाषाएं सीखना चाहते हैं तो उसकी भी व्यवस्था करेंगे।इंक्यूबेशन सेंटर खोले जाएंगे।
1000 करोड़ की लागत से स्टूडेंट इनोवेशन फंड बनाया जाएगा।, जिला स्तर पर विवेकानंद युवा संसाधन केन्द्र शुरू करेंगे।
ट्राइबल म्यूजियम की अवधि पर हमारे कलाकारों को मानदेय
अब केवल वन टाइम ही परीक्षा शुल्क देना होगा। अलग-अलग परीक्षा के लिए शुल्क देने की जरूरत नहीं होगी।
अगर इंटरव्यू के लिए दिल्ली जाना पड़ेगा तो उन बच्चों को मध्यप्रदेश भवन में निशुल्क रहने की व्यवस्था की जाएगी।
मां तुझे प्रणाम योजना के तहत यात्राओं का आयोजन किया जाएगा।
मैं रोज एक पेड़ लगाता हूं, तो आप सबको भी अपने जन्मदिन पर पेड़ लगाना चाहिए। पर्यावरण बचाने के लिए हम अलग-अलग काम कर सकते हैं।
मेंटल हेल्थ ठीक रहे, इसके लिए योगा की जरूरत है।
नशे के कारोबारियों को तबाह और बर्बाद करने की जरूरत है। 1 अप्रैल से दारू के अहाते बंद कर दिये जाएंगे और बाहर भी कोई पार्क और सड़क पर नहीं पिएगा, पीकर गाड़ी चलाई तो फिर पुलिस से डंडे बजवाऊँगा।
जितने भी ड्रग्स और नशे के कारोबारों हैं उनके भी बुलडोजर चलेंगे। यह नशे के कारोबारी पीढ़ी को बर्बाद कर रहे हैं।
आप सभी मोबाइल में हीं नहीं, खेल के मैदानों में भी खेलो।
मध्यप्रदेश को ऊंची उड़ान देने, आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे, मध्यप्रदेश के साथ चलेंगे।
मध्यप्रदेश युवा नीति का उद्देश्य, इस नीति का उद्देश्य है कि प्रदेश के युवा, ऐसे उद्यमी बने जो आत्मविश्वास के साथ जोखिम लेने के लिए तैयार हों
आर्थिक और वित्तीय व्यवस्था एवं संरचना के प्रति जागरुक हों, मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ हों, कृषि एवं पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हों
समावेशी एवं न्यायपूर्ण हो, प्रतिभागिता की भावना से युक्त हों, वैज्ञानिक स्वभाव एवं दृष्टिकोण से युक्त हों, तथ्यों के आधार पर युक्तियुक्त निर्णय लेने में समर्थ हों
अपनी संस्कृति एवं संस्कारों के प्रति आदर भाव से युक्त हों, राष्ट्र निर्माण एवं अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित हो, भविष्य में नेतृत्व प्रदान करने हेतु समर्थ हो
शिक्षा एवं कौशल अर्जित कर रोजगार के योग्य हों, मध्यप्रदेश युवा नीति के कार्यक्षेत्र, शिक्षा एवं कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता, स्वास्थ्य
युवा नेतृत्व और सामाजिक कार्य, खेल एवं फिटनेस, कला एवं संस्कृति, पर्यावरण सुरक्षा, समावेशन और समता

## यह ओम जाप कोई वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने को नहीं है

चैत्र की नवरात्री प्रारंभ के शुभ समय से विकास पचौरी 9 दिन तक लगातार ओम जाप साधना शुरू कर रहे हैं। यह साधना वह अपने निवास शेरपुरा विदिशा स्थित विकास पचौरी फोटो स्टूडियो के प्रथम तल पर करेंगे। विकास पचौरी ने सभी जिले वासियों से अपील की है कि यदि जाप के प्रभाव को प्रत्यक्ष देखना या महसूस करना चाहते हैं तो दिन-रात किसी भी समय ओम जाप करने / सुनने / देखने सादर आमंत्रित हैं। इस ओम जाप की 9 दिन की अबधि में एकाग्रता बढ़ाने विकास पचौरी अपनी आंखों पर पट्टी बांधकर यह साधना करेंगे। विकास पचौरी द्वारा निःशुल्क की जा रही अंतिम सेवा बाहन सहित सभी सेवाएं ओम साधना के इन नौ दिनों तक निरंतर जारी रहेंगी जिन्हें पचौरी के मित्र सम्हालेंगे। विकास पचौरी ने सेवा की सूचना स्टूडियो पर देने अपील की है। उल्लेखनीय है कि विकास पचौरी बिगत लगभग 2 माह से मौन साधना कर रहे है।

## राधारमण में विहान का डांस से आगाज

**भोपाल।** राधारमण समूह के वार्षिकोत्सव विहान 2023 में आज से सांस्कृतिक गतिविधियों की शुरुआत चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग के मुख्य आतिथ्य एवं एएफआरसी के चेयरमैन प्रोफेसर रवींद्र कान्हेरे के विशिष्ट आतिथ्य में हुई. इसके तहत नृत्य की विभिन्न प्रतियोगिताऐ आयोजित की गईं जिसमे राधारमण सहित प्रदेश के अन्य महाविद्यालयों के लगभग 20 सोलो डांसर्स, 8 डुएट डांसर्स एवं 10 ग्रुप डांसर्स ने हिंदी व अन्य भाषाओँ के लोकप्रिय गीतों पर क्लासिकल, बॉलीवुड एवं फोक डांस के जरिये अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर दर्शकों की तालियाँ बटोरीं. जाने माने कोरियोग्राफर प्रकाश सेन ने प्रतियोगिता को जज किया. इस अवसर पर श्री सारंग ने कहा कि पढाई लिखाई के साथ साथ अपनी पसंद की गतिविधि को सीखने से जहाँ हमें तनाव से मुक्ति मिलती है वहीं आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है. इसके अतिरिक्त किसी विधा को जानना समझना हमें संस्कृति से जोड़ने का भी अवसर देता है. ग्रुप .... ने आदिवासी समाज को प्रस्तुत करते हुए पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया. राधारमण समूह के हाल ही में आरम्भ हुए आयुर्वेद कॉलेज के विद्यार्थियों ने बॉलीवुड स्टाइल में डांस प्रस्तुत किया. इसके पूर्व सचिन एवं हसनैन ने कार्यक्रम का शुभारम्भ गणेश वंदना के साथ किया. सोलो प्रस्तुतियों में साक्षी कनेरिया और जेसिका नागर के परफॉरमेंस ने खूब तालियाँ बटोरीं।. कार्यक्रम के अंत में राधारमण समूह के विद्यार्थियों ने भगवान् शिव के अघोरी रूप को दर्शाते हुए जोरदार डांस प्रस्तुत किया।

# एम्स में शहीद दिवस पर 60 से अधिक लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

ब्लड बैंक एम्स में शहीद दिवस के अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । शिविर का आयोजन सार्थक सेवा केंद्र (एनजीओ) व एम्स भोपाल के नर्सिंग ऑफिसर द्वारा किया गया। रक्तदान शिविर का उद्घाटन कार्यपालक निदेशक द्वारा किया गया । इस अवसर पर उप निदेशक (प्रशासन), डीन (अकादमिक), चिकित्सा अधीक्षक, संकाय सदस्य तथा एम्स, भोपाल कर्मचारी उपस्थिति थे। कार्यपालक निदेशक ने इस तरह के नेक कार्य के लिए सार्थक सेवा केंद्र (एनजीओ) और समुदाय के एकजुट होकर साथ आने के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने रक्तदान के महत्व को स्वीकार करते हुए और अधिक से अधिक लोगों को आगे आने और नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। सार्थक सेवा केंद्र (एनजीओ) के प्रतिनिधि शोभराज सुखवानी ने भी ब्लड बैंक एम्स, भोपाल के साथ और अधिक रक्तदान शिविर आयोजित करने के अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। इस अवसर पर 04 नर्सिंग अधिकारी अरविंद चौधरी, राजकुमार नामदेव, नवजोत चौधरी और ऋतुराज नामा को स्वैच्छिक रक्तदान में उनके योगदान के लिए स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। मरीजों को रक्त की आवश्यकता होने पर चारों नर्सिंग अधिकारियों ने स्वेच्छा से 10 बार से अधिक रक्तदान किया। रक्तदान को लेकर रक्तदाताओं में व्याप्त भ्रांतियों और जानकारियों को लेकर एम्स भोपाल के चिकित्सा सामाजिक कल्याण इकाई द्वारा एक छोटा नाटक (नुक्कड़ नाटक) प्रस्तुत किया गया। इस नाटक में उन्होंने स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला और रक्तदान के संबंध में बहुमूल्य जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में कार्यपालक निदेशक ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि रक्त कृत्रिम रूप से उत्पादित नहीं किया जा सकता है और ब्लड बैंक में निरंतर रक्त की आपूर्ति के लिए रक्तदान ही एकमात्र तरीका है। उन्होंने यह भी बताया कि यदि ब्लड बैंक में आवश्यकता /भंडारण की क्षमता से अधिक रक्त होता है तो ऐसी स्थिति में मरीजों के लाभ के लिए ब्लड बैंक इस रक्त को अन्य सरकारी अस्पतालों को दे सकता है। इस संबंध में रक्त/घटकों के हस्तांतरण के लिए उचित अनुमति और समझौता ज्ञापन होना आवश्यक है।

# दो दिवसीय हैंडलूम प्रदर्शनी आज से

**भोपाल।** भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद स्थित एक राष्ट्रीय स्तर का महत्वपूर्ण संस्थान है जो कि उद्यमिता विकास, अंतराष्ट्रीय व्यापार कौशल विकास, ग्रामीण विकास की विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण एवं विकास आदि परियोजनाएं संचालित करता है। ईडीआईआई द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर 6 हाथकरघा क्लस्टर में पिछले 04 वर्ष से एचएसबीसी के सहयोग से लुप्त प्रायः हैण्डलूम कलाओं को संरक्षण देने एवं उनसे संबंधित बुनकरों को क्षमता वर्धन की ट्रेनिंग देकर रोजगार / स्वरोजगार से जोडने हेतु एक प्रोजेक्ट हॅण्डमेड इन इण्डिया के नाम से संचालित किया जा रहा है। डॉ. रमन गुजरात. प्रोजेक्ट डायरेक्टर, बैंगलोर ने बताया कि हैण्ड मेड इन इण्डिया प्रोजेक्ट के 06 मुख्य क्लस्टर कामरूप (असम), सेलम (तमिलनाडु), बरगढ़ (ओडिसा), महेश्वर (मध्यप्रदेश) सुरेन्द्रनगर एवं भुज (गुजरात) है। इन सभी क्लस्टरों में ईडी आईआई द्वारा लगभग 6000 सैण्डलून आर्टिजन्स को वर्ष 2019 से -विभिन्न क्षेत्र जैसे डिजाईन डेवलपमेंट बैन्यू एडिशन, डिजिटल मार्केटिंग, सॉफ्ट स्किल्स आदि को ट्रेनिंग दी जा रही है जिससे हैंडलूम कारीगर मार्किट में अपने उत्पाद बेहतर तरीके से बेच सके और अपना जीवन स्तर सुधार सके। इसी प्रोजेक्ट के अन्तर्गत महेश्वर (मध्यप्रदेश) के बुनकरों को मार्केट लिकेज उपलब्ध करावाने हेतु प्रोजेक्ट हैण्डमेड इन इण्डिया के महेश्वर क्लस्टर द्वारा भोपाल के पॉलीटेकनिक चौराहे स्थित मानस भवन में 25 एवं 26 मार्च को दो दिवसीय हैण्डलूम प्रदर्शनी सह विक्री का आयोजन किया जा रहा है।

# पश्चिमी मध्य रेलवे के वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर को 40 हजार की रिश्वत के साथ गिरफ्तार

**भोपाल ।** सीबीआई ने पश्चिमी मध्य रेलवे के वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर को 40,000 रुपये की रिश्वत स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया। सीबीआई ने पश्चिमी मध्य रेलवे, न्यू कटनी जंक्शन, कटनी (मध्य प्रदेश) के एक वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर को 69,000 रु. की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता के लंबित रु. आरओएच शेड, पश्चिम मध्य रेलवे (डब्ल्यूसीआर), न्यू कटनी जंक्शन, कटनी (एमपी) को 04 हच बोल्ट मशीन की आपूर्ति के संबंध में 25,84,000। ऐसा आगे आरोप था कि आरोपी ने बिल के 3 प्रतिशत अर्थात रु. 69,000 शिकायतकर्ता के लंबित बिल के भुगतान के लिए। यह भी आरोप लगाया गया कि आरोपी रुपये की रिश्वत लेने के लिए तैयार हो गए। 40,000/- शुरू में और बाद में शेष राशिव्दी जाएगी। सीबीआई ने जाल बिछाया और आरोपी को रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ा। शिकायतकर्ता से 40,000 रु. आरोपियों के ठिकानों पर तलाशी ली गई। गिरफ्तार अभियुक्तों को आज सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश, जबलपुर (मध्य प्रदेश) की अदालत में पेश किया जायेगा।

# तकनीक के प्रयोग से विवेचना में आई पारदर्शिता, पीड़ितों को मिल रहा न्याय: पुलिस आयुक्त

## 25 तक पुलिस ऑफिसर्स मेस, पुलिस मुख्यालय में जीवा कार्यशाला का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

द प्रैक्टिकडमिक एक्शन रिसर्च इनिशिएटिव फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी एप्रोच लैब (परिमल) और जस्टिस इंक्लूशन एंड विक्टिम एक्सेस (जीवा) के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार, 23 मार्च से तीन दिवसीय जस्टिस इंक्लूशन एंड विक्टिम एक्सेस (जीवा) वार्षिक कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। पहले दिन की एक्सेस टू जस्टिस, इंक्लूशन एंड एविडेंस बेस्ड प्रेक्टिस थीम के अंतर्गत जेंडर, लॉ इंफोर्समेंट एंड एविडेंस बेस्ड प्रेक्टिस विषय पर विशेषज्ञों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का पहला दिन महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान पर केंद्रित रहा। अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं ने महिला ऊर्जा हेल्प डेस्क एवं संचालन के संबंध में शोधपत्र प्रस्तुत किए। वहीं चार पुलिस अधिकारियों को जीवा सम्मान से सम्मानित किया गया। पुलिस मुख्यालय स्थित पुलिस ऑफिसर्स मेस के पारिजात हॉल में आयोजित इस कार्यशाला के उद्घघाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि विधि एवं विधायी कार्य विभाग के प्रमुख सचिव बी.के. द्विवेदी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भोपाल पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्र ने की।

प्रमुख अतिथियों में सीबीआई और मध्यप्रदेश पुलिस के सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक ऋषि शुक्ला, मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय में आईजी (एडमिनिस्ट्रेशन) दीपिका सूरी, आईपीएस सुष्मा सिंह, राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी की प्रो.गीता ओबेरॉय, जे-पल व युनिवर्सिटी ऑफ वर्जिनिया के प्रोफेसर संदीप सुखंतकर एवं प्रोफेसर गेब्रियला, जे-पल व यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड के प्रोफेसर अक्षय मंगला उपस्थित रहे। संचालन परिमल के सचिव एवं डीसीपी डॉ. विनीत कपूर ने किया। उद्घाटन सत्र का आभार प्रदर्शन एसपी पीटीएस, पचमढ़ी निमिषा पांडे और प्रथम दिवस के समापन सत्र में आभार प्रदर्शन मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी, भौंरी के डिप्टी डायरेक्टर श्री मलय जैन ने किया।

कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए भोपाल पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्र ने कहा कि हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में रहते हैं। उस लोकतंत्र का सही भाव तभी सामने आ सकता है जब न्याय का प्रवाह, न्याय का प्रकाश अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इस पर हम लगातार प्रयास तो करते हैं, लेकिन मौलिक चिंतन की आवश्यकता भी है। यह इस लड़ाई और यात्रा को आगे लेकर जाएगा। हमारे जीवन में तकनीक का जो प्रवेश हुआ है उसने न्याय की लड़ाई को धार दी है, पारदर्शिता दी है। महिलाओं ने जुड़े अपराधों को रोकने में तकनीक का काफी लाभ हुआ है। इसी तरह डायल 100 में जो कॉल आते हैं, हम पाते हैं कि ये किसी विशेष क्षेत्र से होते हैं, हम इनकी मैपिंग कर ऐसे इलाकों को चिह्नित कर सकते हैं और इन पर निगरानी रख सकते हैं। पुलिस अपने संसाधनों और तकनीक का प्रयोग ऐसे स्थानों पर कर सकती है। इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। पुलिस कई बार अपनी वैधानिक परिधि से बाहर आकर भी समाज में अपना योगदान देती है। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को न्याय दिलाने में पुलिस अपनी इसी परिधि से बाहर आकर कार्य कर रही है। पुलिस ने हेल्प डेस्क स्थापित की है और इसका सीधा लाभ नागरिकों को हो रहा है।

## स म्पा द की य

# नदियों के सूखने का खतरा

संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 तक भारत में जलसंकट बहुत बढ़ जाएगा। अनुमान है कि ऐसे संकट से भारत सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। आशंका जताई गई है कि यहां पर ग्लेशियर पिघलने के कारण सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी प्रमुख हिमालयी नदियों का प्रवाह कम हो जाएगा। एक तरफ हिमालयीन तराई में बड़ी आपदाएं आने की आशंका बढ़ी है, दूसरी ओर अब यह एक नई मुसीबत मुहाने पर आ खड़ी हो गई है।

संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले समय में कई देश बड़े जल-संकट से जूझेंगे। 2050 तक दुनिया में पानी का संकट भारत में सबसे ज्यादा होगा। इसके अलावा पड़ोसी देश पाकिस्तान और चीन में भी पानी की किल्लत मच जाएगी। इन देशों में कई नदियों में बहाव की स्थिति भी कमजोर पड़ जाएगी। यह डरावनी भविष्यवाणी यूएन ने अपनी कुछ रिपोर्ट्स के आधार पर की है। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन 2023 से पहले यूएन ने संयुक्त राष्ट्र विश्व जल रिपोर्ट 2023 जारी की थी, बीते रोज 22 मार्च को ही दुनियाभर में विश्व जल दिवस मनाया गया। उस दौरान ह की रिपोर्ट में कहा गया कि दुनिया की लगभग 1.7 से 2.40 अरब की शहरी आबादी पानी के संकट से जूझेगी।

संयुक्त राष्ट्र की तरफ से जारी रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2016 में धरती पर 9.33 करोड़ आबादी पानी के संकट से जूझ रही थी. उसके बाद इस जल-संकट कई देशों में तेजी से बढ़ा. रिपोर्ट में एक और बड़ा दावा तो यह भी है कि एशिया में करीब 80 प्रतिशत आबादी जल संकट से जूझ रही है। यह संकट पूर्वोत्तर चीन, भारत और पाकिस्तान पर सबसे ज्यादा है।

अभी बड़ी चिंताजनक स्थिति यह है कि दुनिया की लगभग 26 प्रतिशत आबादी को साफ पानी नहीं मिल रहा. पश्चिमी एशिया और अफ्रीका के बहुत-से देशों में पेयजल का संकट है. लोगों को पीने के लिए स्वच्छ पानी नहीं मिल पाता। दुनिया के 2 से 3 अरब लोग साल में कम से कम एक महीने पानी की कमी से जूझते हैं। यूनेस्को के डायरेक्टर आंड्रे एजोले ने कहा कि वैश्विक जल संकट से बाहर निकलने से पहले अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तत्काल एक व्यवस्था करने की जरुरत है।

यह भविष्यवाणी तो पहले से की जा रही है कि यदि दुनिया में तीसरा विश्व युद्ध हुआ तो वो पानी के लिए होगा, लेकिन हम इसके लिए जितने सचेत होने चाहिए, उतने नहीं हो रहे हैं। भूगर्भीय उथल-पुथल हो वायुमंडल में आने वाले सामान्य परिवर्तनों के इतर कहीं न कहीं हम भी अपने पर्यावरण को कुछ ज्यादा ही छेड़ रहे है। भारत की बात करें तो हाल

पर्यावरण प्रदूषण की भी सूची आई और उसमें भारत दुनिया के प्रदूषित देशों में आठवें नंबर पर है। हालांकि पहले से उसके स्थान में सुधार आया है, लेकिन फिर भी बहुत राहत नहीं है। जल संकट आज की बात नहीं है। हमारे देश में नदियां बड़ी संख्या में हैं, लेकिन हम उन्हें भी बर्बाद करने पर तुले हुए हैं। गंगा नदी को कथित तौर पर बचाने के लिए अरबों की योजनाएं बन चुकीं और लागू भी हो चुकीं। नतीजा सिफर ही निकला। प्रदूषण के साथ ही अब ग्लेशियर पिघलने में तेजी आने के कारण गंगा सहित अन्य नदियों के जल्द सूखने की आशंका व्यक्त की जा रही है।

नदियों को प्रदूषित होने के साथ ही उनसे रेत की खुदाई की होड़ भी मची हुई है। गंगा से लेकर नर्मदा और अन्य नदियों का सीना छलनी किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में तो मशीनों से नदियों से रेत उत्खनन पर रोक के बावजूद ऐसा किया जा रहा है, वो भी लगातार। नदियां अपना प्रवाह बदल रही हैं। और बेमौसम बारिश के दौर के बावजूद वे जल्द सूख जाती हैं। जंगलों का घनत्व कम हो रहा है और कांक्रीट के जंगल बढ़ रहे हैं। इससे भूगर्भीय जल का स्तर भी लगातार घट रहा है। जितनी सभ्यताओं का उदय हुआ, नदियों के किनारे ही हुआ, लेकिन वही सभ्यताएं अब उन नदियों को समाप्त करने पर तुली हुई हैं। हर व्यक्ति, संस्था में दूसरे को जिम्मेदार ठहराकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेने की आदत ही हमारे लिए जानलेवा साबित हो रही है। जल है तो कल है, यह वाक्य भी केवल बोलने तक ही सीमित है, सही मायने में हम केवल औपचारिकता कर रहे हैं, दीर्घकालीन सोच के साथ कोई काम नहीं हो रहा है।

# ऐसा संपादक जिसने मालिक होकर भी कभी वो दंभ नहीं रखा!

पेज 1 से जारी...

वास्तव में वे पहले पत्रकार ही थे, मालिक तो वे कभी रहे भी नहीं! वे खुद भी लिखते तो वो कभी सीधे छपने के लिए नहीं होता था। सम्पादकीय में जो भी सामने होता, उसे पढ़ने के लिए देते! वो भी इस हिदायत के साथ कि कोई गलती हो, तो सुधार देना। वे वास्तव में तो मालिक कभी नहीं लगे, जब भी देखा उन्हें सम्पादकीय के वरिष्ठ साथी के रूप में ही पाया। ये बात मैं इसलिए कह सकता हूं कि मैंने अपने पत्रकारिता जीवन का दो दशक से ज्यादा का समय उनके सानिध्य में बिताया। यही कारण भी रहा कि उनके साथ मेरी कई खट्टी-मीठी यादों के संस्मरण जुड़े हैं। लेकिन, खट्टी यादों में कहीं और कभी कड़वाहट का भाव नहीं था!

मैं नईदुनिया की 1986 की दूसरी बैच में चयनित होने वाला प्रशिक्षु पत्रकार था। लिखित परीक्षा पास करने के बाद इंटरव्यू का दृश्य आज भी याद है। राहुल बारपुते, रणवीर सक्सेना के साथ अभय जी भी उस इंटरव्यू में थे। मेरे छपे आलेखों की फाइल पलटते हुए उनकी नजर मुंबई में हुए कांग्रेस के शताब्दी समारोह की कतरन पर पड़ी, जो मैंने 'नवभारत' के सभी संस्करणों के लिए कवर किया था। इसके अलावा मालवा के सूखे पर 'जनसत्ता' में छपी ग्राउंड रिपोर्ट के अलावा 'रविवार' और 'दिनमान' की कतरने भी उन्होंने देखी। इसके बाद कहा कि इतना काम करने के बाद भी तुम प्रशिक्षु पत्रकार क्यों बनना चाहते हो? मेरा जवाब था 'पत्रकार तो हमेशा ही प्रशिक्षु होता है! इसलिए कि इस काम में रोज ही तो नया सीखना पड़ता है!' मेरा इतना कहना था कि राहुल बारपुते जी बोल पड़े 'फिर तो तुम आ रहे हो, हमें ऐसा जवाब देने वालों की ही जरुरत है!' इसके बाद मैंने 'नईदुनिया' ज्वाइन किया।

अभय जी के साथ 'नईदुनिया' में काम करने वालों को जितनी वैचारिक और लिखने की आजादी थी, आज तो उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने हमेशा अच्छा और कुछ नया लिखने वालों को कभी दबाया नहीं और न उस पर अपनी मर्जी थोपी! कई बार मैंने कुछ ऐसा भी लिखा, जो उनकी सोच से अलग था, पर उन्होंने कभी उस पर कलम नहीं चलाई! उनमें व्यक्ति की क्षमताओं को जानने और उसका उपयोग करने की जबरदस्त परख थी। कौन क्या काम अच्छा कर सकता है, ये वे पहचान जाते थे और जब भी कोई ऐसी चुनौती आई, उन्होंने उस व्यक्ति को हमेशा मौका दिया। जब भी फिल्म और राजनीति पर कहीं जाने या लिखने का प्रसंग होता, वे मुझसे कह देते कि जो काम कर रहे हो, वो अभी छोड़ दो और पहले ये करो।

ढाई साल 'नईदुनिया' करने के बाद जब मैंने 1989 में 'जनसत्ता' जाने का फैसला किया और इस्तीफ़ा दे दिया तो उन्होंने मुझे बुलाकर समझाया कि सोच लो, तुम्हारा क्या फैसला सही है? मैंने जब अपने फैसले पर अड़े रहने का नजरिया दिखाया तो उन्होंने मुझे कांटेक्ट की शर्तें याद दिलाते हुए हिदायत दी! लेकिन, मैं शुरू से ही कुछ ज्यादा ही मुखर और अड़ियल सा रहा। अपनी बात पर अड़ा रहा और 'नईदुनिया' छोड़ दी। ये वो दौर था जब 'नईदुनिया' अख़बारों की दुनिया में शिखर पर था। मुझे लगा कि इस घटना के बाद अभय छजलानी और 'नईदुनिया' से कोई संबंध नहीं रहेंगे, पर मेरा भ्रम गलत निकला! नईदुनिया को परिवार सिर्फ कहने को नहीं कहा जाता था। वो अहसास भी कराया जाता था कि आप उसी का हिस्सा हो!

तीन महीने बाद अभय जी किसी काम से मुंबई आए तो मुझे मिलने का फोन आया। मिलने पर जरा भी नहीं लगा कि उनके दिल में मेरे प्रति कोई कटुता का भाव है। बल्कि, उन्होंने मुझसे 'नईदुनिया' में फिल्मों पर लिखते रहने को कहा!' नईदुनिया' हर साल एक फिल्म की किताब निकालता था। जब मैं मुंबई में था तब 'परदे की परियां' शीर्षक से किताब निकली थी, जिसके लिए कई अभिनेत्रियों के इंटरव्यू मैंने किए थे। बाद में जब मैंने 'जनसत्ता' छोड़ा, तो इंदौर में एक कार्यक्रम में मिलने पर अभय जी ने नाराजी व्यक्त की, कि मैं आकर उनसे क्यों नहीं मिला! अगले ही दिन मेरे पास महेंद्र सेठिया का फोन आया, उन्होंने मुझसे कहा कि अभय जी ने कहा है कि नईदुनिया ज्वाइन करो। मेरे जैसा व्यक्ति जो गुस्से में संस्थान छोड़कर गया हो, उससे वहां के मालिक इतनी आत्मीयता दिखाएं, ऐसा कम ही होता है! आज की पत्रकारिता की प्रोफेशनल लाइफ में तो ऐसा सोचा भी नहीं जा सकता।

मैंने अपने कार्यकाल के दौरान कई सालों तक चुनाव के दौरान 'नईदुनिया' की चुनाव डेस्क के प्रभारी के रूप में भी काम किया। यह अखबार की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक होती थी। इस डेस्क के जिम्मे चुनाव की आचार संहिता लगने से लगाकर चुनाव के नतीजों तक का पूरा काम होता था। सभी संस्करणों के रिपोर्टर अपनी रिपोर्ट सीधे इसी डेस्क को भेजते थे, जो अखबार में उपयोग होती थी। जब पहली बार मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी गई, तो मैंने सहजता से अभय जी से पूछ लिया कि मुझे किस तरह काम करना है? मेरा आशय था कि राजनीति में जो पहचान और सम्मान था, राजनेताओं से जो संबंध थे, क्या उनका ध्यान रखा जाए! मुझे लगा था कि शायद वे मुझे कोई सीमा रेखा बताएंगे! लेकिन, मेरा अनुमान गलत साबित हुआ। उन्होंने मुझसे साफ़ कहा कि तुम राजनीति को समझते हो, प्रदेश को भी समझते हो, यह जिम्मेदारी तुम्हें बहुत सोच समझकर दी है, इसलिए तुम्हारी राजनीतिक समझ को मैं जानता हूं। इसलिए तुमको अखबार के हित में जो ठीक लगे उस तरह काम करो। यह जरूरी नहीं कि जो रिपोर्टर खबरें भेजें उनको वैसे ही छाप दी जाए। उनको देखो, संपादित करो, उपयोग करने लायक हो तो करो अन्यथा मत करो। बस यह ध्यान रखना 'नईदुनिया' में कोई ऐसी रिपोर्ट न छपे जो बाद में गलत साबित हो। उनका यह कहना मेरे लिए बहुत था।

उसके बाद मैंने लंबे अरसे तक पंचायत चुनाव से लगाकर लोकसभा चुनाव तक की डेस्क पर काम किया। बल्कि, मैंने अपने कार्यकाल में 'नईदुनिया' का हर नया किया। फिर वो चुनाव डेस्क हो, दिवाली विशेषांक हो, नईदुनिया प्लस का संपादन हो, राज्य की नईदुनिया निकाली गई लोकसभा क्षेत्रों की किताब हो, सहस्त्राब्दी विशेषांक हो या फिर 'नईदुनिया' के साठ साल होने पर लगातार तीन दिन तक 60 पेजों का विशेषांक निकालने की जिम्मेदारी हो! इसलिए कि अभय जी जानते थे कि दफ्तर कौन, क्या करने में समर्थ है। आज उनके न रहने पर वो सारे दृश्य आंखों के सामने से गुजर रहे हैं! क्योंकि, अखबार की ताकत क्या होती है, ये अहसास हिंदी पत्रकारिता को अभय छजलानी जैसे ही कुछ लोगों ने करवाया है।

**-हेमंत पाल**

## स्मृति शेष- अभय छजलानी जी

# मुख्यमंत्री जी आप अपनी सरकार चलाइये, मुझे अपना अख़बार चलाने दीजिये

पेज 1 से जारी.

खण्डवा के तत्कालीन जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री पुरषोत्तम विष्णु नामजोशी जो बाद में हाईकोर्ट जज भी रहे, मुझे अक्सर मज़ाक में पूछते थे कैसा चल रहा है तुम्हारा बनियों का अखबार (नईदुनिया) मैं बस मुस्कुरा के रह जाता। शुरू में मुझे भी यही भ्रम था कि नईदुनिया बहुत सरकारी किस्म का अख़बार है जिसमें बहुत तीखी खबरों के लिए जग़ह नहीं होती। यहाँ बड़े अधिकारियों, मंत्रियो या सत्ता के खिलाफ खबरों की गुंजाइश नहीं दिखती जैसी उस समय जनसत्ता या इंडियन एक्सप्रेस जैसे अखबारों के तेवर हुआ करते थे। सच कहूं तो जब मैं कॉलेज के दिनों में नईदुनिया का पाठक था तब यह अख़बार मुझे भी गुजराती भोजन की तरह मीठा-मीठा लगता था जिसमे तड़के की उम्मीद करना ही बेकार था।

इस अखबार से जुड़ने पर संवाददातों की आचार संहिता भी बहुत कड़क थी, जिसमें आपकी किसी भी ख़बर या व्यवहार को लेकर कोई शिकायत कर दे तो तुरंत आपसे ज़वाब मांग लिया जाता। यहाँ तक कि लम्बी जद्दोज़हद के बाद अख़बार का जो प्रेस आईडी कार्ड मिलता उसके पीछे भी सबसे पहली लाइन यही लिखी होती यह परिचय पत्र आपके अविनयी होने का अधिकारपत्र नहीं है निर्देशों का पालन न करने पर यह प्रेस कार्ड समय से पूर्व भी वापस लिया जा सकता है तब यह प्रेस कार्ड कहीं दिखाने पर यह चिन्ता होती कि कोई इसे पलटकर नहीं देखे।

ये तमाम धारणायें कितनी आधारहीन थी यह तब पता चला जब अख़बार के संपादक अभय छजलानी जी के साथ बहुत करीब से कार्य करने का मौका मिला। वे सिर्फ नाम से ही अभय नहीं थे अपने साथ कार्य करने वालों को भी निर्भय बना देते लेकिन उसके लिए बहुत तपना पड़ता, तथ्यों की कसौटी पर खरा उतरना होता। जब उनका विश्वास आप पर जम जाता तो वे खुद अपने अदने से संवाददाता के लिए सत्ता के शिखर से लड़ लेते, लाभ हानि की परवाह किये बगैर। यह अभय जी की शान में उनके निधन के बाद कशीदे पढ़ने के लिए नहीं बल्कि अपने निजी अनुभवों के आधार पर दृढ़ता से कह रहा हूँ।

आज पत्रकारिता के इस दौर में जो सबसे दुर्लभ है वह है पत्रकारों का स्वाभिमान बचे रहना। आज आप चाहे जितने बड़े मीडिया संस्थान में कार्य कर रहे हो, आप पत्रकारिता नहीं महज़ नौक़री कर रहे हैं। किसी छोटे से नेता या अधिकारी के दबाव में खबरें दब जाती

हैं या संवाददाता ही हटा दिए जाते हैं तब क्या कोई यक़ीन करेगा कि एक संपादक ऐसा भी था जो मुख्यमंत्री को किसी संवाददाता के हटाए जाने के आग्रह पर अपने संवाददाता पर विश्वास बनाये रखते हुए दृढ़ता से यह जवाब दे दे कि मुख्यमंत्री जी आप अपनी सरकार चलाइये, मुझे अपना अख़बार चलाने दीजिये. मैं अपने संवाददाता को बखूबी जानता हूँ, आप किसी खबर को लेकर अपना पक्ष रखना चाहते है तो उसे हम जरूर प्रकाशित करेंगे।

हाँ, यह मेरे साथ ही हुआ था जब खण्डवा में जंगलों की अवैध कटाई, नागचून तालाब के बेशक़ीमती हजारो एकड़ जमीन की गुपचुप नीलामी सहित अनेक खबरों को लेकर न केवल स्थानीय प्रशासन बल्कि मंत्री, मुख्यमंत्री तक परेशान हो गए थे, मुझे नईदुनिया से हटाने के लिए बहुत दबाव भी प्रबंधन पर था तब अभय जी ने यह जवाब दिया था। यह बात उन्होंने मुझे स्वयं बताई थी और यह ताक़ीद भी किया था कि अपनी खबरों में तथ्यों को क्रॉस चेक जरूर करना, आवश्यक दस्तावेज़ भी जरुरी है। वे किसी ख़बर की प्रमाणिकता को लेकर कितने सतर्क थे इसका अन्दाज़ा मुझे तब लगा जब इंदौर के तत्कालीन संभागायुक्त ए के सिंह ने मुझे बताया कि तुम्हारी खण्डवा के निजी जंगलो की कटाई वाली खबर जिसमे खण्डवा कलेक्टर दोषी थे, वह अभय जी ने प्रकाशित होने से पहले मुझे वेरिफाई करने भेजी थी। मैंने कहा कि ख़बर के सारे तथ्य प्रामाणिक है तभी वह फ्रंट पेज पर प्रमुखता से लगी। इसके बाद तत्कालीन कलेक्टर और अन्य जिम्मेदार अधिकारियो के विरुद्ध लोकायुक्त ने प्रकरण तक पंजीबध्द उसी खबर के आधार पर किया।

एक मामला टीसीएस जैसी प्रतिष्ठित कम्पनी द्वारा वाणिज्य कर विभाग में कम्प्यूटर सप्लाय करने की निविदा में अनियमितता से सम्बंधित मैंने खबर बनाकर भेजी तो अभय जी का तत्काल फोन आया कि टीसीएस जैसी प्रतिष्ठित कंपनी तत्काल ऐसी खबरों पर हमारे खिलाफ कोर्ट में जा सकती है, वे इतने बड़े दावे करते है कि हमारी प्रेस तक दांव पर लग सकती है, ध्यान रखना। मैंने तमाम प्रमाण जुटाए तब दूसरे ही दिन अख़बार के प्रथम पृष्ठ पर वह खबर सरकार की नींद उड़ाने वाली थी, तत्काल प्रभाव से टेंडर की प्रकिया जो प्रदेश स्तर की थी निरस्त की गई।

खण्डवा-इंदौर मार्ग की दुर्दशा को लेकर जब मैंने रिपोर्ट भेजी तब उसे आठ कॉलम फ्रंट पेज़, आठ कॉलम लास्ट पेज पर तो प्रकाशित किया ही इस पर सम्पादकीय भी अभयजी ने लिखा। नतीजा यह रहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह जी ने अभय जी को स्वयं फोन कर आश्वस्त किया कि इस रोड को सबसे पहले बीओटी में लेकर शुरू कर रहे हैं और तुरंत इसका कार्य आरम्भ हुआ। ऐसे अनेक प्रसंग हैं जिनको लिखता चलूँ तो शायद एक किताब बन जाये।

अब बात करें बनियापन की, दो प्रसंग आपको बताऊँ तो आप खुद समझ जायेंगे कि यहाँ खबरो की कीमत पर विज्ञापन नहीं लगते थे। तब कभी ऐसा नहीं हुआ कि अख़बार का पूरा फ्रंट पेज ही फुल पेज़ विज्ञापन से भर दिया हो जिसमें खबरें पढ़ने के लिए दो-तीन पेज़ पलटने पड़े। बहुत स्पष्ट निर्देश विज्ञापन विभाग को थे कि फ्रंट पेज़ पर सिर्फ तीन कॉलम बीस सेंटीमीटर के सिर्फ एक ही विज्ञापन प्रकाशित होगा, क़्वार्टर या हॉफ पेज तो छोड़ ही दीजिये। एक मौका ऐसा भी आया जब खण्डवा जिले में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ ए पी जे कलाम साहब आये उस दिन नईदुनिया में फ्रंट पेज का एक विज्ञापन पिच्यासी हजार रुपयों का मधु भाई पटेल (बी एस पटेल बीड़ी) का बुक किया था तब अचानक शाम को अभय जी का फोन आया कि जय, मैं चाहता हूँ कि राष्ट्रपति कलाम साहब जब कल खण्डवा में आ रहे हैं तब फ्रंट पेज पर सिर्फ पठनीय सामग्री ही हो कोई विज्ञापन नहीं, ज़रा मधुभाई से बात करके देखो कि हम उनका विज्ञापन लास्ट पेज पर लें क्या? मैंने तुरंत ही उन्हें हां कर दिया कि जैसा आप चाहे, मैं मधुभाई को मना लूंगा। ऐसा ही हुआ, अख़बार को आर्थिक नुकसान हुआ चूँकि फ्रंट पेज के रेट लास्ट पेज से करीब डबल थे। दूसरे दिन जब तमाम अख़बार आये तो वे विज्ञापनों से पटे हुए थे जबकि नईदुनिया में सबसे ज्यादा पठन सामग्री थी।

ऐसा ही एक प्रसंग तब आया जब मैं राजस्थान में दस दिन रहकर तरुण भारत संघ यानि राजेंद्र सिंह जी के तालाबों के कार्य पर एक फोटो फीचर बनाकर प्रेस में पहुंचा तब सारे फोटोस और रिपोर्ट देखकर अभय जी ने भानु चौबे जी को बुलाया जो रविवारीय देखते थे, उन्हें कहा भानु, इस रिपोर्ट को उस दिन प्लान करना जिस दिन इस पेज पर एक भी विज्ञापन न होज्और वही हुआ। उस खबर ने राजेन्द्र सिंह जी के कार्य को पुरे देश में एक नई पहचान दी जिसके बाद उन्हें द वीक मेगज़ीन ने मेन ऑफ़ द ईयर का सम्मान दिया और उसके बाद मेग्सेसे अवार्ड से वे नवाज़े गए।

आज सोचता हूँ कि श्री नामजोशी साहब होते तो इस आर्टिकल को पढ़ने के बाद इसे कतई बनियों का अख़बार नहीं कहते। अब प्रेस आईडी कार्ड के पीछे लिखे निर्देश भी समझ में आते है जिनके पालन करने से यह लाभ हुआ कि जिनके खिलाफ खबरें लिखी उनसे व्यक्तिगत सम्बन्ध कभी ख़राब नहीं हुए। वही दिग्विजय सिंह जी जिन्होंने नर्मदा परिक्रमा यात्रा के दौरान अपनी पत्नी से मेरा कुछ यूँ परिचय कराया था यह मेरा एक नंबर का दुश्मनज्ञ और फिर बहुत स्नेह से गले लगा लिया क्या आज किसी संपादक को अपने किसी संवाददाता के सम्मान, स्वाभिमान की कहीं कोई चिंता दिखती है?

आज अभय जी का न रहना पत्रकारिता के एक सुनहरे अध्याय की समाप्ति जैसा है। हम खुशक़िस्मत है कि करीब दो दशक तक पत्रकारिता के स्वर्णिम काल में हमें कार्य करने का आपने अवसर दिया। अब शायद वो समय कभी लौटकर नहीं आएगा जैसा आप कभी न लौटने के लिए चले गए हैं। अब शायद मेरे फोन की घंटी भी नहीं घनघनायेगी जय, कहाँ हो, हम आ रहे हैं तुम्हारे यहाँ चाय-नाश्ता करनेज्. ऐसा सहज़, सरल और स्वाभिमानी व्यक्तित्व मिलेगा कहीं?

भावपूर्ण नमन।

**जय नागड़ा**

# बताइये क्या यह 75 साल का भारत है?

**-राकेश दुबे**

हमारे देश में बड़ी मुश्किल है, सत्ता से दूर या नज़दीक का नाता रखने वालों के लिए भारत जो कुछ है, वह नरेंद्र मोदी में सिमट गया है। प्रतिपक्ष राहुलगांधी, शरद पंवार,ममता बनर्जी और जाने किस किस की प्रतिच्छाया में भारत को पहचान रहे हैं। और यही वह भारत है, जिसे सत्ता लूटती है, जनता से छीनती हैङ्कऔर उसी को असली भारत बताकर का प्रचार करती है।

भारत की राजनीति में इन दिनों का प्रिय विषय है, राहुल गांधी द्वारा विदेश में जाकर देश के लोकतंत्र पर वक्तव्य, सभी आजकल इसी में व्यस्त हैं।इस सबके बीच स्वीडन की संस्था, वी-डेम (वेरायटीज ऑफ़ डेमोक्रेसी) ने डेमोक्रेसी रिपोर्ट 2023 प्रकाशित की है, जिसमें कुल 179 देशों के लिबरल डेमोक्रेसी इंडेक्स में भारत 97वें स्थान पर चुनावी प्रजातंत्र इंडेक्स में 108वें स्थान पर है, यह 75 वर्ष की उपलब्धि है?।पिछले वर्ष के इंडेक्स में भारत का स्थान 100वां था। तंज़ानिया, बोलीविया, मेक्सिको, सिंगापुर और नाइजीरिया जैसे घोषित निरंकुश सत्ता वाले देश भी इस इंडेक्स में भारत से पहले के स्थानों पर हैं, यानि उनमें प्रजातंत्र की स्थिति भारत से बेहतर है। यही नहीं भारत को चुनावी निरंकुशता वाले देशों में शामिल किया गया है। यहां यह भी ध्यान देना आवश्यक है कि इससे पहले फ्रीडम हाउस ने भारत को आंशिक स्वतंत्र देशों की सूचि में और इंस्टिट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस ने तेजी से पीछे जाते हुए प्रजातंत्र वाले देशों में शामिल किया था। इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले 10 वर्षों के दौरान दुनिया में प्रजातंत्र को निरंकुश सत्ता में बदलने वाले देशों में भारत सबसे आगे है।

चुनावी प्रजातंत्र इंडेक्स में पहले स्थान पर डेनमार्क है, इसके बाद क्रम से स्विट्ज़लैंड, स्वीडन, नॉर्वे, एस्तोनिया, बेल्जियम, आयरलैंड, न्यूजीलैण्ड, लक्समबर्ग और फ्रांस का स्थान है। ऑस्ट्रेलिया 14वें स्थान पर, जर्मनी 15वें, कनाडा 19वें, यूनाइटेड किंगडम 22वें, जापान 23वें, और अमेरिका 27वें स्थान पर है। भारत 108वें स्थान पर है, जबकि पूरी तरीके से निरंकुश सत्ता वाले इजराइल का स्थान 49वां और हाल में ही चुनावी उपद्रव का शिकार ब्राज़ील 58वें स्थान पर है। रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण पूर्व एशिया ऐसा क्षेत्र है, जहां प्रजातंत्र का स्थान तेजी से निरंकुशता ले रही है, यह भारत के पड़ोसी देशों के इंडेक्स में क्रम से भी स्पष्ट है। नेपाल 62वें, भूटान 83वें, श्रीलंका 78वें, पाकिस्तान 104वें, बांग्लादेश 131वें, म्यांमार 173वें, अफ़ग़ानिस्तान 176वें, और चीन 177वें स्थान पर है।

चुनावी प्रजातंत्र इंडेक्स में सबसे अंतिम स्थान पर सऊदी अरब है। इससे पहले के देश क्रम से एरिट्रिया, चीन, अफगानिस्तान, नार्थ कोरिया, क़तर, म्यांमार,यूनाइटेड अरब अमीरात, एस्वतिनी और बहरीन हैं। इस वर्ष के डेमोक्रेसी रिपोर्ट का शीर्षक है ङ्क डीफायेंस इन द फेस ऑफ़ ऑटोक्रेटाइजेशन, इसे विभिन्न देशों के मानवाधिकार प्रतिनिधियों के साथ 4000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने तैयार किया है।

इसके अनुसार पिछले 35 वर्षों के दौरान दुनिया ने जो प्रजातंत्र में प्रगति की थी, उसे गवां दिया गया है। दुनिया में प्रजातंत्र का स्तर अब 1986 के समतुल्य हो गया है, और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में प्रजातंत्र की स्थिति वर्ष 1978 के स्तर पर पहुंच गई है। पिछले 2 दशकों में ऐसा पहली बार हो रहा जब कट्टर निरंकुश सत्ता झेलने वाली आबादी उन्मुक्त प्रजातंत्र में रहने वाली आबादी से अधिक है। लगभग एक दशक पहले केवल 7 देशों में अभिव्यक्ति की आजादी छीनी जा रही थी, पर अब 35 देशों में ऐसा हो रहा है। दुनिया के 47 देश समाचारों पर सरकारी सेंसरशिप झेल रहे हैं जबकि 37 देशों में मानवाधिकार संगठनों और सिविल सोसायटी की आवाज को कुचला जा रहा है। दुनिया के 30 देश ऐसे हैं, जहां चुनावों में सत्ता का पूरा दखल रहता है, यानि चुनाव निष्पक्ष नहीं होते।

दुनिया की 72 प्रतिशत आबादी निरंकुश सत्ता झेल रही है, जबकि महज 28 प्रतिशत आबादी प्रजातंत्र में सांस ले रही है। केवल 14 देशों में निरंकुश सत्ता से प्रजातंत्र में परिवर्तन हो रहा है, पिछले 50 वर्षों में यह सबसे कम संख्या है, इन देशों में दुनिया की महज 2 प्रतिशत आबादी रहती है। ऐसे देशों में सर्वाधिक, 5, अफ्रीका में हैं। दूसरी तरफ 42 देशों में, जहां दुनिया की 43 प्रतिशत आबादी है, प्रजातंत्र की राह छोड़कर निरंकुशता और तानाशाही की राह पर हैं। पिछले वर्ष यह हाल 33 देशों में और दुनिया की 36 प्रतिशत आबादी के साथ था। पिछले 10 वर्षों के दौरान दुनिया के 10 में से 7 देशों में प्रजातंत्र का पूरी तरह खात्मा हो गया।

एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 90 प्रतिशत आबादी निरंकुश सत्ता या फिर निरंकुशता की तरफ जा रही सत्ता की मार झेल रही है। इस क्षेत्र में, चीन की तरह घोषित निरंकुश सत्ता भी है और भारत की तरह चुनावी निरंकुशता भी है7 इस क्षेत्र में नेपाल, जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया और मंगोलिया जैसे देश प्रजातंत्र को सुरक्षित रखने में सफल रहे हैं। एल साल्वाडोर, हंगरी और भारत जैसे देशों में केवल प्रजातंत्र ही कमजोर नहीं पड़ा है बल्कि पूरी सामाजिक व्यवस्था ही ध्वस्त हो गयी है।

इस रिपोर्ट के अनुसार झूठी खबरें, अफवाह, सामाजिक ध्रुवीकरण और निरंकुश सत्ता ङ्क सब एक दूसरे को आगे बढाने में मदद करते हैं। आज पूरी दुनिया में यही हो रहा है। वैश्विक स्तर पर सबसे घातक यह है कि निरंकुश सत्ता अब अलग-थलग नहीं पड़ती, बल्कि यही दुनिया की मुख्य विचारधारा बन गयी है, और दुनिया को नियंत्रित भी कर रही है। वैश्विक अर्थव्यवस्था भी इससे अछूती नहीं है ङ्क अब वैश्विक स्तर पर 46 प्रतिशत से अधिक जीडीपी निरंकुश देशों के नियंत्रण में है, और यह आंकड़ा साल-दर-साल बढ़ता जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

डॉक्टर बी पी सूत्रकार उप संचालक कृषि छतरपुर ने ओला प्रभावित ग्रामों में सर्वे कर रही टीम का निरीक्षण किया द्य निरीक्षण किए गांव में गोरा, बमनोरद्यखुर्द, बंधा, सिजवाहा, बमनी घाट, वीरो ,सेरोरा, टिगरी, गोंचीपुरा, ओवरी सम्मिलित हैं द्य जिनमें किसानों के द्वारा बताए गए एवं देखे गए सभी खेतों का सर्वेक्षण हमारी टीम कर रही हैं, उनके साथ ही नुकसान का पंचनामा बना रही हैं और किसानों को हिम्मत भी दे रही हैं द्य शासन की मंशा के अनुसार सर्वे कार्य किया जा रहा है , जिसका प्रतिवेदन शासन को भेजा जाएगा द्य सर्वे कार्य के साथ में आर के गोस्वामी , एस के शर्मा , टी पी प्रजापति, वी डी पाठक, एल पी तिवारी, एम पी तिवारी ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एवं संबंधित पटवारी एवम जनप्रतिनिधि भी निरीक्षण में देखे गए द्य श्री जे पी मनिया प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी बड़ामलहरा भ्रमण में साथ में रहे

## 6 माह से चिल्ला रहा था बुजुर्ग,अब पत्थर फाड़कर निकली मूर्ति

शिवपुरी - जिले के करैरा थाना क्षेत्र के गणेशखेडा गांव में एक पत्थर को फाड़कर एक मूर्ति निकली है। इस मूर्ति के निकलने से लोग इसे भगवान का चमत्कार मान रहे है और यहां भक्तों का जमाबडा लग गया है। इस मूर्ति को लेकर गांव का एक बुजुर्ग बीते 6 माह से लोगों से इस पत्थर के पीछे मूर्ति होने का दावा कर रहा था। परंतु ग्रामीण इसे पागल समझते रहे और गुरुवार को अचानक यह पत्थर अपने आप टूट गया और इस पत्थर के पीछे से एक मूर्ति निकल आई।

करैरा के ग्राम पंचायत लालपुर के गणेशखेडा का 80 वर्षीय हरिचरण कुशवाह बीते लंबे समय से गांव में पहाड पर स्थिति सिद्ध बाबा के मंदिर पर जाता रहता था।उसने गांव के लोगों को बताया कि सिद्ध बाबा मंदिर के पास एक पटपरा है और उस पटपरे के पीछे भगवान है। जिसे लेकर लोग इसे मजाक समझने लगे। उसने चार दिन पहने अपने ही परिवार के लोगों को बताया कि नवरात्रि के दूसरे दिन 11 बजे यह मूर्ति निकलेगी आप यहां रामुधन कराओ। जिसके चलते परिवार के लोगों ने कल से यहां रामधुन प्रारंभ की और जैसे ही 11 बजे यह पत्थर की चट्टान अचानक टूट गई। जिसके चलते ग्रामीणों ने जब पत्थर को हटाया तो उसमें से एक मूर्ति निकली। यह मूर्ति निकलने के बाद श्रृद्धालुओं का यहां तांता लग गया। लोग इसे आस्था से जोडते हुए अब यहां भजन कीर्तन कर रहे हैं।

## चैत्र नवरात्रि के तृतीय दिवस मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

ओबेदुल्लागंज। संवाददाता सुरेश केवट.. चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर नगर के दुर्गा मंदिरों में भक्तों की भीड़ देखी गई खेड़ापति माता मंदिर हिरानिया में सुबह से ही जल चढ़ाने हेतु महिलाओं की लंबी कतार लगी वही मुख्य बाजार अर्जुन नगर के दुर्गा मंदिरों में जा कर भक्तों ने विशेष पूजा अर्चना की।वही नगर के चौक चौराहों पर लोगों ने एक दूजे को हिंदु नवबर्ष की बधाइयां दी। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सलकनपुर पहुँचकर माँ विजयसेन माता के दर्शन किये वहीं गुरुवार को भगवान झूलेलाल की शोभायत्रा सिंधी समाज के तत्वाधान में झूलेलाल जी की शोभायात्रा निकाली इसी दौरान हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष राजेश खटीक ने अपने सहयोगी के साथ मिलकर भगवान झूलेलाल जी की शोभा यात्रा का स्वागत किया नगर में आगामी त्योहार नवरात्रि रमजान चेटीचंड के चलते ओबेदुल्ला गंज थाना प्रभारी संदीप चौरसिया के नेतृत्व में पुलिस व्यवस्था चाक-चौबंद दिखाई दी

## आयुष स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

छतरपुर। आयुष विभाग की ओर से महिला सशक्तिकरण दिवस के अवसर पर आयुषि स्वस्थ नारी सशक्त नारी थीम पर 23 मार्च को निःशुल्क महिला स्वास्थ्य शिविर का आयोजन शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय छतरपुर चौक बाजार में किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री एवं भाजपा प्रदेश मंत्री श्रीमती ललिता यादव जी, पार्षद महोदया श्रीमती मंजू भार्गव एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. व्ही. डी. मिश्रा जी के द्वारा शिविर का उद्घाटन किया गया जिसमें आयुर्वेद चिकित्सक डॉ.भूपेंद्र सिंह जाटव ,डॉ आनंद असाटी, डॉ विकेश गुप्ता होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. सौरभ मिश्रा डॉ. श्वेतांबरी मिश्रा डॉ. अरुणा महतो एवं सी.एच.ओ.डॉ भरत पटेल एवं डॉ.मयंक गुप्ता एवंम पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहे इस स्वास्थ्य शिविर में आयुर्वेद एवं होम्योपैथी चिकित्सा विशेषज्ञों एवं , चिकित्सकों द्वारा महिलाओं के सामान्य रोगों का निदान व चिकित्सा परामर्श कर उनसे सम्बन्धित् बीमारियो के उपचार हेतु लाभकारी आहार विहार,योगासन,दिनचर्या ,पोषण आदि के बारे में विस्तार से जानकारी देने के साथ औषधि वितरण किया गया। साथ ही आयुष क्योर ऐप्प के बारे में जानकारी दी गई और रोगियों को ऐप्प डाउनलोड भी कराया गया।

## विधायक के करकमलों से किया गया भव्य शुभारंभ

सिवनी– विधायक दिनेश राय मुनमुन के करकमलों से नवीन प्रतिष्ठान का भव्य शुभारंभ किया गया। नगर के प्रतिष्ठित नागरिक एवं कम्प्यूटर वेदास के संचालक आशीष अग्रवाल के एसपी बंगला के सामने स्थित नवीन व्यवसायिक प्रतिष्ठान फूड मोहल्ला का भव्य शुभारंभ विधायक दिनेश राय के करकमलों से किया गया। जहां पर आपका पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इस दौरान विधायक ने संचालक सहित अग्रवाल परिवार को नवीन प्रतिष्ठान के लिए बधाई शुभकामनाएं देते हुए उत्तरोत्तर प्रगति की कामनाएं की। इस गरिमामय अवसर पर अजय बाबा पांडे अध्यक्ष जनभागीदारी समिति पीजी कालेज सिवनी, संकेत विक्की शिवहरे विधायक प्रतिनिधि खनिज विभाग, मोहम्मद जिब्राईल मंसूरी मीडिया प्रभारी सहित अनेकों लोगों की उपस्थिति रही।

## ओलावृष्टि प्रभावी ग्रामों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

सिवनी– कलेक्टर क्षितिज सिंघल ने बुधवार 22 मार्च को वर्षा एवं ओलावृष्टि से प्रभावित केवलारी तहसील के ग्रामों का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों के खेत पहुँचकर फसल नुकसानी का अवलोकन करते हुए इस दौरान उपस्थित कृषि, राजस्व तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के मैदानी अमले को नुकसानी का वास्तविक आकलन कर दो दिवस के भीतर सँयुक्त प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि ग्रामवार-कृषकवार नुकसानी का सही एवं वास्तविक आकलन ही प्रस्तुत किये जायें। उल्लेखनीय हैं कि विगत दिवस जिलें की बरघाट, केवलारी एवं घंसौर तहसील के कुल 21 ग्राम ओलावृष्टि से प्रभावित हुए हैं। इन ग्रामों में त्वरित रूप से नुकसानी का आकलन कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश मैदानी अमले को कलेक्टर श्री सिंघल ने दिए हैं।

# नपा ने लगाए बोर्ड - कॉलोनी अवैध, यहां प्लॉट न खरीदें

शिवपुरी - नगर पालिका क्षेत्र में खेतों में कॉलोनी काट रहे अवैध कॉलोनाईजरों पर प्रशासन लगातार शिकंजा कसता जा रहा है। नगर पालिका ने अवैध कॉलोनियों के बाहर बोर्ड लगा दिए हैं। इसमें स्पष्ट तौर पर लिखा है कि यह कॉलोनी अवैध है। यहां प्लॉट न खरीदें। इस तरह की कार्रवाई नगर पालिका ने पहली बार की है। दरअसल, अवैध कॉलोनाइजर को नोटिस जारी किए गए थे लेकिन नपा को 15 दिन बाद भी नोटिस के जवाब नहीं मिले। ऐसे में अब नगर पालिका लोगों को अवैध कॉलोनियों में प्लॉट न खरीदने के लिए चेता रही है।

साल 2012 में नगरीय निकायों को प्रदेश सरकार से आदेश मिला था जिसमें उस वक्त तक की अवैध कॉलोनियों को वैध करने के निर्देश दिए गए थे। इसमें 142 अवैध कॉलोनी आ रही थीं। इसके बाद 2020-21 में आए आदेश में कहा गया कि साल 2016 तक की अवैध कॉलोनियों को वैध किया जाए। नगर पालिका ने कुल 189 जगह चिह्नित की और इनके कॉलोनाइजर को कारण बताओ नोटिस जारी कर 15 दिन में जबाव मांगा लेकिन एक-दो लोगों को छोड़कर किसी ने नपा को जबाव नहीं दिए। अब अंतिम नोटिस जारी किया जाएगा। इसका भी जवाब नहीं मिलता है तो अवैध कॉलोनाइजर के खिलाफ एफआईआर कराई जाएगी। नोटिस में पूछा गया था कि क्या कॉलोनी रेरा से पंजीकृत है या नहीं? टीएंडसीपी से अनुमति है या नहीं? जवाब नहीं मिलने पर अब नगर पालिका ने तय किया है कि जो अवैध कॉलोनियां चिह्नित हैं, वहां बोर्ड लगाएंगे।इनमें स्पष्ट रूप से लिखा है कि एडीएम साहब से मिले निर्देश के आधार पर यह कॉलोनी अवैध है। इन बोर्ड के लग जाने के बाद अब कॉलोनी देखने के दौरान लोगों को पता चल सकेगा कि कॉलोनी वैध नहीं है। नगर पालिका के कॉलोनी प्रभारी सतीश निगम ने बताया कि हमने जिन लोगों को नोटिस जारी किए हैं, उनमें से कुछएक के ही जबाब आए हैं। अधिकांश ने जवाब नहीं दिए।

### इनका कहना है

पहले चरण में शहर की 23 कॉलोनियों को वैध करने की कार्रवाई कर रहे हैं। इसका प्रस्ताव कलेक्टर को भेज चुके हैं। शेष अवैध कॉलोनियों के लिए हमने 189 नोटिस जारी किए हैं। इनके जवाब का इंतजार है। पहले हम अवैध कॉलोनियों में बोर्ड लगाकर लोगों को बताएंगें कि यह कॉलोनी अवैध है। यहां क्रय विक्रय न करें। आगामी दिनों में फ्लेक्स लगाकर सार्वजनिक स्थलों पर भी अवैध कॉलोनियों की सूचना देंगे।दरअसल अवैध कॉलोनी बस तो जाती है लेकिन इनके विकास की जिम्मेदारी नगरपालिका पर होती है जबकि बजट होता नहीं है।

केशव सिंह सगर, सीएमओ, नगर पालिका शिवपुरी।

# भगवान शिव पंचायत, माता जगदंबे, राधा कृष्ण और हनुमान जी की प्रतिमा की स्थापना

### सात दिवसीय श्रीराम रुद्र पंच कुण्डी महायज्ञ का आयोजन

इटारसी । नवनिर्मित मंदिर में भगवान की प्रतिमाओं की स्थापना ग्रैंड एवेन्यू एलकेजी कॉलोनी में कराई जा रही है , इस तारतम्य में 31 मार्च से 6 अप्रैल तक हवन कार्यक्रम चलेगा । इस अवसर पर श्री राम रुद्र पंच कुण्डी महायज्ञ भी होगा। मंदिर में भगवान शिव पंचायत, माता जगदंबे, राधा कृष्ण और हनुमान जी की प्रतिमाओं की स्थापना होगी। 31 मार्च से प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम शुरू होगा ,इसी दिन से श्रीराम रुद्र महायज्ञ का आयोजन भी होगा। सात दिवसीय इस यज्ञ के लिए गुड़ी पड़वा पर विधि विधान से यज्ञशाला के लिए भूमि पूजन कर ध्वज स्थापना की गई । यज्ञशाला के लिए आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम होली पुरा बुधनी के आचार्य पंडित विजय पांडे द्वारा कराई गई। आचार्य पंडित विजय पांडे ने बताया कि ,,31 मार्च की सुबह 9बजे काली मंदिर से कलश यात्रा प्रारंभ होगी जो कालोनी के मुख्य मार्गो से होती हुई यज्ञशाला पहुंचेगी। यज्ञ प्रतिदिन सुबह 9ः00 बजे से शाम 5ः00 बजे तक चलेगा एक सप्ताह चलने वाले यज्ञ की पूर्णाहुति 6 अप्रैल हनुमान जयंती पर होगी, इसी दिन मंदिर में भगवान की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा होगी तत्पश्चात दोपहर को विशाल भंडारा होगा । भूमि पूजन कार्यक्रम में ग्रैंड एवेन्यू कॉलोनी के डायरेक्टर निपुण गोठी, सजल गोठी , सत्यम अग्रवाल ,नवीन पटेल , ग्रैंड एवेन्यू समिति के अध्यक्ष मिलिंद रोंगे, सचिव शिव भारद्वाज, घनश्याम दुगाया , दिलीप भावसार , सुशील चौधरी एवं प्रेम राजपूत एवं कॉलोनी के निवासी उपस्थित थे ।

# गृहस्थ संत डॉ. अनिल शास्त्री आए, यज्ञशाला में हुआ मिट्टी पूजन

### असंख्य शिवलिंग निर्माण रूद्राभिषेक एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव आज से

छतरपुर। गृहस्थ संत डॉ. अनिल शास्त्री के सानिध्य में शुक्रवार से शहर के पंडित देवप्रभाकर शास्त्री इंजीनियरिंग कॉलेज में शिव परिवार, मां सरस्वती एवं गृहस्थ संत श्री दद्दाजी, गुरूमाता छोटी जिज्जी की प्रतिमाओं के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का श्रीगणेश किया जाएगा। गुरूवार को गृहस्थ संत डॉ. अनिल शास्त्री छतरपुर पहुंचे तो उनकी जोरदार अगवानी की गई। उन्होंने यज्ञशाला में मिट्टी पूजन के साथ धार्मिक महोत्सव की औपचारिक शुरूआत की।

पंडित देवप्रभाकर शास्त्री इंजीनियरिंग कॉलेज एवं दद्दा शिष्य मंडल के सौजन्य से ग्राम गठेवरा स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज में 24 मार्च से शुरू होने जा रहे असंख्य शिवलिंग निर्माण रूद्राभिषेक एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए गृहस्थ संत डॉ. अनिल शास्त्री गुरूवार को छतरपुर आए तो उनकी सागर रोड, पन्ना रोड स्थित रूद्राक्ष होटल एवं ग्राम गठेवरा तिराहे पर जोरदार अगवानी की गई। संस्थान पहुंचने पर व्हीएव्ही ग्रुप ऑफ एजुकेशन के डायरेक्टर अशोक दीक्षित, महाराजपुर विधायक नीरज दीक्षित, वरिष्ठ इंका नेता विनोद दीक्षित, सचिव श्रीमती सरोज जैन, प्राचार्य डॉ. जे. सोनी, राकेश दीक्षित, शुभम दीक्षित, दद्दा शिष्य मंडल से पत्ते शुक्ला, केएन तिवारी, अटल बसेंडिया, प्रदीप खरे, ओमप्रकाश तिवारी, विनोद अग्रवाल, राजकिशोर तिवारी, राजीव दुबे सहित प्रोफेसर्स स्टाफ ने स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात गृहस्थ संत श्री शास्त्री ने यज्ञ शाला के समक्ष मिट्टी का पूजन कर विशाल धार्मिक आयोजन की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उनके साथ पूरन महाराज, कालका महाराज, अशोक पाठक विशेष रूप से मौजूद रहे। 24 मार्च शुक्रवार से पंचांग पूजन, जलाधिवास, मंडप स्थापना के साथ ही धार्मिक विधान का श्रीगणेश किया जाएगा। प्रतिदिन असंख्य शिवलिंग निर्माण सुबह 7.30 से 11 बजे तक, सुबह 11 बजे से महारूद्राभिषेक आरती एवं डॉ. अनिल शास्त्री के मुखारबिंद से कथा का वाचन किया जाएगा। 26 मार्च को कन्याभोज एवं प्रसाद वितरण सुबह 11 बजे से शुरू होगा।

# प्रभात फेरी के दूसरे दिन रामभक्तों का जगह-जगह हुआ स्वागत

छतरपुर/ श्री राम सेवा समिति के तत्वाधान में निकलने बाली प्रभात फेरी के दूसरे दिन गांधी चौक बाजार पर सुबह से ही राम भक्तों का आना शुरू हो गया और देखते ही देखते सैकड़ों की संख्या में राम भक्त एकत्रित हो गए भगवा ध्वज दिखाकर प्रभात फेरी को रवाना किया

समिति के गिरजा पाटकर ने बताया कि भगवान श्री रामचंद्र जी के जन्मोत्सव को बड़ी धूमधाम से मनाने के लिए श्री राम सेवा समिति के द्वारा प्रतिदिन अलग-अलग मार्गों से आमंत्रण देने के लिए प्रभात फेरी प्रत्येक घरों में पहुंच रही है,दूसरे दिन की प्रभातफेरी गांधी चौक बाजार से प्रारंभ हुई महल रोड,प्रताप सागर तालाब,पुलिस लाइन,पुराना पन्ना नाका,छत्रसाल नगर,नंबर वन स्कूल,छत्रसाल चौक,आकाशवाणी तिराहा,जवाहर रोड,बस स्टैंड,मऊ दरवाजा,हटवारा रोड होते हुए चौक बाजार पर समापन हुआ 7 इसी दौरान जगह-जगह राम भक्तों पर पुष्प से वर्षा की गई तथा पन्ना रोड पर राहुल परमार, विक्की जैन उनके साथियों के द्वारा रामभक्तो का चंदन से तिलक पुष्प वर्षा स्वल्पाहार देकर राम भक्तों का अभिनंदन किया गया , श्री राम नाम की अलख जगाने, प्रभात फेरी में आने वाले सभी राम दभक्तों का श्री राम सेवा समिति ने धन्यवाद ज्ञापित किया और राम भक्तों से प्रतिदिन प्रभात फेरी में शामिल होने की अपील की है प्रभात फेरी के दूसरे दिन भी सुंदर ध्वज ले आने वाले तीन राम भक्तों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया 7

इस अवसर पर समिति के संयोजक राकेश तिवारी गिरजा पाटकर अखिलेश मातेले लखन राजपूत अभिषेक मिश्रा दीपक गुप्ता पप्पू अग्रवाल मंगल सिंह मगन पंडित जीतू महाराज संतोष ताम्रकार प्रदुम गुप्ता सहित सैकड़ों राम भक्त मौजूद रहे

# भाजपा एजेन्ट बनकर काम कर रहे हैं सरकारी कर्मचारीः पंकज शर्मा

**सिवनी**– सिवनी जिले में कुछ अधिकारी भाजपा के ऐजेंट की तरह काम कर रहें है यह ऐसे अधिकारी है जो कि किसी न किसी मामलों में फसे है भारी भ्रष्टाचार कर रहे है, ट्रांसफर के नाम पर डर रहें है।

जिला कांग्रेस संगठनमंत्री एड. पंकज शर्मा ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि नगरपालिका की लायब्रेरी में लाडली बहना योजना की कार्यशाला आयोजित की गयी थी जिसमें उन कम्प्यूटर आपरेटरो को बुलाया गया था जो लाडली बहना योजना के आवेदन फार्म ऑनलाईन भरेंगे यह काम महिला बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित थी, इस कार्यशाला में सिर्फ और सिर्फ उन्ही कर्मचारियों को शामिल किया जाना था, जिन्हें लाडली बहना योजना के ऑनलाईन फार्म करने की जानकारी दी जानी थी, किन्तु महिला बाल विकास अधिकारी द्वारा भाजपा नेताओं और भाजपा विधायक, भाजपा पार्षदों को कार्यशाला में बुलाया गया। सिवनी नगरपालिका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और कांग्रेस के पार्षदों को उक्त कार्यशाला में नही बुलाया गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि उक्त अधिकारी की मंशा लाडली बहना योजना में अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभ मिले यह बिलकुल नही है वह सिर्फ भाजपा नेताओं और जनप्रतिनिधियों से नम्बर बढाने के लिये उन्हें आमंत्रित किया। अधिकारी की कार्यप्रणाली से अनेक लाडली बहना योजना के हितग्राही योजना के लाभ से वंचित रह सकती है। जिला कांग्रेस कमेटी जिला कलेक्टर से मांग करती है कि उक्त अधिकारी के खिलाफ भेदभाव करने पर कठोर से कठोर कार्यवाही की जाये।

## 100 से अधिक फुटबाल खिलाड़ी शिविर में ले रहे भाग

सीहोर। शहर के चर्च मैदान पर लगातार जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में फुटबाल प्रशिक्षण शिविर में हर रोज ब?ी सं या में फुटबाल के गुर सिखने के लिए आ रहे है। गुरुवार को तीसरे दिन यहां पर प्रशिक्षण लेने आए खिलाडियों ने पूरे उत्साह के साथ खेल का प्रदर्शन किया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए एसोसिएशन के कोच मनोज कन्नोजिया ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में करीब 100 से अधिक फुटबाल खिला?ी शामिल हो रहे है। शिविर के दौरान खिला?ियों को छह टीमों के ग्रुप में रखा गया है। आगामी दिनों में ब्लाक स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा। जिससे प्रतिभाओं को खेलने का मौका मिलेगा। यहां पर आने वाले खिलाडियों को पहले चरण में फुटबाल की प्रारंभिक कोचिंग दी जा रही है। यह प्रशिक्षण 90 दिनों तक जारी रहेगा। आगामी दिनों में टीमों को ग्रुप में रखकर प्रतियोगित की जाएगी।

## शाकाहार अपनाने वालों का घर-घर जाकर सम्मान किया कायस्थ समाज ने

चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर कायस्थ समाज मे शाकाहार अपनाने वालो को घर घर जाकर किया जा रहा है सम्मानित। कायस्थ बंधु समिति महाअभियान मे शामिल हुए कायस्थ बंधुओं को कर रही है चित्रगुप्त सम्मान से सम्मानित।रायसेन।अगर आत्मा दूषित है तो ईशवरीय आस्था व्यर्थ है।मांसाहार और नशा से मानवीय संवेदनाओ पर आती है नकारात्मकता।समाज से मांसाहार और नशा की प्रवर्ति खत्म हो।इसी उददेश्य को लेकर गुरुवार को चैत्र नवरात्रि,हिन्दू नव वर्ष मिलन समारोह एवं चित्रगुप्त सम्मान कार्यक्रम मे अभियान के समर्थक श्री प्रवीण राकेश श्रीवास्तव,के घर पर रखा गया है।सम्मान कार्यक्रम मे परिवार,कुटुम्ब के सभी सदस्य शामिल हुए हैं।समिति के अध्यक्ष गिरीश श्रीवास्तव ने परिवार कुटुम्ब के 11 सदस्यो को पीले गमछे पहनाकर सम्मान मे प्रशस्ति पत्र के साथ श्री चित्रगुप्त भगवान की तस्वीर भेट की।इस शुभ अवसर पर समिति ने श्रीवास्तव परिवार कुटुम्ब के सभी सदस्यों को सदा मांसहार एवम नशा मुक्त रहने के साथ साथ अपने बेटा बेटियो का विवाह दहेज मुक्त अभियान के तहत करने का संकल्प भी दिलाया है।

गिरीश श्रीवास्तव ने बताया कि मांसाहार और नशा मुक्त से जीवन मे आती है वास्तवि

# भगवान झूलेलाल की जयंती पर निकाली शोभायात्रा, भजन कीर्तन, भोग लगाया

सीहोर। हर साल की तरह इस साल भी सिंधी समाज के तत्वाधान में भगवान झूलेलाल जन्मोत्सव भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया किया गया। शहर के सिंधी कालोनी स्थित झूलेलाल मंदिर में हुए भव्य कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सिंधी समुदाय के अलावा अन्य समाज के लोग शामिल हुए। सुबह पूर्ण विधि-विधान से अखंड पाठ की समाप्ति की गई। इसके बाद भजन कीर्तन किया गया। भजन कीर्तन के बाद झूलेलाल के जयकारे लगाते हुए शोभायात्रा निकाली गई। भगवान झूलेलाल का विशेष शृंगार किया गया और भोग लगाया गया। मंदिर में खास तौर से सजावट की गई। इसके पीछे एक वाहन पर भगवान झूलेलाल स्थापित किया गया। इस दौरान प्रसाद बांटा गया। जगह-जगह श्रद्धालु ने भगवान झूलेलाल के दर्शन किए।

हर साल की तरह इस साल भी सिंधी समाज के तत्वाधान श्री झूलेलाल का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया था। इस मौके पर शाम छह बजे भव्य चल समारोह शहर में निकाला गया। इसके पश्चात मंदिर परिसर में प्रसादी का वितरण किया गया। गुरुवार की सुबह मंदिर परिसर में जारी अखंड पाठ साहब का समापन किया गया। इसके पश्चात दोपहर में भजन आदि का आयोजन किया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए सिंधी समाज के अध्यक्ष रमेश आहूजा ने बताया कि चेटी चंड का त्योहार हर वर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। चेटी चंड का पर्व सिंधी समुदाय का एक प्रमुख त्योहार है। सिंधी समाज के लोग चेटी चंड के मौके पर अपने आराध्य देवता भगवान झूलेलाल के के जन्मोत्सव के रूप में ब? ही उत्साह और जोश के साथ मनाते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार,भगवान झूलेलाल जल के देवता वरुण हैं। इस मौके पर सिंधी समाज के लोग जीवन में सुख-समृद्धि, वैभव और संपन्नता की कामना के लिए वरुण देवता की पूजा करते हैं। उन्होंने बताया कि उपासक भगवान झूलेलाल को उदेरोलाल, घो?वारो, जिन्दपीर, लालसाँई, पल्लेवारो, ज्योतिनवारो, अमरलाल आदि नामों से भी पूजते हैं। भगवान झूलेलालजी को जल और ज्योति का अवतार माना गया है। इसलिए लक?ी का मंदिर बनाकर उसमें एक लोटे से जल और ज्योति प्रज्वलित की जाती है और इस मंदिर को श्रद्धालु चेटीचंड के दिन अपने सिर पर उठाते हैं, जिसे बहिराणा साहब भी कहा जाता है। इसको लेकर श्रद्धालु पूरी आस्था के साथ पवित्र नदी में विसर्जित करते है। गुरुवार की शाम को शहर के सीवन नदी तट महिला घाट पर चल समारोह के रूप में श्रद्धालुओं के द्वारा आरती की और ज्योति का विसर्जन किया गया। गुरुवार को सुबह से ही शहर के सिंधी कालोनी स्थित झूलेलाल मंदिर में सैक?ों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे, इनकी उपस्थित में भगवान झूलेलाल जी का जन्मोत्सव चेती चांद मनाया गया और सभी ने एक दूसरे को पर्व की बधाई दी। देर शाम को भव्य रूप से चल समारोह निकाला गया। इस दिन सभी सिंधी समाज के लोगों ने अपने-अपने व्यापारी प्रतिष्ठान बंद रखे थे।

# जिला भाजपा अध्यक्ष ने कहा- अपनी करतूतों और झूठ के लिए पूरे देश से माफी मांगें राहुल गांधी

सीहोर । सूरत कोर्ट ने आज एक ऐतिहासिक निर्णय दिया है। अदालत ने कांग्रेस के बड़े नेता राहुल गांधी द्वारा एक वक्तव्य में देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं अन्य नेताओं के बारे में प्रयोग की गई शब्दावली को उचित नहीं माना है। इस मामले में अदालत ने राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई है। अदालत के इस फैसले के बाद यह सिद्ध हो गया है कि राहुल गांधी आदतन राजनीतिक अपराधी हैं। यह बात भारतीय जनता पार्टी के सीहोर जिला अध्यक्ष ने एक बयान जारी कर कहे । सीहोर जिला भाजपा अध्यक्ष श्री रवि मालवीय ने कहा कि राहुल गांधी पहले भी %गांधी के हत्यारे' वाले बयान सहित अन्य बयानों को लेकर देश से माफी मांग चुके हैं । लेकिन इसके बाद भी लगातार देश को बदनाम करने के लिए ऐसे बयान देते रहते हैं। उनका हमेशा यह प्रयास रहता है कि किस तरह दूसरे देशों में जाकर भारत को अपमानित किया जाए। रवि मालवीय ने कहा कि यह सामान्य बात नहीं है कि एक बड़े राजनीतिक दल का नेता रोज झूठ और अनाप-शनाप बोलता रहे। बार-बार आग्रह करने के बाद भी ऐसा काम करता रहे, जो अपराध की श्रेणी में आता है। उन्होंने कहा कि अब तो न्यायालय के फैसले से भी यह स्पष्ट हो गया है कि राहुल गांधी इस देश के सबसे गैर जि मेदार व्यक्ति हैं। जिला भाजपा अध्यक्ष श्री रवि मालवीय ने कहा की दुर्भाग्य की बात है कि ऐसी पार्टी के नेता आज भी ब?ी बेशर्मी के साथ समाज में जाकर ऐसे वक्तव्य देते हैं,जो देश, उसके लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं की छवि खराब करते हैं। लोकतंत्र के मंदिर यानी संसद में जाकर झूठ बोलते हैं कि मुझे बोलने नहीं दिया जाता। ये अलग बात है कि जब बोलने की बारी आती है,तो वे पता नहीं क्या बोलते हैं। श्री मालवीय ने कहा कि राहुल गांधी को अपने बयानों और झूठ के लिए गंभीरतापूर्वक देश से माफी मांगनी चाहिए।

## होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ़ वेस्टर्न इंडिया द्वारा रीजनल मीट का आयोजन किया

**भोपाल।** आज होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ़ वेस्टर्न इंडिया द्वारा भोपाल में रीजनल मीट का आयोजन किया गया । इस अवसर पर होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के मध्य प्रदेश के अध्यक्ष श्री सुमित सूरी द्वारा अन्य राज्यो से आये महमानों का स्वागत किया और इस मीट से मध्य प्रदेश के होटल व्यवसाय में नये सुधारो की उम्मीद जगाई । उनके द्वारा अन्य राज्यो से आये होटेलियर्स को मध्य प्रदेश में निवेश के लिए मध्य प्रदेश की आकर्षक पर्यटन नीति बताते हुवे आमंत्रित भी किया गया । मीट के दौरान होटल दी फ़र्न रेजीडेंसी में जीएसटी सेमिनार का आयोजन भी किया गया जिसके मुख्य अथिथि जीएसटी कमिश्नर श्री नवनीत गोयल एवं जीएसटी एडिशनल कमिश्नर श्री प्रभात दंडोतिया रहे ।

## मनीबाक्स ने अपने वित्तीय समावेशन प्रयासों को बढ़ाने के लिए 20 करोड़ का टर्म लोन जुटाया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बीएसई पर सूचीबद्ध एनबीएफ्सी मनीबॉक्स फाइनैंस लिमिटेड 1/4 मनीबॉक्स1/2 जो छोटे शहरों में लघु उद्यमियों को व्यवसाय के लिए ऋण उपलब्ध कराती है, ने 40 वर्ष पुराने ग्लोबल डेवलपमेन्ट फाइनैंस संस्थान, ओइकोक्रेडिट की भारतीय सब्सिडरी मानवीय डेवलपमेन्ट एण्ड फाइनैंस प्राइवेट लिमिटेड 1/4 मानवीय 1/2 से रु 20 करोड़ का टर्म लोन जुटाया है। यह संस्थान उन कारोबारों को अपनी सेवाएं प्रदान करता है जो ज़रूरतमंद एवं वंचित लोगों के लिए नौकरियों एवं आय के अवसर उत्पन्न करने में योगदान देते हैं। कंपनी इस धनराशि का उपयोग लघु उद्यमियों को ऋण प्रदान करने के लिए करेगी। मनीबॉक्स को 24 ऋणदाताओं का सहयोग प्राप्त है, जिसमें अग्रणी बैंक 1/4 स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईडीएफ्सी फर्स्ट बैंक, डीसीबी बैंक, एयू एसएफ्बी1/2 और एनबीएफ्सी शामिल हैं। कंपनी अब तक तकरीबन रु 400 करोड़ का समग्र ऋण जुटा चुकी है।

## सोनी टीवी के मास्टरशेफ इंडिया के फिनाले के सफर में टॉप 6 होम कुक्स को लज़ीज़ बिरयानी बनाएँगे

**मुंबई।** इस हफ्ते, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव के मास्टरशेफ इंडिया के फिनाले के सफर में टॉप 6 होम कुक्स को एक लज़ीज़ बिरयानी बनाने का काम सौंपा जाएगा, जिसके बाद एक दिलचस्प ड्रिंक्स चैलेंज होगा। जजों एवं शेफ्स - रणवीर बरार, गरिमा अरोड़ा और विकास खन्ना को प्रभावित करते हुए होम कुक्स के लिए यह मुकाबला और कड़ा हो जाएगा क्योंकि वे सभी अब शेफ के गोल्डन कोट और मास्टरशेफ इंडिया की प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतने के और करीब आ चुके हैं। चैलेंज की शुरुआत में होम कुक सुवर्णा बागुल को बिरयानी के लिए सामग्री के रूप में मटन मिलेगा।

## सोनी बीबीसी अर्थ ने डायनैस्टीज लॉन्च किया

**मुंबई, एजेंसी।** वन्य जीवों पर आधारित अपनी लोकप्रिय सीरीज 'डायनैस्टीज' की अपार सफलता के बाद, सोनी बीबीसी अर्थ 'विरासत ज़िंदा रहनी चाहिए' की थीम के साथ शो के दूसरा सीजन का प्रसारण आरम्भ करने जा रहा है। मनमोहक कहानी के साथ 'डायनैस्टीज सेकंड का ऐडवेंचर कोशेंट इसके पहले भाग की तुलना में एक स्तर ऊपर है। इस शो का लक्ष्य अपने परिवारों के लिए मुश्किलों से लड़ने वाले कुछ चमत्कारिक पशु प्रजातियों के गुप्त जीवन की ताजा जानकारी प्रदान करना है। यह सर डेविड एटेनबरो द्वारा वर्णित एक शानदार देखने लायक चमत्कार है जो परिवार की ताकत का सन्देश देता है।

## मंदी के बाद भी गैलेक्सी एस23 सीरीज़ जैसे प्रीमियम फोन मांग में बने रहेंगे: टीएम रोह

**गुरुग्राम, एजेंसी।** सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स में प्रेसिडेंट एवं हेड, मोबाईल एक्सपीरियंस बिज़नेस, डॉ. टीएम रोह ने कहा कि वैश्विक आर्थिक मंदी के बावजूद भारत में प्रीमियम स्मार्टफोन मार्केट में बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि 5जी स्मार्टफोन खरीदने और विश्व में ग्राहकों का ज्यादा भरोसेमंद स्मार्टफोन खरीदने की ओर रूझान बढ़ने के साथ भारतीय बाजार में वृद्धि होने की उम्मीद है। डॉ. रोह ने कहा, ''भारत में 400 डॉलर के प्राईज़ टैग वाले प्रीमियम स्मार्टफोन की मांग 5ज नेटवर्क के विस्तार के साथ तेजी से बढ़ रही है। यहाँ पर 2023 तक 5जी स्मार्टफोन बाजार के 60 प्रतिशत से ज्यादा और प्रीमियम स्मार्टफोन का बाजार 30 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ने की उम्मीद है।

## सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के सितारे कर रहे हैं एक खुशनुमा शुरुआत की उम्मीद!

**मुंबई, एजेंसी।** वसंत की शुरुआत को चिह्नित करते हुए, गुड़ी पाड़वा, जिसे मराठी नव वर्ष के रूप में भी जाना जाता है, अपने साथ उत्सव की खुशियां लेकर आता है, जो यादगार होती हैं। नृत्य, रंगोली, गुड़ी की पूजा और पूरन पोली जैसे स्वादिष्ट व्यंजन अधिकांश घरों में इस त्यौहार को पूरा करते हैं। इस साल गुड़ी पाड़वा के लिए अपनी योजनाओं के बारे में बात करते हुए, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के सितारों ने बताया कि वो इस दिन को कैसे मनाएंगे। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई की एतशा संझगिरी उर्फ अहिल्याबाई कहती हैं, गुड़ी पाड़वा हमारे नए साल का पहला दिन है; यह एक ऐसा दिन है, जब मैं पूजा के लिए खास महाराष्ट्रीयन पोशाक पहनती हूं और नए साल का स्वागत करने के लिए स्वादिष्ट भोजन तैयार करती हूं।

## सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के नए शो सपनों की छलांग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे पॉपुलर एक्टर संजीव जोतांगिया

**मुंबई एजेंसी।** सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन हमेशा एक नए नजरिए के साथ अलग-अलग कॉन्टेंट, नई कहानियां और प्रेरणादायक किरदारों को पेश करने में सबसे आगे रहा है। अब यह चैनल अपने दर्शकों के लिए एक नए ज़माने की कहानी - सपनों की छलांग के साथ एक ताजातरीन यंग ड्रामा लेकर आ रहा है। यह शो रूढ़िवादी सोच रखने वालों से यह सवाल करता है कि एक लड़की किसी अजनबी शहर में अपने सपनों की छलांग क्यों नहीं लगा सकती, और अपने सपनों की नौकरी क्यों नहीं कर सकती? इस शो की नायिका राधिका (मेघा रे) इसी सोच को बदलना चाहती है और सपनों के शहर मुंबई में विश्वास की एक छलांग लगाती है। राधिका की ज़िंदगी में एक अभिन्न भूमिका निभाने वाले उनके प्यारे पिता राधे श्याम होंगे, जिनका रोल पॉपुलर टेलीविजन एवं फिल्म एक्टर संजीव जोतांगिया निभाने जा रहे हैं।

## ऑप्टिमस ने मेड इन इंडिया 4जी लैपटॉप का विनिर्माण करने के लिए प्राइमबुक के साथ साझीदारी की

**नयी दिल्ली, एजेंसी।** इलेक्ट्रॉनिक्स का घरेलू विनिर्माण बढ़ाने के प्रयासों के तहत अग्रणी घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण कंपनी ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स (ओईएल) ने प्राइमबुक के साथ साझीदारी की आज घोषणा की। कंपनी विद्यार्थियों के लिए खास तौर पर डिजाइन और अपनी तरह के अनूठे मेड इन इंडिया लैपटॉप का विनिर्माण करेगी। इस गठबंधन से ओईएल के जरिये ओईएल लैपटॉप विनिर्माण बाजार में दस्तक देगी और इसकी शुरूआत वह विद्यार्थियों और सीखने वालों के लिए एंड्रॉयड 11 आधारित लैपटॉप प्राइमबुक 4जी से करेगी। इस साझीदारी के तहत ऑप्टिमस अगले वित्त वर्ष के अंत तक यानी मार्च, 2024 तक प्राइमबुक के लिए करीब एक लाख लैपटॉप का विनिर्माण करेगी। भारत में मोबाइल, वियरेबलध्हियरेबल और दूरसंचार उपकरण के विनिर्माण में दीर्घकालीन अनुभव के साथ ओईएल का लक्ष्य उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स के अन्य वर्गों में विस्तार के साथ अपनी क्षमता मजबूत करना है। पिछले चार वर्षों में बी2बी वर्ग में उल्लेखनीय सफलता दर्ज करने वाली प्राइमबुक ने बी2सी वर्ग में और विस्तार करने का लक्ष्य रखा है। प्राइमबुक 4 जी लैपटॉप को विद्यार्थियों और सीखने वालों के लिए कम लागत की प्रौद्योगिकी की जरूरत को ध्यान में रखकर तैयार किया गया।

# 568 स्टूडेंट्स को 80 कंपनियों ने 1.14 करोड़ तक के ऑफर दिए

**इंदौर।** इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट इंदौर के 2021-23 के एमबीए बैच का प्लेसमेंट शत प्रतिशत हुआ। इसमें 160 से ज्यादा रिक्रूटर्स ने दो साल के पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम और इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट से 568 स्टूडेंट्स को ऑफर दिए।

आईआईएम इंदौर के डायरेक्टर प्रो. हिमांशु राय ने अच्छे प्लेसमेंट हासिल करने वाले स्टूडेंट्स को बधाई दी। उन्होंने कहा हम आईआईएम इंदौर में विश्व स्तरीय प्रबंधन शिक्षा और स्टूडेंट्स को स्थायी मूल्य प्रदान करके, अपने इंडस्ट्री कनेक्ट को मजबूत करने के लिए हमेशा तैयार रहे है। चुनौतीपूर्ण समय का सामना करते हुए हमारे स्टूडेंट्स ने शानदार प्लेसमेंट हासिल किया है। इस साल संस्थान की प्लेसमेंट प्रोसेस में 80 से ज्यादा कंपनियां शामिल हुई।

**30.21 लाख रुपए एवरेज पैकेज रहा-** आईटी, कंसल्टिंग, फाइनेंस, जनरल मैनेजमेंट सहित अन्य क्षेत्रों में भूमिकाओं की पेशकश हुई। एवरेज पैकेज 30.21 लाख रुपए पर एनम रहा, जो हर साल 20.8त्न बढ़ रहा है। पिछले साल की तुलना में इस साल मिनिमम पैकेज 27.20 लाख पर एनम रहा, जो 12.9त्न से बढ़ रहा है। उच्चतम घरेलू पैकेज की पेशकश 1.14 करोड़ रुपए पर एनम रही, जो पिछले साल की तुलना में 132.6त्न की तेजी से बढ़ी है।

**स्टूडेंट्स को ऑफर्स का आंकड़ा-** कंसल्टिंग क्षेत्र हमेशा से प्लेसमेंट का सबसे अभिन्न अंग रहा है। बैच के 29त्न स्टूडेंट्स को कई प्रतिष्ठित फर्म से ऑफर मिले है। टोटल ऑफर्स के 18त्न ऑफर फाइनेंस सेक्टर से रहे। सेल्स एंड मार्केटिंग डोमेन में कई प्रतिष्ठित फर्म ने 18त्न बैच के लिए ऑफर पेश किए। वहीं आईटी, एनालिटिक्स और उत्पाद प्रबंधन में ये आंकड़ा 16त्न रहा। बैच के 19त्न को कई बड़ी कंपनियों से जनरल मैनेजमेंट, एचआर, लीडरशिप और ऑपरेशंस में ऑफर मिले। कंसल्टिंग, बैंकिंग, फाइनेंस सेवा और बीमा और प्रौद्योगिकी, मीडिया और दूरसंचार क्षेत्रों में सबसे ज्यादा भागीदारी देखी गई, जो कुल ऑफर्स के तीन-चौथाई से ज्यादा रही।

## भारत में छोटे किसानों को सहयोग करने और महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में वालमार्ट फाउंडेशन ने अपने प्रयासों को दिया विस्तार

### नए अनुदान को वर्ष 2028 तक 10 लाख किसानों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गयाहै, जिसमें कम से कम 50 प्रतिशत महिलाएं होंगी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत में किसानों की आजीविकासुधारने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए वॉलमार्ट फाउंडेशन ने बुधवार को(आज)अपनी नई पंचवर्षीय रणनीति की घोषणा की। इसका उद्देश्य 2028 तक 10 लाख छोटे किसानों तक पहुंचना है, जिनमें कम से कम 50 प्रतिशत महिलाएं होंगी। इसके तहत उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और ओडिशा सहित कई राज्यों में किसानोंकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से सामूहिकता (कलेक्टिवाइजेशन) और फार्म एग्रिगेशन के क्षेत्रों में काम करने वाले गैर-लाभकारी संगठनों को अनुदान दिया जाएगा।

वॉलमार्ट फाउंडेशन द्वारा दिया जाने वाला अनुदान स्थानीय अनुदानकर्ताओं को विशेष रूप से महिला किसानों के सशक्तीकरण पर फोकस करते हुए किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के क्षमता निर्माण में सहयोग करनेमें सक्षम बनाएगा।इसके साथ ही यहआसान तरीके सेबेहतर कारोबारी अवसर पाने के लिए मार्केट लिंकेज बढ़ाने और किसानों को पर्यावरण के अनुकूल कृषि प्रक्रियाओं एवं टेक्नोलॉजी में प्रशिक्षित करने में सक्षम बनाएगा। फाउंडेशन ने नई पंचवर्षीय रणनीति के साथ दो नए अनुदानों की घोषणा की है। यह पंचवर्षीय रणनीति 2018 से भारत में किसानों की आजीविका में सुधार और कमर्शियल गुड्स मार्केट तक उनकी पहुंच बढ़ाने की दिशा में किए गए वॉलमार्ट फाउंडेशन के निवेश का ही विस्तार है। 2.5करोड़ डॉलर के निवेश के अपने शुरुआती लक्ष्य को पार करते हुएवॉलमार्ट फाउंडेशन ने 16 अनुदानकर्ताओं के साथ 24 अनुदान कार्यक्रमों के माध्यम से भारत में छोटे किसानों का सहयोग करने वाले परोपकारी अनुदानों के लिए 3.9 करोड़ डॉलर से अधिक की फंडिंग की है। ये अनुदान आंध्रप्रदेश, उत्तरप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, ओडिशा, झारखंड एवं पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में दिए गए हैं। इन निवेशों के माध्यम सेवॉलमार्ट फाउंडेशन से जुड़े अनुदानकर्ता सम्मिलित रूप से 8,00,000 से अधिक छोटे किसानों का सहयोग करेंगे। अनुमान है कि सहयोग प्राप्त करने वाले किसानों में आधे से अधिक महिला किसान होंगी। यह नई प्रतिबद्धता अपने विस्तार, नेटवर्क और स्ट्रेटजिक फिलांथ्रोपी (रणनीतिक परोपकार) का लाभ उठाते हुए पूरे भारत में छोटे किसानों के लिए बाजार तक पहुंच को सुगम बनाने की दिशा में वॉलमार्ट फाउंडेशन के प्रयासों को दर्शाती है। इस साल के आखिर से नए अनुदानों की शुरुआत की जाएगी। इसके लिए भारत में प्रभाव अध्ययन(इंपैक्ट मेजरमेंट) करने वालीकंपनी संबोधि द्वारा किए गए अध्ययन के परिणामों को आधार बनाया जाएगा।

## एआईएस फॉर टैक्सपेयर मोबाइल ऐप की शुरुआत

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने वार्षिक सूचना विवरण (एआईएस)/करदाता सूचना सारांश (टीआईएस) में उपलब्ध जानकारी को देखने के लिए करदाताओं की सुविधा के लिए एआईएस फॉर टैक्सपेयर नाम से एक मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। एआईएस फॉर टैक्सपेयर एक मोबाइल एप्लिकेशन है जो आयकर विभाग द्वारा निःशुल्क प्रदान किया जाता है और यह गूगल प्ले और ऐप स्टोर पर उपलब्ध है। ऐप का उद्देश्य करदाता को एआईएस/टीआईएस का व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करना है जो करदाता से संबंधित विभिन्न स्त्रोतों से एकत्रित जानकारी प्रदर्शित करता है।

करदाता एआईएस/टीआईएस में उपलब्ध टीडीएस/टीसीएस, ब्याज, लाभांश, शेयर लेनदेन, कर भुगतान, आयकर रिफंड, अन्य जानकारी (जीएसटी डेटा, विदेशी प्रेषण, आदि) से संबंधित अपनी जानकारी देखने के लिए मोबाइल ऐप का उपयोग कर सकते हैं। करदाता के पास ऐप में प्रदर्शित जानकारी पर प्रतिक्रिया देने का विकल्प और सुविधा भी है। इस मोबाइल ऐप का उपयोग करने के लिए, करदाता को पैन नंबर प्रदान करके ऐप पर पंजीकरण करना होगा, मोबाइल नंबर पर भेजे गए ओटीपी और ई-फाइलिंग पोर्टल पर पंजीकृत ई-मेल से प्रमाणित करना होगा। प्रमाणीकरण के बाद, करदाता मोबाइल ऐप तक पहुंचने के लिए बस 4 अंकों का पिन सेट कर सकता है। यह अनुपालन में आसानी की सुविधा प्रदान करने वाली करदाता सेवाएं प्रदान करने के क्षेत्र में आयकर विभाग की एक और पहल है।

## रियलमी ने 64 मेगापिक्सल कैमरा और 33 वॉट चार्जर के साथ रियलमी सी55 का अनावरण किया

**मुंबई, एजेंसी।** भारत में सबसे भरोसेमंद टेक्नॉलॉजी ब्रांड, रियलमी ने सी-सीरीज़ में अपने सबसे नए उत्पाद, रियलमी सी55 का अनावरण किया है। यह 64 मेगापिक्सल के कैमरा और 33 वॉट की चार्जिंग के साथ एंट्री लेवल में नया चैंपियन है। अत्याधुनिक विशेषताओं, स्लीक डिज़ाईन और अपडेट्स के साथ सी-सीरीज़ स्मार्टफोन की यह नई श्रृंखला लीप-फॉरवर्ड टेक्नॉलॉजी के साथ इस सेगमेंट का नेतृत्व करेगी और चार प्रमुख क्षेत्रों: कैमरा, स्टोरेज, चार्जिंग और डिज़ाईन में टेक्नॉलॉजी को विशाल जनसमूह तक पहुँचाएगी। इसी प्रतिबद्धता के साथ हमने रियलमी सी55 पेश किया है। हमारी इस लेटेस्ट पेशकश में बेहतरीन मूल्य में शक्तिशाली प्रदर्शन मिलता है। अपने स्लीक डिज़ाईन, शानदार परफॉर्मेंस, और अभूतपूर्व विशेषताओं के साथ रियलमी सी55 उन लोगों के लिए बेहतरीन विकल्प है, जो अपने स्मार्टफोन से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं। रियलमी की नई सी-सीरीज़ में सी का मतलब चैंपियन है। हम स्ट्रेटजिक अपग्रेड्स के साथ ऐसी डिवाईस लाए हैं, जिससे बेहतरीन परफॉर्मेंस मिलती है, और युवा पीढ़ी का व्यक्तित्व एवं स्टाईल प्रदर्शित होते हैं। हमारा यकीन है कि रियलमी सी55 नए मानक स्थापित कर देगा और इस सेगमेंट में बेहतरीन स्मार्टफोन प्रदान करेगा। हमें विश्वास है कि रियलमी सी55 युवाओं को आत्मविश्वास के साथ खुद की अभिव्यक्ति करने में समर्थ बनाएगा और उन्हें अपने जीवन के चैंपियन लम्हों की ओर बढ़ने और उनका आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित करेगा।''

शक्तिशाली प्रदर्शन के साथ रियलमी सी55 उन ग्राहकों को आकर्षित करेगा, जो बेहतरीन स्टाईल और फंक्शनलिटी के साथ शानदार स्मार्टफोन चाहते हैं।

लॉन्च के अवसर पर माधव शेठ, सीईओ, रियलमी इंडिया, वीपी, रियलमी और प्रेसिडेंट, रियलमी इंटरनेशनल बिज़नेस ने कहा, ''एक ब्रांड के रूप में रियलमी अपने यूज़र्स को लेटेस्ट टेक्नॉलॉजी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो उनकी जीवनशैली के अनुरूप हो। ब्रांड-न्यू स्ट्रेट्जिक

## सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के नए शो सपनों की छलांग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे पॉपुलर एक्टर संजीव जोतांगिया

**मुंबई एजेंसी।** सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन हमेशा एक नए नजरिए के साथ अलग-अलग कॉन्टेंट, नई कहानियां और प्रेरणादायक किरदारों को पेश करने में सबसे आगे रहा है। अब यह चैनल अपने दर्शकों के लिए एक नए ज़माने की कहानी - सपनों की छलांग के साथ एक ताजातरीन यंग ड्रामा लेकर आ रहा है। यह शो रूढ़िवादी सोच रखने वालों से यह सवाल करता है कि एक लड़की किसी अजनबी शहर में अपने सपनों की छलांग क्यों नहीं लगा सकती, और अपने सपनों की नौकरी क्यों नहीं कर सकती? इस शो की नायिका राधिका (मेघा रे) इसी सोच को बदलना चाहती है और सपनों के शहर मुंबई में विश्वास की एक छलांग लगाती है। राधिका की ज़िंदगी में एक अभिन्न भूमिका निभाने वाले उनके प्यारे पिता राधे श्याम होंगे, जिनका रोल पॉपुलर टेलीविजन एवं फिल्म एक्टर संजीव जोतांगिया निभाने जा रहे हैं। एक्टर संजीव जोतांगिया ने टीवी और फिल्मों में अपने एक शानदार करियर के दौरान कई यादगार रोल्स किए हैं। बॉलीवुड में, उन्हें जयेशभाई जोरदार, बाटला हाउस और लगे रहो मुन्नाभाई जैसी फिल्मों में उनकी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है।

## पोको ने अपने सेगमेंट का सबसे उत्तम स्मार्टफोन, 5जी ऑलस्टार पोको एक्स5 5जी, लॉन्च किया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत के अग्रणी कंज़्यूमर टेक्नॉलॉजी ब्रांड्स में से एक, पोको ने अपनी लोकप्रिय एक्स-सीरीज़ में नए स्मार्टफोन, पोको एक्स5 5जी के लॉन्च की घोषणा की। इसमें क्वालकोम स्नैपड्रैगन 695 प्रोसेसर, 6.67'' का 120 हर्ट्ज़ सुपर एमोलेड डिस्प्ले, 48 मेगापिक्सल ट्रिपल कैमरा, और 5,000एमएएच की बैटरी के साथ 33 वॉट की फास्ट चार्जिंग जैसी बेहतरीन खूबियाँ हैं, जिनके साथ पोको का 5जीऑलस्टार बाजार में उतर रहा है।

इस लॉन्च के बारे में पोको इंडिया के कंट्री हेड, हिमांशु टंडन ने कहा, ''मिड-रेंज सेगमेंट में अपनी स्थिति मजबूत करते हुए हमारे 5जी ऑलस्टार पोको एक्स5 5जी में हमने टेक्नॉलॉजी और इनोवेशन का बेहतरीन मिश्रण प्रस्तुत किया है। पोको एक्स5 5जी को पूरी दुनिया में बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली है, और नया लॉन्च किया गया पोको एक्स5 प्रो 5जी फरवरी माह में भारत में फ्लिपकार्ट पर नं. 1 स्मार्टफोन बन गया। हमें विश्वास है कि पोको एक्स5 5जी बाजार में हलचल मचा देगा और 5जी का अनुभव बदल देगा।'' पोको एक्स5 5जी में सेगमेंट के सबसे शक्तिशाली 5जी प्रोसेसर्स में से एक, स्नैपड्रैगन 695 लगा है, जो हाई बैंडविड्थ और लो-लेटेंसी कनेक्शन प्रदान करता है। इसमें 7 5जी बैंड हैं, और 2.5जीबीपीएस तक की डाउनलोड स्पीड के साथ ड्युअल 5जी सपोर्ट है। इसमें एफएचडी+ सुपर एमोलेड डिस्प्ले है, जो इस सेगमेंट के बहुत कम स्मार्टफोन में मिलता है। पोको एक्स5 5जी में 6.67'' के विशाल डिस्प्ले के साथ कोर्निंग गोरिल्ला ग्लास की सुरक्षा है, जिससे व्यूइंग के अनुभव में सुधार होता है। पोको एक्स5 5जी में 48मेगापिक्सल एफ/1.8 प्राईमरी कैमरा दिया गया है, जो बहुत ही क्रिस्प पिक्चर्स और वीडियो प्रदान करता है। 8 मेगापिक्सल के अल्ट्रावाईड कैमरा और 2 मेगापिक्सल के मैक्रो सेंसर से सूक्ष्म और विस्तृत डिटेल्स मिलती हैं।

## एम्स भोपाल में छात्र परिषद द्वारा प्रवाह कार्यक्रम के अंतर्गत खेलकूद प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन सम्पन्न

**भोपाल।** यह कार्यक्रम अत्यंत सुनियोजित ढंग से आयोजित किया गया और सभी प्रतिभागियों ने इसका भरपूर आनंद लिया । इस दौरान आउटडोर और इंडोर खेलों की विभिन्न गतिविधियों की एक पूरी श्रृंखला आयोजित की गई जिसमे छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया । छात्रों ने इस पूरे आयोजन में सहयोग के लिए एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक और एम्स प्रशासन के प्रति आभार जताया । छात्रों ने बताया की एम्स प्रशासन की पूरी टीम , सुरक्षा कर्मियों एवं एम्स भोपाल के कर्मचारियों ने इस आयोजन को भव्य और यादगार बनाने मे अभूतपूर्व सहयोग प्रदान किया। छात्रों ने एम्स परिसर को स्वछ एवं हरा भरा रखने के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए पूरी सावधानी एवं सुरक्षा के साथ यह कार्यक्रम आयोजित किया । छात्रों ने प्रवाह कार्यक्रम के सफल आयोजन मे सहयोग के लिए एम्स प्रशासन, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों को एम्स परिसर में छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु आवश्यक ऐसे आयोजन में सहयोग के लिए कृतज्ञता व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया ।

### सुरखी क्रिकेट महाकुंभ का सेमी फाईनल मुकबला सम्पन्न

## मित्रता क्लब सुरखी के सुशील ने 22 रन बनाकर 4 विकेट झटके, टीम को दिलाई शानदार जीत

सागर। सुरखी विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विगत ढ़ाई माह से अधिक क्रिकेट टूर्नामेंट में गुरूवार को चार टीमों के बीच सेमीफाईनल मुकाबला खेला गया जिसमें दो टीमें फाईनल में पहुंची। हजारों की संख्या में दर्शकों से भरे स्टेडियम में लोगों ने तालियां बजाकर अपने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। गुरूवार को टीम फ्रेंड्स क्लब राहतगढ़, मड़खेरा11 बिलहरा, शानु11 बिलहरा, तथा मित्रता क्लब सुरखी के बीच मुकाबला हुआ।

पहले मैच में टीम फ्रेंड्स क्लब राहतगढ़ ने टीम मड़खेरा11 बिलहरा को हराया प्लेयर ऑफ द मैच 39 रन बनाकर नितिन महाराज रहे। दूसरे मैच में टीम मित्रता क्लब सुरखी ने टीम शानू11 बिलहरा को हराया प्लेयर ऑफ द मैच 22 रन एवं 4 विकेट लेकर सुशील रहे। इस अवसर पर क्रिकेट महाकुंभ के आयोजक आकाश सिंह राजपूत ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुये कहा कि क्रिकेट महाकुंभ में सुपर चार टीमों में पहुंचना भी बड़ी बात है सेमी फाईनल मुकाबले में उप विजेता रही टीम मड़खेरा11 बिलहरा तथा शानु11 बिलहरा का शानदार प्रदर्शन रहा। वहीं दूसरी ओर आकाश सिंह राजपूत ने विजय रही टीम फ्रेंड्स क्लब राहतगढ़ तथा मित्रता क्लब सुरखी को बधाईयां दी। गौरतलब है कि 609 टीमों तथा 10000 से अधिक खिलाड़ी तथा समिति के सदस्यों के साथ विश्व का सबसे बड़ा टूर्नामेंट लगभग ढ़ाई महीनों से सुरखी विधानसभा क्षेत्र में खेला जा रहा है जिसका महामुकाबला 26 मार्च को गोविंद स्टेडियम राहतगढ़ में खेला जायेगा इस महामुकाबले में महा आर्यमन सिंधिया तथा विश्व रिकार्ड लंदन की टीम शामिल रहेगी जिसको लेकर तैयारिया जोरों पर हैं।

दर्शकों से भरे स्टेडियम में खिलाड़ियों का खूब उत्साह वर्धन हुआ। खिलाड़ियों के चोके छक्कों का स्वागत क्षेत्रवासियों ने तालियां बजाकर किया। इस अवसर पर मुकेश, संदीप मेहता, मनीष गुरु बृजेश तिवारी,आनंद राय, मनीष, हनमत कुशवाहा, संदीप शुक्ला, पप्पू राय, प्रियांक तिवारी, विकास जैन,, रामकुमार सेन, अमित चौबे, वसीम खान सहित सैकड़ों क्षेत्रवासियों ने स्टेडियम पहुंचकर मंत्री ट्रॉफी के तहत चल रहे क्रिकेट महाकुंभ का आनंद लिया।

## शिविर लगाकर वार्डों में भरे जा रहे लाडली बहना योजना के फॉर्म

**अमरवाड़ा ।** नगर के सभी वार्डों में कैंप लगाकर नपा कर्मचारियों द्वारा लाडली बहना योजना के फॉर्म भरे जा रहे हैं। बुधवार और गुरुवार को वार्ड नंबर 03,04, 07, 09,10,11,12,13,14,15 में पात्र महिला हितग्राहियों के नगर पालिका अध्यक्ष और मुख्य नगरपालिका अधिकारी के निर्देश पर वार्डवार कैंप लगाकर निशुल्क रूप से लाडली बहना योजना के फॉर्म भरे जा रहे हैं। इस अवसर पर सीएमओ श्री बाथम ने सभी वार्डों में पात्र महिला हितग्राहियों को कैंप में पहुंचकर फॉर्म भरवाने में सहयोग करने की अपील की है ताकि जिला प्रशासन द्वारा दिए गए लक्ष्य की पूर्ति शीघ्र अति शीघ्र की जा सके।

## हिंदू नव वर्ष प्रारंभ पर देवी जागरण का हुआ

**अमरवाड़ा ।** नगर में हिंदू नव वर्ष और चैत्र नवरात्र के अवसर पर विशाल देवी जागरण कार्यक्रम का आयोजन थाना के सामने मुख्य मार्ग पर किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नगर की पुराना पोस्ट ऑफिस दुर्गा उत्सव समिति द्वारा किया गया। जिसमें सुप्रसिद्ध गायक कलाकार नंदू ताम्रकार और पूजा गोल्हनी ने अपनी सुप्रसिद्ध भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे। जिनके द्वारा माता के जगराते में जमकर नृत्य भी किया गया। साथ ही सभी समिति सदस्यों द्वारा हिंदू नव वर्ष प्रारंभ पर जमकर आतिशबाजी की गई। इस मौके पर नगर के सभी जन प्रतिनिधि,गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। इस अवसर पर सभी ने एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं भी प्रेषित की।

## श्रीमती मीना पाटनी के निधन पर कांग्रेसजन ने शोक व्यक्त किया

**छिन्दवाड़ा ।** पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष एवं वर्तमान जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष कैलाश पाटनी जी की धर्मपत्नी श्रीमती मीना पाटनी के निधन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ जिले के सांसद श्री नकुलनाथ सहित जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे, महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती किरण चौधरी सहित समस्त कांग्रेसजन ने अपना गहन शोक व्यक्त किया

## भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव की शहादत दिवस मनाया

**परासिया ।** आजादी के दीवाने और देश पर जान कुर्बान करने वाले वीरों में शहीदे आज़म सरदार भगत सिंह राजगुरु सुखदेव की शहादत दिवस पर कार्यक्रम आयोजित कर लाल झंडा कोल माईंस मजदूर यूनियन सीटू कन्हान पेंच क्षेत्र ने गुढ़ी में मुख्य कार्यालय शहीद भवन में आयोजित कर मनाया गया। साथ ही कोयलांचल क्षेत्र में मजदूरों के हकों और अधिकारों की लड़ाई को धार देने वाले लाल झंडा यूनियन के मशहूर मजदूर नेता कामरेड पी0के0मूर्ती की पुण्यतिथि भी मनायी गई। ज्ञात हो कि क्षेत्र में मालिकों द्वारा संचालित कोयला खदानों में मजदूरों का शोषण किया जाता था,हकों और अधिकारों कि तो कोई बात ही नहीं थी।उस समय मजदूरों को संगठित कर हड़ताल और संघर्ष करने में महती भूमिका निभाई और संगठन को मजबूती प्रदान किया। सभी वक्ताओं ने विस्तृत जानकारी देते हुए अपने विचार रखे। कार्यक्रम दोपहर दो बजे से शुरू हुआ और शाम चार बजे तक संपन्न हुआ जिसमें सीटू युनियन के केंद्रीय पदाधिकारियों में प्रमुख वक्ताओं में अध्यक्ष अमरनाथ सिंह, महासचिव मीरहसन, वरिष्ठ सचिव मार्कंडेय मिश्रा, सचिव अशोक भारती, विकास सातनकर, मो0अनवर,दीलीप भारती, संतोष साहू, शशिकपूर भारती, शंकर लाल, धरमचंद सेंडे, नितिन साहनी, बुद्धि सागर, फिरोज खान, सदनलाल, कैलाश यदुवंशी,धर्मेन्द्र, कपिल, संजय साल्वे, अमरसिंह धुर्वे,भंडोल चौधरी, लियाकत अली रामहित, सहित कई कार्यकर्ता पदाधिकारी और महिलाओं ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

## युवाओं के लिये मील का पत्थर साबित हो रहा अंबुजा फाउंडेशन स्किल सेंटर

### पूर्व सीएम कमलनाथ ने की कम्पनी के सीईओ से चर्चा

**छिन्दवाड़ा ।** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व जिले के सांसद नकुलनाथ के प्रयत्नों से जिले में विभिन्न स्किल ट्रेनिंग सेंटर संचालित हो रहे हैं इनमें से एक अमरवाड़ा का अंबुजा फाउंडेशन स्किल ट्रेनिंग सेंटर भी है जो आदिवासी अंचल में युवाओं के लिये मील का पत्थर साबित हो रहा है। इस सेंटर से प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। अमरवाड़ा के अंबुजा फाउंडेशन स्किल सेंटर से युवाओं को इसी तरह निरंतर और गुणवत्ता के साथ प्रशिक्षण मिलता रहेगा। ताकि युवा प्रशिक्षण हासिल कर रोजगार से जुड़ सके इस हेतु पूर्व सीएम कमलनाथ ने कम्पनी के सीईओ से दूरभाष पर चर्चा की। विदित हो कि अमरवाड़ा ब्लॉक में स्थित अंबुजा फाउंडेशन स्किल ट्रेनिंग सेंटर विगत 15 वर्षों से संचालित हो रहा है और आगे भी यथावत संचालित होता रहेगा। ट्रेनिंग सेंटर के स्टॉफ ने गत दिवस अपनी समस्यायें पूर्व सीएम कमलनाथ व सांसद नकुलनाथ के समक्ष व्यक्त की थी। जिला कांग्रेस कौशल विकास समन्वयक आतिश ठाकरे ने बताया कि पूर्व सीएम कमलनाथ ने अंबुजा फाउंडेशन के स्टॉफ की समस्या को सुनने के उपरांत तत्काल अंबुजा सीमेंट के सीईओ अजय कपूर से दूरभाष पर चर्चा की ।

# गृहमंत्री अमित शाह के आगमन को लेकर चप्पे चप्पे पर तैनात होगी पुलिस

## प्रशासन की तैयारियां जोरों पर, ढाई हजार पुलिस बल छिंदवाड़ा

**छिंदवाड़ा ।**केन्द्रीय गृहमंत्री के आगमन को लेकर पुलिस चप्पे चप्पे पर तैनात होगी इसको लेकर पुलिस सतर्क हो गई है और गृहमंत्री अमित शाह की तैयारियों को लेकर प्रशासन की तैयारियां जोरों पर चल रही है। 25 मार्च को केन्द्रीय गृहमंत्री का आगमन हो रहा है। वे आंचलकुंड में दादा धूनीवाले दरबार में पूजन और धर्मगुरूओं का सम्मान करने के बाद छिंदवाड़ा में आमसभा को संबोधित करेंगे। उनके साथ प्रदेश भाजपा के बड़े नेता भी उपस्थित रहेंगे उनके आगमन को लेकर पुलिस ग्राउण्ड में भारी पुलिस बल मौजूद है करीब ढाई हजार पुलिस का बल छिंदवाड़ा पहुंच गया है। और प्रशासनिक अधिकारियों ने मोर्चा संभाल लिया है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एएसपी संजीव उईके ने बताया कि विभिन्न जिलों से पुलिस बल आ रहा है। केन्द्रीय मंत्री की आमसभा को लेकर हर पाइंट पर पुलिस अधिकारी तैनात रहेंगे। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा, जिले के प्रभारी मंत्री कमल पटेल, प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव, प्रदेश संगठछन मंत्री हितानंद शर्मा, राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार और अन्य प्रमुख नेता पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

जिला भाजपा अध्यक्ष के अनुसार गृहमंत्री अमित शाह 25 मार्च को नागपुर से हेलीकाप्टर से रवाना होकर 2 बजकर 10 मिनट पर आंचलकुंड पहुंचेगे वे 2.40 बजे तक पूजा अर्चना करेंगे, 3 बजे एसएएफ मैदान पहुंचेंगे, 3.10 बजे सभा स्थल पुलिस ग्राउण्ड पहुंचेंगे, 1 घंटे सभा करेंगे और 4.15 बजे पुलिस ग्राउण्ड से रवाना होकर 4.25 बजे भाजपा कार्यालय पहुंचेंगे, यहां 50 मिनट मीटिंग कर वे एसएएफ ग्राउण्ड से 5.25 बजे नागपुर के लिए रवाना होंगे।

## टैक्सी पर चलने वाले को जनता व भाजपा ने 3 बार विधायक, मंत्री बनाया: राहुल मोहोड़

### जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे के बिगड़े बोल

**गोविन्द चौरसिया**

**छिंदवाड़ ।** जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे ने सौंसर के पूर्व विधायक नाना मोहोड़ पर तंज कसते हुए कहा कि नाना मोहोड़ जिसके पास टैक्सी में बैठने के रूपए नहीं होते थे आज उसका पैसा बोल रहा है। इस पर जिला भाजपा के उपाध्यक्ष नाना मोहोड़ के पुत्र राहुल मोहोड़ का कहना है कि हम जनता एवं भारतीय जनता पार्टी के आभारी हैं कि जिसने टैक्सी पर बैठने वाले को तीन बार का विधायक एवं मंत्री बनाया। श्री राहुल ने कहा कि विश्वनाथ ओक्टे पहले जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे उनका डिमोशन हुआ और अब वे ग्रामीण के अध्यक्ष हैं इसीलिए उनमें बौखलाहट हैं। विश्वनाथ जाति के कुनवी हैं और जिले में कुनवियों की संख्या करीब 4 लाख 80 हजार है इस पर भाजपा ने सेंध लगाई है जिससे इनके बोल बिगड़ गये हैं।

## शहीदों की याद में निकली कमलनाथ सेना की विशाल रैली

**छिंदवाड़ा ।** कमलनाथ सेना के सेना प्रमुख विनय राजपूत ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि शहीद भगतसिंह, राजगुरू, सुखदेव एवं शहीदों की याद में दिनांक 22 मार्च 2023 को शहीद दिवस की पूर्व संध्या पर कमलनाथ सेना ने विशाल मसाल रैली निकाली रैली स्थानीय सुभाष पार्क छोटा तालाब से प्रारंभ हुई जो दुर्गा चैक, पुराना पावर हाउस, छोटी बाजार, मेन रोड, गोलगंज, फब्बारा चैक, प्रेस काम्पलेक्स होते गगनभेदी नारों के साथ शहीद स्मारक पहुॅची, शहीद स्मारक पर पहुॅच कर सभी गणमान्य नागरिकों सहित सभी ने माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किये तथा शहीद स्मारक पर गगनभेदी नारे लगाये गये जिसमें प्रमुख रूप से भगत सिंह अमर रहे के नारे लगे सभी में ओज एवं देश की भावना देखते ही बनती थी। मसाल रैली का जगह-जगह शहर की जनता ने फूल मालाओं के साथ स्वागत किया और प्रशंसा की । इस अवसर पर शहीदों की याद को संजोय, विनय राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि मसाल रैली का आयोजन विगत 17 वर्षो से किया जा रहा है यह रैली का 18 वॉ वर्ष है । रैली का मुख्य उद्देश्य देय के अमर शहीदों का सम्मान करना और देश के युवाओं में देश प्रेम की भावना का जागृत करना है, हम चाहते हैं कि संपूर्ण भारत वर्ष में शहीदों की इस तरह से सम्मान दिया जाये, और युवाओं को देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत किया जाये । रैली के समापन अवसर पर सभी ने माल्यार्पण कर दो मिनट का मौन धारण किया। तत्पश्चात रैली में शामिल हुये नेतागण एवं नागरिक बंधुओं का विनय ने आभार व्यक्त किया। मसाल रैली में विशेष रूप से जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे, जामई विधायक सुनील उइके, पॉढुर्णा विधायक नीलेश उइके, पूर्व विधायक गंभीर सिंह जी चैधरी, राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त गुरूचरण खरे, जय सक्सेना, नरेश साहू, पप्पू यादव, पंकज शुक्ला, जाकिर परवेज, मुकेश उपाध्याय, इब्ने हसन रिजवी, विनोद गढ़ेवाल, शैलू सेंगर, तरूण कराड़े, चिन्टू काले, अंबर दाढ़े, बंटी शुक्ला, राहुल दुबे, अविनाश साव, राहुल मालवी, रिन्कू नैयर, आशीष चैधरी, अर्जुन बघेल, बाबा ठाकुर, बंटी सक्सेना, शरद नामदेव, सत्यप्रकाश शुक्ला, साकेत नेमा, इनोद कामले, अभिषेक गुप्ता, राजेन्द्र शर्मा, राजू चैकसे, दुर्गा साहू, प्रकाश मेहरोलिया, शिव डेहरिया, ललित राजपूत, राकेश यदुवंशी, विक्की पाल, निरंजन, मालवी, सोनू सोनी, दीपक चैरे, अनिल यादव, प्रदीप लालवानी आदि बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे ।

## अधिवक्ता के विरत होने से न्यायालीन नहीं होने से पक्षकार परेशान

**अमरवाड़ा ।** स्टेट बार काउन्सिल के आह्वान पर प्रदेश के वकील आज से तीन दिनों के लिए हड़ताल पर चले गए हैं, प्रदेश के लगभग एक लाख वकीलों के हड़ताल पर चले जाने यानि न्यायालयीन कार्य से विरत रहने के चलते आज अमरवाड़ा के न्यायालयों में कार्य ठप है, उधर प्रकरणों की सुनवाई नहीं होने से पक्षकार परेशान हो रहे हैं।

### कोर्ट पहुंचे वकील लेकिन नहीं किया कोई काम

अमरवाड़ा के न्यायालयों में आज वकीलों ने काम नहीं किया, वकील कोर्ट तो पहुंचे लेकिन उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया, अमरवाड़ा में सत्र न्यायालय परिसर में वकील इकट्ठा हुए और मीडिया के सामने अपनी बात रखी। तहसील अधिवक्ता संघ अमरवाड़ा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हम सब मुख्य न्यायाधिपति द्वारा दिए गए आदेश का विरोध कर रहे हैं

### 3 महीने में 25 केसों का निराकरण करना व्यवहारिक नहीं

उन्होंने कहा कि मुख्य न्यायाधिपति ने अपने उच्च न्यायालयों में केस की पेंडेंसी पर कभी ध्यान नहीं दिया लेकिन अधीनस्थ न्यायालयों के लिए तीन महीने में निराकरण का आदेश दे दिया, उन्होंने आरोप लगाया कि न्यायालयों पर दबाव बनाया जा रहा है। व्यवहारिक कठिनाई की बात करते हुए उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति अपने प्रकरण में एक अच्छा वकील चाहता है ये उसका अधिकार भी है लेकिन मुख्य न्यायाधिपति ने आदेश दिया है कि आपको 3 महीने में 25 केसों का निराकरण करना है, जो व्यवहारिक नहीं है। तहसील अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष महेश बेलवंशीवरिष्ठ अधिवक्ता अशोक तिवारी एसके चतुर्वेदी सुबोध श्रीवास्तव स.स. ॥ रिजवी राजेंद्र नेमा मुर्शरत हुसैन मनोज सराठे हरिप्रसाद कटारे सीताराम कटारिया रवि पालीवाल संदीप नेमा प्रफुल्ल चतुर्वेदी शशि राम सूर्यवंशी सुनील डेहरिया समस्त अधिवक्ता मौजूद रहे

## शहीद दिवस पर दी श्रद्धांजलि

छिन्दवाड़ा । अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद, पूर्व सैनिक संघठन एवं जय जवान फिजिकल सोसाइटी ने जिले के शहीद स्मारक पर स्वतंत्रता के लिये अपने जान बलिदान करने वाले शहीद भगतसिंह शहीद राजगुरु एवं शहीद सुखदेव को 2 मिनिट का मौन धारण करके पुष्पमालाये अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। शहीदों की पुण्यतिथि पर फनम्बर वन हो जिला हमारा हम सबका अरमान है। जाती धर्म से पहले हम सब एक ही इन्शान है। गाने को लांच किया गया । इस गाने को से. नि. सूबेदार मोहन घंगारे ने लिखा एवं विजेंद्र डेहरिया ने गाया है।इस गाने का शन्देश है की हमने एक होकर रहना है और अपने जिले को फिजिकल मे नंबर वन बनाना है।साथ ही इस गाने मे अपने जिले के शहीदों का वर्णन है। इस गाने को यू ट्यूब चैनल जय जवान फिजिकल सोसाइटी छिंदवाड़ा पर सुन सकते है। और इस कार्य मे सहयोग देकर जिले को नम्बर वन बनाने की मुहीम का हिस्सा बन सकते है। इस अवसर पर पूर्व सैनिक सूबेदार मेजर देवकरण डेहरिया, सूबेदार मेजर सुभाष साहू, सूबेदार परमात्मा प्रसाद शुक्ला सूबेदार उदयभान उइके,सूबेदार वासुदेव दोड़के सूबेदार शियाजी डोंगरे हवलदार रामसिंह डेहरिया हवलदार सुरेन्द्र मोरिया हवलदार सुरेन्द्र पहाड़े हवलदार गौरीशंकर शर्मा, हवलदार गुलाब सिंह चौहान, हवलदार आंनद मालवीय अध्यक्ष नायक नारायण मालवीय एवं सैनिक परिषद के अध्यक्ष सूबेदार मोहन घंगारे एवं जय जवान से सौरभ कवरेती, रामभरोष दर्शामा, सागर चौधरी,नीरज कुलतियां, मोहित यादव,शुभम चरपे चिंकू मंडराह,इंद्रा साहू आदि लोग उपस्थित रहे।

## महेन्द्र चौहान का निधन

**छिंदवाड़ा।** राजस्व निरीक्षक महेंद्र चौहान का निधन उनके रिटायरमेंट के 67 दिन थे बाकी हृदयाघात से हुआ निधन हो गया राजस्व विभाग उनके निधन पर विनम्र श्रद्धांजलि दी।

## बौद्ध दर्शन ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य विषय पर 24 एवं 21को राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

### देश भर से आमंत्रित विद्वान करेंगे दो दिवसीय चिंतन बौद्ध दर्शन शोधपत्रों का होगा वाचन

**छिंदवाड़ा ।** शासकीय पी जी कॉलेज में बौद्ध दर्शन ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य विषय पर दिनांक 24 एवं 25 मार्च को दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है, संगोष्ठी में देश भर से पधारे पंद्रह से ज्यादा विषय विशेषज्ञ एवम् 300 से ज्यादा शोधार्थी सहभागिता दर्ज करेंगे, महाविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी के विषय में बताते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी आर चंदेलकर ने बताया कि आधुनिक जीवन में अध्यात्म का महत्व बढ़ता जा रहा है, इस संदर्भ में बौद्ध दर्शन की प्रासंगिकता उत्तरोत्तर बढ़ती जा रही है, कार्यक्रम संयोजक डॉ शेखर ब्रम्हने ने बताया कि ऐतिहासिक दृष्टि से बौद्ध दर्शन ने छठवीं शताब्दी ईसा पूर्व में समरसता पूर्ण समाज की स्थापना में अद्भुद भूमिका निभाई, वर्ण व्यवस्था के अभिशाप से, भेदभावपूर्ण लोकव्यवहार से समाज को चेताया, सत्य,अहिंसा, अस्तेय, अपरिग्रह, ब्रम्हचर्य के साथ ही पंचशील का दर्शन दिया। आडंबर, अंधविश्वास की विकृति से पीड़ित समाज को जाग्रत किया। कार्यक्रम के सहसंयोजक डॉ जगमोहन सिंह पुशाम, सचिव डॉ उईके, सहसचिव डॉ माया साहू एवं श्री महेंद्र साहू ने इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागी बनकर सामाजिक समरसता में अपनी भूमिका के निर्वहन का आह्वान किया है। राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ बी आर अम्बेडकर सामाजिक शोध विश्वविद्यालय से कुलपति डॉ रामदास गोमाजी अतराम, सेवानिवृत प्रमुख वैज्ञानिक झांसी से डॉ सुमेध थेरो, लखनऊ विश्वविद्यालय से डॉ शूरा धारापुरी, पूना से डॉ लहू गायकवाड़, डॉ. किरण जाधव, डॉ जगदीश सोनवाने, आर टी एम विश्वविद्यालय नागपुर से डॉ ज्वाला भारत दोहाने, डॉ सरोज डांगे, डॉ प्रियदर्शी खोबरागड़े, होशंगाबाद से डॉ रेखा रानी राठौर विषय विशेषज्ञ के रूप में पधार रहे हैं।

## गर्ल्स कॉलेज में यूथ महापंचायत का कार्यक्रम लाईव प्रसारण को देखा एवं सुना

छिंदवाड़ा । राजमाता सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय छिन्दवाड़ा में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशन एवं प्राचार्य डॉ. अजरा एजाज मार्गदर्शन में यूथ महापंचायत मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का का लाईव कार्यक्रम महाविद्यालय में देखा एवं सुना गया। यूथ महापंचायत में युवाओं ने अपने विचार व्यक्त किये। मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने शहीदो के चित्रों माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया एवं युवाओं को संबोधित किये। कार्यक्रम में श्री विनोद तिवारी, डॉ. चन्द्रकांत विश्वकर्मा, डॉ. अनिता कौशल, डॉ. उमा पांड्या, डॉ. नयनबालादास, प्रो. डॉ. विजय कलमधार, प्रो. बिन्दिया महोबिया, डॉ. संकेत चौकसे, डॉ. पम्पी चावला, प्रो. सुरेश कुमार बाटड, डॉ. सिन्धु लाहोरिया, प्रो. पूनम उसरेठे, डॉ. श्रीपाद आरोणकर, डॉ. उषा भारती, डॉ. जे.एल हनोते, प्रो. सुरेशप्रसाद अहिरवार, प्रो. फरजाना बानो, डॉ. संजय मुंजे, डॉ. मुकेश कौशल, डॉ. डी. एस. आकरे, डॉ. दिनेश कुमार चौधरी, डॉ अर्चना मैथ्यू, डॉ. अस्मिता मुंजे, डॉ. अनिता मिश्रा, प्रो. संध्या जगभिये, डॉ. प्रशांत बेलवंशी, डॉ. नीलिमा बागडे, श्री पी.बी. पाठक, डॉ. महिम चतुर्वेदी, प्रो. रश्मि नागवंशी, डॉ. सिम्पल पाटिल, डॉ. अजय सिंह ठाकुर, श्री विमल सिंह चौधरी, श्री आरएस नागोतिया, श्री प्रमोद झाडे श्री एमआर ठाकरे, श्री डी. आर. डोंगरे, डॉ. सुदीश कुमार सूर्यवंशी, डॉ. मनिंदर सिंह भाटिया एवं जनभागीदारी शिक्षक, अतिथति विद्वान तृतीय श्रेणी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एवं एनसीसी, एनएसएस एवं महाविद्यालय की छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित होकर यूथ महापंचायत का लाईव कार्यक्रम को देखा एवं सुना गया।

## शेष 19 मदिरा समूहों हेतु पुनः टेंडर 25 को

**छिन्दवाड़ा ।** वर्ष 2023- 24 हेतु मध्यप्रदेश शासन की नई आबकारी नीति के तहत मदिरा समूहों की आबंटन प्रक्रिया में दिनांक 22 मार्च तक जिले के 40 मदिरा समूहों में से 19 मदिरा समूहों में ठेकेदारों द्वारा कोई रुचि नहीं दिखाई गई है ।इन शेष 19 मदिरा समूहों में बस स्टैंड,फव्वारा चौक ,इमली खेड़ा, परतला ,पांढुर्णा, सौसर, पिपलानारायणवार ,तिगांव, चौरई, चांद, तामिया, सिहोरामाल, अमरवाड़ा, हर्रई ,झुर्रेमाल ,रामपुर तानसी, चांदामेटा , तामिया व हिवरखेड़ी जैसे मदिरा समूह शामिल है जिनका वर्ष 2023- 24 हेतु शासन द्वारा आरक्षित मूल्य 230,94,48,869 रुपए रखा गया है। इन समूहों हेतु दिनांक 25 मार्च को पुन: टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। दिनांक 22 मार्च की टेंडर प्रक्रिया में शासन द्वारा वर्ष 2023 -24 हेतु निर्धारित आरक्षित मूल्य से 8.97फ तक कम के टेंडर ऑफर स्वीकृत कर दिए गए हैं जिससे माना जा रहा है कि दिनांक 25 मार्च को टेंडर प्रक्रिया में शासन द्वारा आरक्षित मूल्य से और अधिक कम मूल्य के टेंडर ऑफर स्वीकार किए जा सकते हैं जिसे देखते हुए आबकारी विभाग द्वारा दिनांक 25 मार्च को शेष 19 मदिरा समूहों हेतु टेंडर प्रक्रिया में ठेकेदारों के मध्य कड़ी प्रतिस्पर्धा की संभावना जताई जा रही है तदानुक्रम में जिला छिंदवाड़ा में स्थित एकमात्र भांग दुकान समूह में शामिल दो भांग दुकानों के लाइसेंसी को भी वर्ष 2022 -23 के वार्षिक मूल्य में 10फ की वृद्धि कर वर्ष 2023-24 हेतु आरक्षित मूल्य ?4,93,031 में अपनी दुकानों के लाइसेंस का नवीनीकरण कराए जाने का विकल्प दिया गया था किंतु लाइसेंसी द्वारा नवीनीकरण में अरुचि प्रदर्शित किए जाने पर उक्त भांग दुकान समूह में शामिल दो भांग दुकानों का भी दिनांक 27 मार्च को निर्धारित आरक्षित मूल्य पर ऑफलाइन टेंडर प्रक्रिया द्वारा निष्पादन किया जाएगा ।

## मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत परासिया ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में बनाये गये 20 सेक्टरों

### सेक्टर अधिकारियों और सहायक सेक्टर अधिकारियों की नियुक्ति

**छिन्दवाड़ा ।** कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले द्वारा मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना 2023 के क्रियान्वयन और योजना के पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन कर उनके आवेदन पत्र जमा कराकर उन्हें योजना का लाभ दिलाने के लिये जिले के परासिया ग्रामीण क्षेत्र में 7 और परासिया शहरी क्षेत्र में 13 सेक्टर बनाकर सेक्टर अधिकारियों और सहायक सेक्टर अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इन अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि वे अपने सेक्टर में उन्हें सौंपे गये कार्य संपादित कराया जाना सुनिश्चित करें और इस संबंध में किये गये कार्य की प्रगति रिपोर्ट प्रतिदिन जिला स्तरीय कंट्रोल रूम और नोडल अधिकारी को उपलब्ध करायें ।अपर कलेक्टर श्री ओ.पी.सनोडिया ने बताया कि जिले के विकासखंड परासिया के सेक्टर भाजीपानी में सम्मिलित 7 ग्राम पंचायतों में सहायक संचालक पशुचिकित्सा सेवा डॉ.अभिषेक शुक्ला को सेक्टर अधिकारी और सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी श्री संजय ईवनाती को सहायक सेक्टर अधिकारी, सेक्टर पगारा में सम्मिलित 17 ग्राम पंचायतों में प्राचार्य साजकुही ओ.पी.जोशी को सेक्टर अधिकारी और सहायक यंत्री पीएचई मैकेनिकल डिविजन परासिया मेहरा को सहायक सेक्टर अधिकारी, सेक्टर शिवपुरी में सम्मिलित 14 ग्राम पंचायतों में संभागीय प्रबंधक सड़क विकास निगम छिंदवाड़ा गगन भावर को सेक्टर अधिकारी और दिलीप टेकाम को सहायक सेक्टर अधिकारी, सेक्टर कुण्डालीकला में सम्मिलित 18 ग्राम पंचायतों में महाप्रबंधक प्रधानमंत्री सडक मंचितराव मोहबे को सेक्टर अधिकारी और सहायक प्रबंधक संजय साहू को सहायक सेक्टर अधिकारी, सेक्टर मोरडोंगरीखुर्द में सम्मिलित 16 ग्राम पंचायतों में प्रभारी प्राचार्य एम.बी.सिंग को सेक्टर अधिकारी और उच्च शिक्षक दुलीचंद धुर्वे को सहायक सेक्टर अधिकारी, सेक्टर रिधौरा में सम्मिलित 8 ग्राम पंचायतों में प्राचार्य शासकीय माध्यमिक विद्यालय रिधौरा श्रीराम धुर्वे को सेक्टर अधिकारी और उच्च श्रे शिक्षक श्री कुशल प्रसाद को सहायक सेक्टर अधिकारी तथा सेक्टर उमरेठ में सम्मिलित 11 ग्राम पंचायतों में परियोजना अधिकारी आईसीडीएस क्रमांक-2 परासिया सुश्री मोनिका उईके को सेक्टर अधिकारी और पर्यवेक्षक आईसीडीएस श्रीमती योगिता सोनी को सहायक सेक्टर अधिकारी नियुक्त किया गया है ।

## महापंचायत का वर्चुअल कार्यक्रम

**छिंदवाड़ा।** यूथ महापंचायत का वर्चुअल कार्यक्रम धर्म टेकड़ी स्थित शासकीय स्व शासी महाविद्यालय में किया गया।नगर निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में लगभग 400 युवा छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लर्न अर्न कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यूथ महापंचायत में की तथा प्रदेश के युवाओं को संबोधित किया। उपर्युक्त महाविद्यालय में आयोजित वर्चुअल अवलोकन कार्यक्रम में युवाओं के साथ शा. स्व शासी महाविद्यालय की जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष भरत घई,पार्षद गण, नगर निगम आयुक्त राहुल सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य पी आर चन्देलकर, प्रोफेसर, अन्य स्टाफ तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## बिछुआ के माता मां मंदिर में स्थापित किए गए 401 मनोकामना कलश

**बिछुआ ।** नगर के माता मां मंदिर में चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर माता मां मंदिर समिति के तत्वावधान में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्रध्दालु भक्तों के द्वारा मनोकामना कलशों की स्थापित की गई। मंदिर समिति अध्यक्ष कमलेश डोंगरे ने बताया की इस वर्ष श्रध्दालु भक्तों के द्वारा 401 मनोकामना कलश स्थापित किए। तो लगातार दिनों तक जग-मग जलते रहेंगे। तो वहीं सुबह से लेकर देर रात्रि तक श्रध्दालुओं की भीड़ दिखाई दी।

**डीजे नाइड में उमड़ा जनसैलाब** -नगर के बस स्टैंड में हिन्दू उत्सव समिति बिछुआ हिन्दू नववर्ष के पावन अवसर पर भव्य डीजे नाइड का आयोजन किया गया। डीजे नाइड में बड़ी संख्या में जनसैलाब उमड़ा पड़ा। कार्यक्रम देर रात्रि तक थिरकते रहें । तो वहीं कार्यक्रम के आयोजन से सम्पूर्ण नगर में जय जय श्रीराम के जयघोष गुजायमन हो उठे। 9 दिवसीय सत्संग समारोह हुआ शुरू - माता मां चौक के प्रवचन स्थल पर 9 दिवसीय सत्संग समारोह की शुरुवात की गई। जिसमें वृंदावान से आए प्रवचनकर्ता गजेन्द्राचार्य महाराज एवं जबलपुर की कथावाचक सोनम मिश्रा के द्वारा जगत जननी जगदम्बा की महिमा का बखान किया गया।

भोपाल जिला अदालत में आज वकीलों द्वारा धरना एवं प्रदर्शन किया गया माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर मध्य प्रदेश द्वारा 25-25 प्रकरणों के संबंध में जारी अव्यवहारिक आदेश के संबंध में जिला अभिभाषक संघ भोपाल 22 से 25 तक शांतिपूर्ण विरोध एवं न्यायालयीन कार्य से विरत रहेंगे।

आज से एमपी नगर स्थित हाट बाजार में 24 मार्च से 27 मार्च 2023 तकअंतरराष्ट्रीय खाद्य प्रसंस्करण एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है इसके शुभारंभ के पूर्व दुकानदार लोग अपनी दुकानों की तैयारी करते हुए।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने आज सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया।

# भोपाल जिला देश में दूसरे स्थान पर, मप्र के 3 जिले टॉप 10 में

**भोपाल।** गत वर्ष भारत सरकार द्वारा देश में चलाये गये ईट राइट चैलेंज का परिणाम आज प्रकाशित हुआ जिसके अनुसार भाग लेने वाले 260 जिलों में देश में भोपाल को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है।

ईट राइट चैलेंज प्रतियोगिता में भोपाल, ग्वालियर तथा उज्जैन देश में प्रथम दस जिलों में शामिल हुए है। इसी प्रकार देश स्तर पर निकली है सूची के प्रथम पचास जिलों में मध्यप्रदेश के दस जिले शामिल हैं। आगामी 7 जून को केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री के द्वारा प्रतियोगिता के अग्रणी जिलों के नोडल अधिकारियों को पुरूस्कृत किया जायेगा ।

आमजन के खान-पान की आदतों में सकारात्मक बदलाव तथा खाद्य प्रतिष्ठानों में आत्म-अनुपालन की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 01 मई 2022 से 15 नवम्बर 2022 तक चलाये गये देशाव्यापी ईट राइट चैलेंज की विभिन्न गतिविधियों के संचालन किया गया था।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश में लगातार बेहतर काम हो रहा है। ईट टू राइट चैलेंज में भोपाल ने देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है और देश में तीन जिले सबसे बेहतर काम करके टॉप टेन सूची में स्थान बनाया है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा चलाये जा रहे मिलावट से मुक्ति अभियान के कारण प्रदेश में अधिक संख्या में नमूना संग्रहण, खाद्य अनुज्ञप्ति की संख्या में वृद्धि हेतु शिविर लगाना, खाद्य सुरक्षा हेतु जागरूकता अभियान जैसे कार्य निरंतर किये जा रहें हैं जिसके परिणामस्वरूप ईट राइट चैलेंज प्रतियोगिता में जिलों ने सराहनीय उपलब्धि प्राप्त की है ।

स्वास्थ्य मंत्री प्रभुराम चौधरी के मार्गदर्शन तथा आयुक्त, खाद्य सुरक्षा डॉ. सुदाम खाड़े के निर्देशन में प्रदेश के सभी



प्रतियोगी जिलों के द्वारा सराहनीय कार्य कर खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में प्रदेश को गौरवान्वित किया गया है ।

कलेक्टर अविनाश लवानिया ने भोपाल जिले ईट टू राइट चैलेंज की लगातार मॉनिटरिंग में की और इसके लिए मीडिया को भी समय समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम में सहयोग के लिए आव्हान किया था। जिससे लोगो में जागरूकता आई और दुकान संचालकों ने भी इस काम में बढ़चढ़ कर भाग लिया। जिससे भोपाल ने पूरे देश में बेहतर प्रदर्शन कर दूसरा स्थान प्राप्त किया है। भोपाल जिले के नागरिकों के लिय यह सम्मान का क्षण है।

चैलेंज के अन्तर्गत कलेक्टर भोपाल अविनाश लवानिया के द्वारा प्रारंभ किये गये न्यूजपेपर में दे खाना, तो बोलो ना- ना, नवाचारों को भारतीय खाद्य संरक्षा और मानक प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा सराहा गया। जिले के विहित खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री डीके वर्मा ने बताया की जिले में कॉलोनी, मोहल्ला, और दुकानों पर इस अभियान के अंतर्गत जनजागृक्त अभियान चलाया गया जिसमे लोगो ने स्वमेव इच्छा से बढ़चढ़ कर भाग लिया था।

इस दौरान देश में प्रथम ईट राइट मिलेट मेले का आयोजन भोपाल में किया गया। अंतर्राष्ट्रीय मिलेट श्री अन्न वर्ष के दौरान प्रदेश में अनेक स्थानों पर मिलेट मेलों का आयोजन किया जा रहा है।

इस ईट टू राइट चैलेंज प्रतियोगिता में अनुज्ञप्ति, पंजीयन की संख्या बढ़ाना, नमूना संग्रहण, मिलेट रेसिपी एवं फोर्टिफिकेशन प्रदर्शन, ईट राइट केम्पस, स्टेशन प्रमाणन, भोग प्रमाणन हाईजीन रेटिंग एवं नवाचारी गतिविधियों को पृथक-पृथक अंक प्रदान किये गये।

# आज से रोज़े शुरू हुए

**भोपाल।** आल इण्डिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी के अध्यक्ष हज़रत पीरज़ादा डॉ. औसाफ़ शाहमीर खुर्रम मियाँ चिश्ती ने ऐलांन करते हुए बताया कि कल रात देश में रमज़ान उल मुबारक का चाँद नज़र नहीं आया, इस लिहाज से इस्लामी कैलेण्डर वर्ष 1444 हिजरी का रमज़ान का पवित्र महीना आज 24 मार्च से शुरू हो गया है। कल शाम से ही देश भर की अनेक मस्जिदों, खांनकाहों, इमामबाड़ों,



जमातख़ानों, मदरसों, दरग़ाहों ,घरों में नमाज़ तरावीह,सहरी, तिलावत तथा कल से रोज़ा इफ़तार के कार्यक्रम भी शुरू हो गए हैं।

उन्होंने बताया कि मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से इस सम्बंध में हुई चर्चा अनुसार रमज़ान की तैयारियों के सिलसिले में सरकार ने सभी ज़िला कलेक्टर, कमिशनर, आई.जी एवं अन्य पुलिस अधिकारियों, बिजली विभाग और नगरीय निकायों के अधिकारियों तथा नगर निगम आयुक्तों, ज़िला पंचायत अधिकारियों को राष्ट्रीय पर्व रमज़ान के अवसर पर सभी नागरिकों के लिए बेहतर व्यवस्थाएँ करने तथा सभी धार्मिक, परम्परागत कार्यक्रमों में सुरक्षा व्यवस्था करने के कड़े निर्देश दिये हैं।

देश के सभी ज़िलों, शहरों, गाँवों में भी आल इण्डिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी ढ्ढस्त्रक्ष्ट की ज़िला इकाईयो के तत्वावधान में रमज़ान के परम्परागत सभी धार्मिक कार्यक्रम गंगा जमुनी संस्कृति के तहत आपसी समन्वय से सद्भावनापूर्वक सम्पन्न होंगे। मुस्लिम त्यौहारों के कार्यक्रमों की मुख्य आयोजक ऑल इण्डिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी के अध्यक्ष हज़रत पीरज़ादा डॉ. खुर्रम मियाँ चिश्ती ने सभी देशवासियों से रमज़ान उल मुबारक का पर्व भारत देश की गंगा जमुनी तहज़ीब के मुताबिक़ सांझी विरासत को सर्वोपरि रखते हुए आपसी सद्भाव, प्रेम, भाईचारे और अक़ीदत के साथ मिल जुलकर मनाने की पुरखुलूस अपील की है।

# अगले 4 दिन ओले-तेज आंधी और बारिश

**भोपाल।** मध्यप्रदेश के कई जिलों में अगले 4 दिन तक ओले-तेज आंधी और बारिश जारी रहेगी। आज यानी शुक्रवार को भोपाल, इंदौर, जबलपुर-ग्वालियर में बादल छाए रहेंगे, तो नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में बारिश हो सकती है। मौसम वैज्ञानिकों की मानें, तो नया सिस्टम एक्टिव हो गया है। हालांकि ये सिस्टम पिछले दो सिस्टम की तरह स्ट्रॉन्ग तो नहीं, लेकिन किसानों की मुश्किलें जरूर बढ़ा सकता है।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने से प्रदेश के उत्तरी-पूर्वी इलाकों में कहीं-कहीं हल्की बारिश और ओलावृष्टि का असर रहेगा। भोपाल, ग्वालियर, चंबल, रीवा, सागर, शहडोल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर और नर्मदापुरम संभाग में 27 मार्च तक मौसम का असर देखने को मिलेगा।

मौसम वैज्ञानिक नरेंद्र मेश्राम ने बताया कि राजस्थान के ऊपर चक्रवात बना है। वहीं, श्रीलंका से नॉर्थ मध्यप्रदेश की तरफ ट्रफ लाइन आ गई है। हालांकि, यह पिछले दो सिस्टम जितनी स्ट्रॉन्ग नहीं है, लेकिन इसका असर प्रदेशभर में रहेगा। 24 मार्च से वेदर डिस्टर्बेंस का असर ज्यादा दिखेगा। इससे प्रदेश के कई जिलों में फिर ओले गिरेंगे, तो 40 से 60यद्व प्रतिघंटे की स्पीड से आंधी चलेगी। मार्च महीने में यह तीसरा सिस्टम है। राजधानी में भी शुक्रवार को बारिश के आसार हैं। 15 मार्च को कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। इस दौरान ओलावृष्टि और तेज आंधी भी चल सकती है। इस बीच दिन का तापमान 33 और रात में पारा 18 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है।

## कब, कहां, कैसा रहेगा मौसम

**24 मार्च** – नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला और बालाघाट जिले में गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गरजने की संभावना रहेगी।

**25 मार्च** – भोपाल, सीहोर, रायसेन और विदिशा में बादल छाए रहेंगे। वहीं, बिजली गिर भी सकती है। वहीं, चंबल संभाग के साथ ग्वालियर-दतिया जिलों में कहीं-कहीं, शहडोल-जबलपुर संभाग के सभी जिलों में ओले गिर सकते हैं। इस दौरान 40 से 50यद्व प्रतिघंटे की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है।

**26 मार्च** – भोपाल संभाग के जिलों और नर्मदापुरम में ओलावृष्टि के आसार है। आकाशीय बिजली भी गिर सकती है। रीवा, सागर, चंबल संभाग के साथ ग्वालियर-दतिया में तेज आंधी के साथ बारिश होने की संभावना। शहडोल-जबलपुर संभाग में ओलावृष्टि के साथ तेज आंधी चलेगी। आंधी की रफ्तार 40 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा रहने की संभावना है।

**27 मार्च** – प्रदेश के कुछ जिलों में मौसम बदला सा रहेगा।

# जल दिवस पर ग्रामीणों को बताया जल संरक्षण का महत्व, दिलाई शपथ

### सेंटर फॉर रिसोर्सेज डेवलपमेंट स्टडीज संस्था ने विभिन्न ग्रामों में किया आयोजन

**भोपाल।** लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के तत्वाधान में जल जीवन मिशन अंतर्गत संस्था सेंटर फॉर रिसोर्सेज डेवलपमेंट स्टडीज द्वारा देवास जिले के विभिन्न ग्रामो में जल दिवस के अंतर्गत विशेष सप्ताह मनाया जा रहा है। इसमें देवास जिले के देवास ब्लॉक के ग्राम भड़ा पिपलिया में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन की जानकारी देते हुए डॉ नीता सिंह, अध्यक्ष सेंटर फॉर रिसोर्सेज डेवलपमेंट स्टडीज ने बताया कि इस ग्राम सभा में ग्रामीणजनों को जल जीवन और उसके महत्व की जानकारी दी गयी एवं जल संरक्षण को ले कर शपथ दिलाई गई । बागली ब्लॉक के ग्राम पांजरिया में जल समिति एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को जल जीवन मिशन अंतर्गत योजना के संचालन एवं संधारण हेतु जानकारी दी गयी तथा जल संरक्षण हेतु शपथ दिलाई गई। संस्था के कार्यक्रम प्रबंधक राहुल सुमन ने बताया कि विभिन्न ग्रामों में हुए कार्यक्रम में संस्था के ब्लॉक समन्वयक सचिन पंचोली , चितरंजन राठौर, माखन बैरागी, घनश्याम पांचाल, राजेन्द्र परमार , पप्पू सिंह परमार एवं अनिल मालवीय उपस्थित रहे ।

# भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी पंकज जोशी ने 10 शक्ति केंद्रों पर ली समीक्षात्मक बैठक



**नर्मदापुरम।** मध्यप्रदेश भाजपा बूथ विस्तारक अभियान-2.0 अंतर्गत भाजपा नगर मंडल इटारसी के समस्त 10-शक्ति केंद्रों के बूथों की महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक पत्रकार भवन में हुई सम्पन्न। इस महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक में भाजपा मध्य प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भाजपा नर्मदा पुरम संभागीय प्रभारी पंकज जोशी ने चल रहे बूथ विस्तारक अभियान-2.0 अंतर्गत भाजपा मंडल इटारसी के शक्ति केंद्रों के बूथों पर अभियान की नगर टोली एवं शक्ति केंद्र टोली द्वारा किए गए प्रमुख कार्यों की अत्यंत सूक्ष्मता के साथ संभाग एवं मंडल प्रभारी द्वारा समीक्षा की गयी। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भाजपा नर्मदापुरम संभागीय प्रभारी पंकज जोशी ने इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक दौरान अपने उद्बोधन में अभियान की शक्ति केंद्रों की टोलियां को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे मन में सदैव संगठन के विस्तार का भाव बने रहना चाहिए, हमें संगठन के लक्ष्य को ध्यान रख पूर्ण सजगता के साथ निष्ठा पूर्वक कार्य करना है, संगठन के प्रत्येक पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं को जो दायित्व मिला है उसे वह प्रमुखता के साथ निष्ठापूर्वक करें।

# नई रेलगाड़ियां चालू होने से देश से जुड़ जाएगा छिंदवाड़ाः डॉ. अभिलाष

**छिंदवाड़ा ।** भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व रेलवे बोर्ड के सदस्य डॉक्टर अभिलाष पांडे गृह मंत्री अमित शाह के दौरे को लेकर छिंदवाड़ा में है उन्होंने कहा कि जल्द ही छिंदवाड़ा में भी नई रेल गाड़ियों का शुभारंभ हो रहा है जिससे छिंदवाड़ा पूरे देश से जुड़ जाएगा और उनका प्रयास होगा कि छिंदवाड़ा से ज्यादा से ज्यादा रेल सुविधाएं लोगों को उपलब्ध हो। लखनऊ से चित्रकूट एक्सप्रेस को लेकर उन्होंने कहा कि वे छिंदवाड़ा तक बढ़ाने का प्रयास करेंगे।



पांचवा पुण्यस्मरण...

स्व.सूर्यकान्त राज़ालू
स्वर्गवास दिनांक 24/03/2018
आपका प्यार और आपके संस्कार
हमेशा मार्गदर्शन करते रहेंगे।
भावपूर्ण श्रद्धांजलि
श्रद्धानवत
श्रीमति मीना राज़ालू (पत्नि)
सौरभ राज़ालू (पुत्र)
श्रीमती ज़ूही-अनिकेत (बेटी-दामाद)
श्रीमती कुहू-चिन्मय (बेटी-दामाद)
समस्त महाराजा ट्रांसपोर्ट परिवार, सिवनी रोड, छिंदवाड़ा (म.प्र.)

उठावना ( श्रद्धांजलि सभा)



मान्यवर,
हमारे असाता कर्म के उदय से कैलाशचंद पाटनी की धर्मपत्नि तथा मनोज, नीरज, पंकज की चाचीजी श्रीमती मीना पाटनी
का देह परिवर्तन दिनांक 22 मार्च 2023, बुधवार को हो गया है ।
जिनके तीसरे का उठावना दिनांक 25 मार्च 2023, दिन-शनिवार को
प्रातः 10:30 बजे, तत्पश्चात
श्रद्धांजलि सभा और तेरहवीं का उठावना
निज निवास धनकुमार पाटनी मार्ग, राज टाकीज के पास, गोलगंज
छिन्दवाड़ा से होगा ।
-: शोकाकुल :-
राजेन्द्रकुमार, संतोषकुमार, कैलाशचंद्र, वीरेन्द्रकुमार, प्रकाशचंद,
शैलेन्द्र, सुधीर, राजकुमार, विनोद, प्रमोद, मनोज, नीरज, सीमंधर, पंकज, विजित, कमल, विवेक, विपुल पाटनी
सागर, पुलकित, आदीश पाटनी (पोते) एवं समस्त पाटनी परिवार, छिंदवाड़ा
धनकुमार कैलाशचंद पाटनी
छिन्दवाड़ा (म.प्र.)
सम्पर्क : 9425147940, 9425147908, 9424948517, 9425461778